खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 22 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-319

अमेरिका ने जिसे दी धमकी उसी से मिलने पहुंचे मोदी

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे शख्स से मिलने पहुंचे हैं जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप बार-बार धमकियां दे रहे हैं। यह शख्स पीएम मोदी और पुतिन के खास दोस्त हैं। उभरती हुई अर्थव्यवस्था के राष्ट्रपति हैं और पश्चिमी देशों को टक्कर देने वाले ब्रिक्स समूह का हिस्सा हैं। हम जिस शख्स की बात कर रहे हैं वह दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा हैं। दरअसल पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से मिलने और दक्षिण अफ्रीका में हो रही

ग्रैंड वेलकम में जमीन पर लेटकर किया गया प्रणाम

G20 बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। यह बैठक दक्षिण अफ्रीका और सिरिल रामाफोसा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि इतिहास में पहली बार अफ्रीकी महाद्वीप के किसी देश में दुनिया की 20 सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाएं बैठक कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में आयोजित जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुँचे। वे गौतेंग स्थित वाटरलूफ़ वायु सेना अड्डे पर उतरे, जहाँ उनका पारंपरिक स्वागत किया गया और कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। यह अफ्रीका में आयोजित होने वाला पहला जी20 शिखर सम्मेलन है। अफ्रीकी संघ 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 में शामिल होगा।

शिखर सम्मेलन से इतर, प्रधानमंत्री के जोहान्सबर्ग में एकत्रित कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। वह भारत, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका के त्रिपक्षीय मंच, छठे आईबीएसए शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। रवाना होने से पहले, मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लूँगा। यह एक विशेष शिखर सम्मेलन है क्योंकि यह अफ्रीका में आयोजित हो रहा है। ▶10पर

दुबई एयर शो में भारतीय वायुसेना का तेजस विमान क्रैश

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

दुबई एयर शो 2025 में शुक्रवार दोपहर भारतीय वायुसेना का अत्याधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस एक प्रदर्शन उड़ान

पायलट की मौत, कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश

के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने गहन जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं। यह घटना उस समय हुई, जब तेजस निर्धारित एरोबेटिक अभ्यास के लिए उड़ान भर रहा था। दुर्घटना के कारणों की पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। वायुसेना द्वारा विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया है। वायुसेना ने कहा कि उनका एक तेजस विमान दुबई एयर शो-25 में दुर्घटनाग्रस्त हो ▶10पर

महागठबंधन की हार पर बिहार कांग्रेस में फूट

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को पटना में विरोध प्रदर्शन किया और राज्य चुनावों में महागठबंधन के खराब प्रदर्शन के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रमुख राजेश राम और पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के खिलाफ रोष व्यक्त किया। एनडीए ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, 243 में से 202 सीटें जीतीं, जबकि महागठबंधन केवल 35 सीटें ही हासिल कर सका। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में तीन-चौथाई बहुमत हासिल किया, जो दूसरी बार है जब एनडीए ने राज्य चुनावों में 200 सीटों का आंकड़ा पार किया। 2010 में, इसने 206 सीटें जीती थीं।

इस बीच, एक दिन पहले, जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में बिहार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने किया। नीतीश कुमार के अलावा कुल 25 नेताओं ने राजग के नेतृत्व वाले नए बिहार मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में शपथ ली। इनमें सम्राट चौधरी (भाजपा), विजय कुमार सिन्हा (भाजपा), विजय कुमार चौधरी (जद-यू), बिजेंद्र प्रसाद यादव (जद-यू), श्रवण कुमार (जद-यू), मंगल पांडे (भाजपा), दिलीप कुमार जायसवाल (भाजपा) और अशोक चौधरी (जद-यू) शामिल थे। मंत्रिमंडल में

कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व पर जताया गुस्सा

शामिल होने वाले अन्य लोगों में लेसी सिंह (जेडी-यू), मदन सहनी (जेडी-यू), नितिन नबीन (बीजेपी), राम कृपाल यादव (बीजेपी), एचएएम (एस) के संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार (जेडी-यू), मोहम्मद जमा खान (जेडी-यू) और संजय सिंह टाइगर (बीजेपी) शामिल हैं। इस सूची में अरुण शंकर प्रसाद (बीजेपी), सुरेंद्र मेहता (बीजेपी), नारायण प्रसाद (बीजेपी), रमा निषाद (बीजेपी), ▶10पर

20 साल बाद नीतीश ने छोड़ा गृह विभाग सम्राट चौधरी बने सत्ता के असली पावर सेंटर

पटना, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार में नीतीश कुमार सरकार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो गया है । विभागों के बंटवारे के दौरान सबसे ज्यादा ध्यान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने खींचा है. इसकी वजह है नई सरकार की कैबिनेट में उन्हें मिलने वाले विभाग। सम्राट चौधरी को गृह विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है । आज तक ये विभाग सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास था। किसी भी सरकार में गृह विभाग सबसे शक्तिशाली विभाग माना जाता है । या कुछ यूं कहें कि किसी गठबंधन की सरकार में ये अपनी ताकत दिखाने और जताने का माध्यम भी होता है । नई सरकार के इस फैसले से अब बिहार की राजनीति में करीब दो दशक बाद सबसे बड़ा पावर-शिफ्ट देखने को मिल रहा है । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने 20 साल के कार्यकाल में पहली बार गृह विभाग की कमान खुद से ▶10पर

श्रद्धेय गोपाल जी अग्रवाल के महानिर्वाण के तीन माह पूर्ण

हम आपकी कमी हर पल महसूस करते हैं...

आपकी इबादत ही थी कि आज
भी हाथों से
आखों और आंखों से स्वप्न तक
उतर आता है अखबार ।
आपकी जिजिविषा, आपका
यौद्धेय याद आता है बार-बार,
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि देता
शुभ-लाभ परिवार...

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

जेबीएन वी कनेक्ट के ऑफिस दर्शन में स्वास्थ्य, ज्ञान और वेलनेस पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह द्वारा 5वें कार्यकाल का दूसरा ऑफिस दर्शन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस विशेष आयोजन की मेजबानी मोक्षा सोलंकी, संस्थापक यूफिट न्यूट्रीशन, द्वारा योग निकेतन आश्रम, बेंगलूरु में की गई। आयोजन की शुरुआत शांतिदायी नवकार मंत्र के साथ की गई, जिसने पूरे सत्र के वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। न्यूट्रिशन कोच मोक्षा सोलंकी ने स्वास्थ्य और पोषण को सरल, सहज तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाने वाला प्रभावशाली सत्र प्रस्तुत किया। वे डाइट मिथक दूर करने, भ्रम मिटाने और व्यवहारिक रूप से

अपनाई जा सकने वाली स्वस्थ सलाह देने के लिए जानी जाती हैं। इस सत्र में उन्होंने संतुलित आहार के महत्व, लंबी अवधि तक ऊर्जा बनाए रखने हेतु पोषक तत्वों के सही संतुलन, तथा कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और दैनिक खान-पान से जुड़े मिथकों पर स्पष्ट जानकारी साझा की। मोक्षा ने अच्छे जीवन के 5 महत्वपूर्ण स्तंभों पर आधारित एक सरल और टिकाऊ ढांचा प्रस्तुत किया, जो जीवन को स्वस्थ, संतुलित और संतोषपूर्ण बनाने में सहायक है। उन्होंने अपने मुख्य संदेशपरिवर्तन तभी आसान होता है जब ज्ञान स्पष्ट हो और कर्म निरंतर के माध्यम से सदस्यों को जागरूक आदतें अपनाने, अपराधबोध और भ्रमों से मुक्त होकर वेलनेस की ओर सहज कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। सत्र को रोचक बनाने हेतु प्रश्नोत्तरी रखी गई और सही उत्तर देने वाले सदस्यों को उपहार प्रदान किए गए, जिससे माहौल और भी उत्साहपूर्ण बन गया। लीडरशिप टीम में जेएलडब्लू अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड तथा स्वयं संयोजक तनुजा मेहता ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस आयोजन में जेबीएन वी कनेक्ट की रेफरल टीम की सक्रिय उपस्थिति रही, जिसमें रेफरल हेड लीला पितलिया, रेफरल लीड मीनू जैन तथा रेफरल सेक्रेटरी संगीता जैन शामिल थीं। कार्यक्रम में जेबीएन वी कनेक्ट नेतृत्व टीम सहित कुल 35 सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जेबीएन वी कनेक्ट लीडरशिप टीम जेएलडब्लू बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा सादर आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

ओम मुडेल के भजनों की प्रस्तुति में श्रद्धालु हुए भाव विभोर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तुमकुरु रोड अडकमारनहल्ली स्थित देवकी निकेतन भवन में भजन-कीर्तन का आयोजन रखा गया। राजस्थान से भजन गायक गौभक्त ओम मुडेल ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। भजनों का आगाज गणपति वंदना से हुआ। इस अवसर पर कृष्ण गौशाला के संचालक स्वामी पुखराज महाराज ने कहा कि गाय की सेवा करके हम अपना जीवन धन्य कर सकते है। उन्होंने कहा कि हमें संकल्पित रूप से साझा प्रयास कर गोसेवा करनी होगी, तभी गौवंश को बचाया जा सकता है। इस मौके पर सीरवी समाज लगेरे वडेर के सचिव चेनाराम चोयल, चुन्नाराम सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक मंच संचालक मोहन सीरवी काग परिवार ने उमेश बाबूलाल की ओर से ओम मुडेल व स्वामी पुखराज महाराज एवं अतिथियों का सम्मान किया।

विक्की डी. पारेख ने महावीर लिंब सेंटर हुब्बल्ली का दौरा कर दिव्यांगजनों को लगाए कृत्रिम पैर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायक विक्की डी. पारेख ने ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन द्वारा किम्स परिसर में संचालित महावीर लिंब सेंटर, हुब्बल्ली का दौरा किया। उन्होंने कृत्रिम पैर निर्माण एवं फिटिंग की व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा स्वयं कई दिव्यांग लाभार्थियों को कृत्रिम पैर प्रदान किए।

इस दौरान उन्होंने उनसे आत्मीय संवाद कर उनके उत्साह को भी बढ़ाया। दौरे के दौरान पारेख ने केंद्र की निःशुल्क सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि जैन समाज के गौरव महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में कार्यरत टीम मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म मानवता की भावना को साकार कर रही है। उन्होंने केंद्र को भगवान महावीर के आदर्शों पर आधारित एक प्रेरणादायक तथा अनुकरणीय संस्था बताया। इस अवसर पर पारेख ने दिव्यांग सेवा के समर्थन में महावीर लिंब सेंटर के लिए एक निःशुल्क संगीत कार्यक्रम करने की घोषणा की तथा 51,000 की धनराशि भी भेंट की। ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने बताया कि विक्की डी. पारेख द्वारा निर्मित विशेष एलबम 'रिश्तों की डोर' ने अनेक परिवारों के भावनात्मक संबंधों को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि जैन समाज का यह प्रतिभाशाली कलाकार देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है, जो समाज के लिए गौरव की बात है। मंच संचालक ललित परमार ने कहा कि महावीर लिंब सेंटर में दिव्यांगजन सेवा करते समय ऐसा अनुभव होता है मानो भगवान के जीवित स्वरूप की पूजा हो रही हो। उन्होंने इसे अपने लिए सौभाग्यपूर्ण क्षण बताया। लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा ने बताया कि केंद्र में आए दिव्यांग लाभार्थियों को उन्नत तकनीक से निर्मित कृत्रिम पाँव लगाए गए, जिससे उन्हें चलने-फिरने में सहजता और आत्मनिर्भरता की दिशा में नई ऊर्जा मिली। गोलेछा ने सभी अतिथियों के आगमन पर धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में फेडरेशन के कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया, सह मंत्री महावीर कुंदुर, सुनील भुरट, कांतिलाल बोहरा, प्रकाश चोरडिया, उज्जवल सिंघी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चेतना केंद्र के जागरण का प्रयोग: साध्वी पुण्ययशाजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
युगप्रधान शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने ईगलटन के मेमोरियल पार्क पिरामिड में प्रातः 7 बजे दीर्घश्वास प्रेक्षा तथा ज्योति केन्द्र प्रेक्षा के प्रयोग करवाए। साध्वी श्री विनितयशाजी, साध्वी श्री बोधिप्रभा जी ध्यान कक्षा में उपस्थित रहे।

साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने कहा ध्यान के माध्यम से विसर्जन, इमोशन पर नियंत्रण होता है। प्रेक्षा ध्यान से चेतना केन्द्रों (चक्रों) का जागरण होता है जिसके कारण आन्तरिक रसायनों का परिवर्तन होता है और शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। साध्वी श्री जी ने सभी को प्रतिदिन दीर्घश्वास प्रेक्षा व समवर्ती श्वास प्रेक्षा करने की प्रेरणा दी। राजराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने अपने अनुभव बताते हुए ध्यान को जीवन में अनिवार्य रूप से करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर राजराजेश्वरी नगर के सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बांठिया, मनोहरलाल चावत तथा ईगलटन व बिड़दी के पदमचन्द खटेड़, सुनील नाहटा, कुशाल देवड़ा, अजय छाजेड़, मुकेश देवड़ा, सुरेश देवड़ा, रमेश देवड़ा, सुशीला देवड़ा, मीठु खटेड़, रींकु छाजेड़, त्रिशला छाजेड़, शिल्पा खटेड़ आदि उपस्थित थे। मंगलपाठ श्रवण से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मनुष्य भव मिलने के बाद अच्छा धर्म व कुल मिलना भी महत्वपूर्ण: साध्वी भव्यगुणा

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नंदीहल्ली जीतो विहार धाम में विराजित साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि मनुष्य के जीवन में चार चीज मनुष्य भव, शास्त्र श्रवण, श्रद्धा एवं सम्यकत्व पराक्रम मिलना दुर्लभ है। जीवन में ये चार चीज नहीं है तो मानव जीवन सफल नहीं हो सकता। मनुष्य भव मिलने के बाद अच्छा धर्म व कुल मिलना भी महत्वपूर्ण है। अच्छा कुल मिलने के बाद भी यदि धर्म के प्रति श्रद्धा नहीं है और शास्त्र श्रवण का सुअवसर प्राप्त नहीं हो रहा तो मनुष्य भव सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जीवन में धर्म को धारण करने पर ही उसकी सार्थकता है। हमे धर्म को धारण करने के लिए पाप क्या है और पुण्य क्या है ये समझना पड़ेगा। बिना इनको समझे धर्म को नहीं समझ पाएंगे। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि मन को वश में कर लिया तो हम धर्म साधना को सहजता से पूर्ण कर पाएंगे। यदि हम मन को नहीं संभाल पाए तो कर्मो की निर्जरा नहीं कर पाएंगे। मन को वश में करना आसान नहीं है पर धर्म व साधना के प्रति समर्पित होकर ऐसा कर सकते है। साधना व स्वाध्याय में वह शक्ति है जो चंचल मन को भी धर्म में लगा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारी जिंदगी बढ़ नहीं रही बल्कि निरन्तर घट रही है। हमारा समय रात दिन की भागदौड़ में ही बीता जा रहा है। हमे जो समय मिला है उसे जप, तप व साधना में लगा सके तो आत्मकल्याण कर पाएंगे।

महिला मंडल ने सांसद पीसी मोहन से की शिष्टाचार भेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ धर्म संघ के नवम् आचार्य श्री तुलसी के दीक्षा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की बहनों ने श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना हेतु सांसद पी. सी. मोहन से वनशंकरी स्थित उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा रचित 'धर्मचक्र का प्रवर्तन' पुस्तक भेंट की। पी सी मोहन ने महिला मंडल के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह तेरापंथ धर्म संघ की प्रभावना बढ़ाने वाला कार्य है तथा पुस्तक को पढ़ने में अपनी रुचि दिखाई। इस अवसर पर अध्यक्ष महिमा पटावरी, मंत्री सरिता छाजेड़, सह मंत्री अनिता जीरावाला तथा कार्य समिति बहन सुनीता पींचा उपस्थिति रही। इस भेंट वार्ता में संघ संवाद संपादक जितेंद्र घोषल एवं महावीर बोहरा का विशेष सहयोग रहा।

गुजरात के अंकलेश्वर में कृत्रिम पैर शिविर का माप-चौक सत्र संपन्न

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन में नई आशा जगाने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ अंकलेश्वर, ओएनजीसी अंकलेश्वर तथा ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर (हुब्बल्ली) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क कृत्रिम पैर एवं हाथ वितरण शिविर का माप-चौक सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का आयोजन ओएनजीसी कम्युनिटी हॉल, अंकलेश्वर में किया गया, जहां हुब्बल्ली से पहुंची विशेषज्ञ तकनीशियनों एवं चिकित्सकों की टीम ने दिव्यांग लाभार्थियों के कृत्रिम अंगों हेतु सटीक मापन किया। कुल

131 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए, जिनमें से 88 लाभार्थियों का चयन किया गया। कई लाभार्थियों को दोनों पैरों के कृत्रिम अंगों की आवश्यकता होने के कारण लगभग 100 कृत्रिम अंग तैयार किए जाएंगे, जिनका वितरण आगामी चरण में निःशुल्क किया जाएगा। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ अंकलेश्वर के अध्यक्ष पंकज भरवाड़ा, सचिव विपिन नायर, ओएनजीसी के राजेश कुमार, एआईए के अध्यक्ष विमल जेठवा एवं के. जोसेफ सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में डॉ. विशाल मोदी, सुरेश नाहर, राजेश कालरा, अंजू कालरा, एस.के. आयोडीन, झगड़िया के शुभंकर, इनर व्हील क्लब ऑफ अंकलेश्वर की रूपल भरवाड़ा, मनीष श्रॉफ, डॉ. अजीत शाह, मोहन जोशी, धर्मेंद्र शाह, पूर्व अध्यक्ष सुनील नेवे, रामचंद्र माने, गजेंद्र पटेल, जिग्नेश पटेल तथा अन्य रोटेरियन का भी विशेष सहयोग रहा। साथ ही महावीर लिंब सेंटर, हुब्बल्ली के विशेषज्ञ तकनीशियन के. सुदर्शन, सुरेश, चिदंबरम सहित पूरी तकनीकी टीम उपस्थित रही और शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मायूम बेंगलूरु ने राष्ट्रीय परियोजना नारी चेतना के अंतर्गत जरूरतमंद एवं पात्र महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की। पहले चरण में संस्था द्वारा 5 मशीनें प्रदान की गई थीं, और अब अतिरिक्त 6 सिलाई मशीनें महिलाओं को दी गईं। इस पहल का उद्देश्य घरेलू हिंसा, एसिड अटैक, आर्थिक कठिनाई, विधवा या तलाक जैसी परिस्थितियों से जूझ रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, अशोक

अग्रवाल और विनोद गर्ग रहे। इनके साथ पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, स्नेह जाजू, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, सदस्य लोकेश सांखला, रूपेश केडिया, आशु मित्तल, पंकज सांखाला, सत्याम डोकानिया, लक्ष तुलस्यान आदि कई अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति और सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो पाया। कार्यक्रम के बाद लोकेश सांखला द्वारा सभी सदस्यों के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई, जिसके लिए सभी ने उनका आभार व्यक्त किया।

अनियंत्रित बस खड़े रिक्शा से टकराई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
करकला के उचंगी मरियम्मा मंदिर के पास करकला बस स्टैंड की ओर जा रही एक बस का ड्राइवर का अचानक तबीयत खराब होने के बाद कंट्रोल खो गया और वह एक खड़े रिक्शा से टकरा गई। यह घटना गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे हुई। रिक्शा ड्राइवर ने अपनी गाड़ी सड़क किनारे पार्क की थी और अंदर बैठा था, तभी बस अचानक आगे मुड़ी और रिक्शा से टकरा गई। रिक्शा ड्राइवर के सिर, हाथ और पैर में चोटें आईं। सड़क पर चल रही एक छात्रा को भी टक्कर में

मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत बस ड्राइवर और रिक्शा ड्राइवर दोनों को अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों ने कहा कि उस समय सड़क पर भीड़ नहीं होने से एक बड़ा हादसा टल गया। टक्कर में दोनों गाड़ियों का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

क्या किसी को खुश करने और लुभाने की कोई सीमा नहीं होनी चाहिए: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से सवाल किया कि क्या खुश करने और लुभाने की कोई सीमा होनी चाहिए? उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा मुसलमानों को खुश करने का आशीर्वाद है, लुभाने की गारंटी।

हिंदुओं को टैक्स, परेशानी की गारंटी। उन्होंने कहा कि किसानों को सूखा और बाढ़ राहत देने के लिए पैसे नहीं हैं, कर्मचारियों की सैलरी के लिए पैसे नहीं हैं, सरकारी अस्पतालों में दवाइयां खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, गड्ढे बंद करने के लिए पैसे नहीं हैं, पब्लिक वेलफेयर प्रोग्राम के लिए पैसे नहीं हैं, बच्चों के गरम खाने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन मुसलमानों की बिल्डिंग बनाने के लिए 67 करोड़ हैं। क्या खुश करने और लुभाने की कोई सीमा नहीं है। क्या हिंदुओं ने कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं दिया?

मूल्य वृद्धि, अवैधता, घोटाले, उधार लेने में चैंपियन हैं सिद्धरामैया: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने आलोचना करते हुए कहा है कि यह सरकार लोगों के लिए बर्बादी है और किसानों के लिए बर्बादी है। वह मल्लेश्वर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में 'कांग्रेस अनुष्ठान के अनावरण' पर एक वीडियो जारी करने के बाद एक मीडिया सम्मेलन में बोल रहे थे। इस बीच सरकार के खिलाफ एक पोस्टर जारी किया गया। डी.के.शिवकुमार बीमार पड़ गए और सॉगीं ड्रिप के कारण घर पर आराम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दिल्ली जाने वालों को 'कैबिनेट से बर्खास्त' करने की धमकी दी है। उन्होंने बताया कि मीडिया में विधायक निधि न देने की धमकियां भी आ रही हैं। एक तरफ डीके शिवकुमार कहते हैं कि

दिल्ली जाओ। दूसरी ओर, सिद्धरामैया पूछ रहे हैं कि वह दिल्ली क्यों गए थे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की ढाई साल पुरानी हार है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने लोगों के लिए दफन और किसानों के लिए दफन की स्थिति ला दी है। सिद्धरामैया-डी.के.शिवकुमार पिछले एक साल से पूरी तरह मुसीबत में हैं। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह राज्य की जनता पर महंगाई का बोझ है। नरेंद्र मोदी जी ने जीएसटी कम किया, घी पर जीएसटी दर कम की गई। लेकिन कांग्रेस ने उस घी की कीमत भी बढ़ा दी है। 25 वस्तुओं के दाम बढ़ाए गए हैं। बिजली, दूध की कीमत, पंजीकरण शुल्क, पेट्रोल, डीजल, उत्पाद शुल्क सहित - सब कुछ महंगा है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार एक नंबर की पापी है जिसने एक ही साल में इतनी कीमत बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया अब तक का सबसे ज्यादा कर्ज (2 लाख करोड़ से ज्यादा) लेने वाले मुख्यमंत्री हैं। मूल्य वृद्धि, अवैधता, घोटालों और उधार लेने के समर्थक के रूप में उनकी आलोचना की गई। वह किसानों को मारने में चैंपियन हैं, ठेकेदारों की आत्महत्या में चैंपियन हैं, जातियों के बीच आग लगाने में चैंपियन हैं, वह दिल्ली में सबसे ज्यादा पैसा भेजने में चैंपियन हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सिद्धरामैया कहते हैं कि क्रांति का कोई भ्रम नहीं है। सीएम बदलना कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। प्रदेश की जनता पूछ रही है कि ढाई साल का अनुबंध फर्जी है या नहीं। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक गोविंद करजोला, विधान परिषद विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, पूर्व विधायक म.प्र. रेणुकाचार्य, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, भाजपा नेता पद्मनाभ रेड्डी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने घर पर रहकर उत्सुकता जगाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हालांकि विधायक के दिल्ली दौरे से कांग्रेस में तनावपूर्ण माहौल बन गया है, लेकिन उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने घर पर रहकर ऐसी उत्सुकता जगाई है जैसे इससे उनका कोई लेना-देना ही न हो। बताया गया है कि डीके शिवकुमार बीमारी के कारण घर पर ही रह रहे हैं। लेकिन डीके शिवकुमार इतनी आसानी से घर बैठ जाने वाले राजनेता नहीं हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जब लोग अपनी बीमारी के बावजूद हाथों पर पट्टी बांधकर और हाथों पर ड्रिप लगाकर कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और पार्टी संगठन में भाग लेते हैं। अब कांग्रेस के कुछ विधायक दिल्ली चले गए हैं तो सियासी चर्चाएं तेज हैं। ऐसे में डीके शिवकुमार का बिना कोई प्रतिक्रिया दिए अकेले खड़े रहना काफी चर्चा में रहा है। इससे पहले जब उनके समर्थक विधायकों ने मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा की तो मीडिया के सामने आए। डीके शिवकुमार चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे थे कि इस बारे में किसे बात नहीं करनी चाहिए। वे नोटिस जारी कर चेतावनी देते थे कि कोई भी आलाकमान से जुड़े मामलों पर बात न करे। ऐसी घटनाएं कई बार हो चुकी हैं। लेकिन शिवकुमार का घर से बाहर नहीं निकलना और अपने स्थान पर ही रुकना जलती आग में घी डालने जैसा है। इसी बीच पूर्व सांसद डीके सुरेश सदाशिवनगर के डीके शिवकुमार के घर पहुंचे और गुप्त बातचीत की जिससे उत्सुकता और बढ़ गई।

पुलिस ने डकैती मामले का किया खुलासा: 6 गिरफ्तार, 5.3 करोड़ बरामद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में एक एटीएम में पैसे भर रहे वाहन को रोककर दिनदहाड़े 7.11 करोड़ की लूट के मामले को सुलझाते हुए शहर पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है और 5.30 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। पुलिस टीमें बाकी 1.81 करोड़ की रकम और बाकी लुटेरों की पड़ोसी राज्यों में तलाश कर रही हैं। पुलिस को जानकारी मिली कि लुटेरों ने पिछले बुधवार की सुबह सीएमएस वाहन को रोक लिया था और कार में रखे पैसों से भरी डिक्की ले ली और बत्तरहल्ली के रास्ते आंध्र प्रदेश चले गए। इस जानकारी के आधार पर एक टीम आंध्र प्रदेश और दूसरी टीम तमिलनाडु में ऑपरेशन के लिए गई, जबकि एक टीम शहर में काम करने गई। दिनदहाड़े 7.11 करोड़ की डकैती मामले में गोविंदपुर थाने के सिपाही अन्नप्पा नाइक और सीएमएस एजेंसी केरल के पूर्व कर्मचारी डेवियल को विशेष जांच टीम ने हिरासत में ले लिया और आगे की जानकारी उपलब्ध हो गयी। इस जानकारी

के आधार पर पता चला है कि शहर, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु समेत अन्य जगहों पर लुटेरों के पास से 5.30 करोड़ रुपये बरामद हुए हैं। पैसे लूटने की योजना कैसे बनाएं, रास्ते में वाहन कैसे बदलें, पैसे कैसे बांटें और फिर लूट के लिए इस्तेमाल की गई गाड़ी को किन जगहों पर छोड़कर पुलिस जांच से बचें आदि। वहीं पुलिस दिन-रात इस बात की जानकारी जुटा रही है कि एटीएम भरने वाली सीएमएस गाड़ी में कितने पैसे ले जाए जा रहे थे, इसकी जानकारी लुटेरों को किसने दी। इसलिए पुलिस सिपाही और सीएमएस एजेंसी के पूर्व कर्मचारी से लंबी पूछताछ कर और जानकारी जुटा रही है।

एसआईटी ने धर्मशाला के खिलाफ 'सामूहिक दफन' की साजिश पर 3,923 पन्नों की अंतरिम रिपोर्ट सौंपी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री क्षेत्र धर्मस्थल के खिलाफ सनसनीखेज 'सामूहिक दफनाने' के आरोपों के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) इस नतीजे पर पहुंची है कि एक गैंग ने मनगढ़ंत कहानियां बनाई थीं, जिसमें दावा किया गया था कि धर्मस्थल गांव में कई शवों को दफनाया गया था, जिसका मकसद इस पवित्र मंदिर शहर की छवि खराब करना था। एसआईटी ने गुरुवार को बेल्टांगडी कोर्ट में अपनी 3,923 पेज की अंतरिम रिपोर्ट जमा की। एसआईटी ने मामले में छह आरोपियों के नाम बताए हैं, जिसमें मांड्या के चिन्नय्या भी शामिल हैं, जिन्होंने सबसे पहले आरोप लगाए थे। उम्मीद है कि एसआईटी कोर्ट के निर्देशों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई करेगी। जांच से जुड़ी दलीलें सुनने के बाद, जज ने सुनवाई टाल दी। गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे, इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर जितेंद्रकुमार दयामा के नेतृत्व में एसआईटी टीम ने एसआईटी वकीलों के साथ एडिशनल सिविल जज विजयेंद्र एच.टी. को अंतरिम रिपोर्ट जमा की। रिपोर्ट में छह लोगों चिन्नय्या, महेश शेट्टी थिमारोडी, गिरीश मट्टानावर, जयंत टी, विट्ठल गौड़ा (सौजन्य के ससुर) और सुजाता भट्ट को 'सामूहिक दफनाने' की साजिश में आरोपी बनाया गया है। लगभग 4,000 पेज की रिपोर्ट में शुरू से लेकर अब तक की जांच का विवरण हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पांच लोगों ने जांच में सहयोग नहीं किया है। हर एक को दो बार समन भेजे जाने के बावजूद, उनमें से चार पेश नहीं हुए। एसआईटी ने आगे के कानूनी कदमों पर कोर्ट से निर्देश मांगा है। एसआईटी आने वाले दिनों में आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट भी फाइल कर सकती है। लगभग दो घंटे तक, एसआईटी के वकीलों ने जज के सामने दलीलें पेश कीं, रिपोर्ट का कंटेंट समझाया और जांच में अगले कदमों के लिए मार्गदर्शन मांगा। एसआईटी ने साजिश की आगे की जांच के संबंध में एक एडिशनल जांच रिपोर्ट तैयार करने की इजाजत मांगी है। छह आरोपियों की भूमिकाओं की जांच खासकर पहले से गिरफ्तार चिन्नय्या के अलावा दूसरे लोगों के शामिल होने की 'अभी भी अधूरी है। एसआईटी ने कोर्ट से लंबित जांच जारी रखने के लिए निर्देश मांगे। क्योंकि मामला हाई कोर्ट में भी है, इसलिए एसआईटी ने इस अंतरिम रिपोर्ट के जरिए बेल्टांगडी कोर्ट से इजाजत मांगी। दलीलें सुनने के बाद, कोर्ट जांच के अगले फेज के लिए सही निर्देश जारी करेगा। ज्ञातव्य है कि चिन्नय्या, जो पहले मास्क पहने हुए दिखे थे, ने दावा किया था कि धर्मस्थल गांव में कई क्राइम हुए हैं और उन्होंने खुद कई लाशें दफनाई हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें दफनाने की सही जगहें पता हैं और यह भी कहा था कि धर्मस्थल के जंगल में एक इंसानी खोपड़ी मिली है। उनके सनसनीखेज बयान वायरल हो गए। उनके दावों के आधार पर, धर्मस्थल पुलिस ने 4 जुलाई को मामला दर्ज किया था। 11 जुलाई को, चिन्नय्या वकीलों और सपोर्टर्स के साथ मास्क पहनकर बेल्टांगडी कोर्ट में पेश हुए। 20 जुलाई को, सरकार ने पूरी जांच करने के लिए एक एसआईटी बनाई। एसआईटी ने मामले की अलग-अलग पहलुओं से जांच की और लगभग 120 दिनों तक जांच की। शुरुआती पूछताछ के दौरान, अधिकारियों को चिन्नय्या के बयानों पर शक हुआ। फिर भी, उसके दावों के आधार पर, उन्होंने 27 जुलाई को धर्मस्थल में 13 जगहों की पहचान की और 28 जुलाई को खुदाई शुरू की। 31 जुलाई को, छठी जगह से हड्डियां बरामद हुईं। दूसरी जगहों पर कोई खास बात नहीं मिली। 5 अगस्त को, जब यह आरोप सामने आए कि यूट्यूब गलत जानकारी फैला रहे हैं, तो झड़प हो गई। 12 अगस्त को, एसआईटी ने 13वीं जगह पर ड्रोन से तलाशी ली, लेकिन कुछ नहीं मिला। जैसे-जैसे शक गहराता गया, एसआईटी ने चिन्नय्या से पूछताछ तेज कर दी। आखिरकार, उसने मान लिया कि वह बेगुनाह है और सिर्फ मास्टरमाइंड के कहने पर काम कर रहा था, जिससे उसकी बात शिकायत करने वाले से बदलकर आरोपी बन गई। एक-एक करके, साजिश की परतें खुलने लगीं।

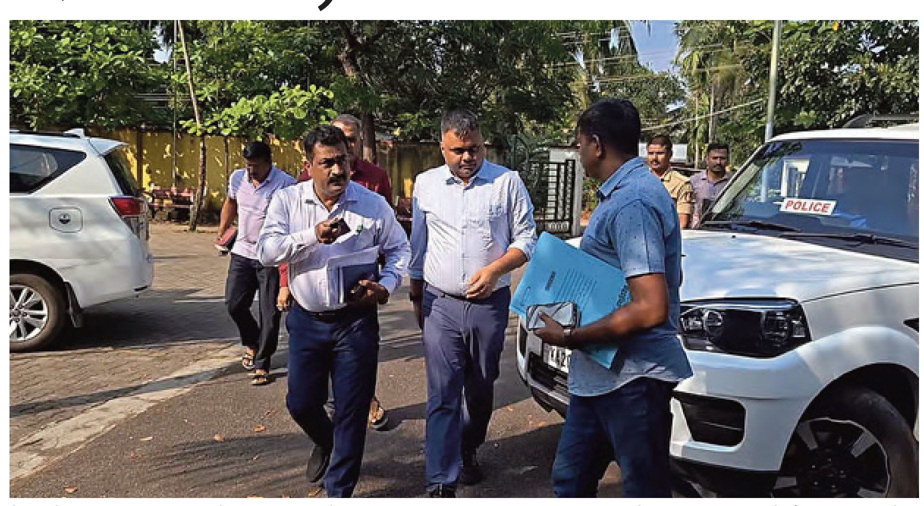

राज्य सरकार राज्य के मक्का उत्पादक किसानों को हर तरह की सहायता प्रदान करेगी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य सरकार राज्य के मक्का उत्पादक किसानों को हर तरह की सहायता प्रदान करेगी, जो गिरती कीमतों के कारण कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उत्तर कर्नाटक के मक्का उत्पादकों और किसानों द्वारा मक्का खरीद केंद्र खोलने की मांग को लेकर किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर कावेरी आवास पर हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने यह आश्वासन दिया। 70 लाख मीट्रिक टन मक्के का आयात किया गया है। उन्होंने कहा कि चूंकि हमारे देश में उत्पादन बढ़ा है, इसलिए, केंद्र सरकार को पत्र लिखकर मक्के के आयात पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन के लिए मक्के की तुरंत खरीदारी करने और राज्य के प्रमुख लोगों के साथ बैठक कर उनसे बातचीत करने का निर्देश दिया क्योंकि कुकिंग इंडस्ट्री के लिए मक्के की मांग है। एक ओर जहां देश व राज्य में मक्के का उत्पादन बढ़ा है। यह जानते हुए भी केंद्र सरकार ने 70 लाख मीट्रिक टन मक्का विदेशों से आयात किया है। इससे राज्य और देश के मक्का उत्पादक किसानों पर काफी बोझ है। केंद्र सरकार ने राज्य के लिए मक्के से

इथेनॉल उत्पादन का जो कोटा तय किया है, वह भी काफी कम है। बैठक में बताया गया कि इसके कारण डिस्टिलरीज द्वारा खरीदे जाने वाले मक्के की मात्रा में भी कमी आयी है। केंद्र सरकार के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने समर्थन मूल्य योजना के तहत मक्का की खरीद और केंद्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से इथेनॉल उत्पादन के उपयोग के लिए पहले ही दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। हालांकि, संबंधित नोडल एजेंसियों ने अभी तक गाइडलाइन के मुताबिक खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं की है। बैठक में चर्चा हुई कि समस्या का मुख्य कारण यही है। पहले जब कीमतें कम थीं तब डिस्टिलरीज ने मक्का खरीदकर भंडारण कर लिया था। इस वजह से अब खरीदारी के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। यह निष्कर्ष निकाला गया कि यह नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है और डिस्टिलरीज को नियमों के अनुसार मक्का खरीदने के लिए आगे आना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा मक्के के आयात पर तत्काल नियंत्रण लगाने से मूल्य स्थिरता प्राप्त करना संभव है। इस संबंध में केंद्र सरकार से आग्रह करना है। एजेंसियों से तत्काल 8 लाख टन मक्का खरीदने का आग्रह किया जाये। मंत्री एचके पाटिल, के.एच. मुनियप्पा, शिवानंद पाटिल, के. वेंकटेश, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव अंजुम परवेज, वित्त विभाग के शीर्ष अधिकारी और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कृषि मंत्री एन चालुवरायस्वामी ने कहा है कि उन्होंने राज्य के मक्का उत्पादक किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार से मदद मांगी है। उत्तर कर्नाटक के मक्का उत्पादक किसानों के विरोध प्रदर्शन और मक्का खरीद केंद्र खोलने की मांग के मद्देनजर, मंत्री ने कावेरी आवास पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।

जेडीएस रजत जयंती और राष्ट्रीय सम्मेलन आज जेपी भवन में सभी तैयारियां पूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस पार्टी की रजत जयंती और राष्ट्रीय परिषद और राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए जेपी भवन में सभी तैयारियां की जा रही हैं। जेपी भवन को सजाया गया है और रजत जयंती की शुभकामनाएं देने वाले पार्टी नेताओं के झंडे लहरा रहे हैं। जेपी भवन के प्रांगण में एक विशाल मंच तैयार किया गया है। अधिवेशन के तहत शुक्रवार शाम चार बजे जेपी भवन में सेवा दल की ओर से पार्टी का ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। शाम 5 बजे पार्टी के रजत जयंती समारोह की पृष्ठभूमि में, पार्टी के अब तक के सफर और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, जो जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, की उपलब्धियों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर सिल्वर फेस्टिवल का लोगो भी जारी किया गया। देवेगौड़ा और एच.डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व में शाम 6.30 बजे पार्टी की राज्य परिषद, राष्ट्रीय परिषद, विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। जिसमें कोर कमेटी के अध्यक्ष, सदस्य, विधायक,

पूर्व मंत्री, पूर्व विधायकों ने भाग लिया। शनिवार सुबह 11 बजे पार्टी का रजत महोत्सव और राष्ट्रीय महाधिवेशन होगा। सम्मेलन का उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेगौड़ा करेंगे। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश अध्यक्ष और विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी भाग लेंगे। पार्टी संगठन, अगले चुनाव की तैयारी, मौजूदा राजनीतिक मुद्दों की समीक्षा की जाएगी। नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन पर भी चर्चा होने और अंतिम फैसला लिये जाने की संभावना है। युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी पूरे राज्य में पार्टी संगठन पर जोर देकर काम कर रहे हैं।

हालांकि निखिल कुमारस्वामी ने कहा है कि वह प्रदेश अध्यक्ष पद के दावेदार नहीं हैं, वह इस रेस में नहीं हैं, लेकिन पार्टी में इस बात की जिद है कि वह प्रदेश अध्यक्ष बनें। दिसंबर में बेलगावी में होने वाले शीतकालीन सत्र की पृष्ठभूमि में जेडीएस विधायक दल की बैठक हुई। सत्र के दौरान पार्टी सदन के अंदर और बाहर जनता के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने और प्रकाश डालने के बारे में चर्चा और निर्णय लेगी। सदन में गन्ना किसानों की समस्या, मक्के की कीमत में गिरावट, किसानों की आत्महत्या, अतिवृष्टि, पड़ोसी आपदा में फसलों का मुआवजा नहीं मिलना समेत कई ज्वलंत मुद्दों को सदन में उठाने में विधायकों का मार्गदर्शन वरिष्ठजन करेंगे। जेडीएस ने 25 नवंबर को तुंगभद्रा जलाशय से किसानों की दूसरी फसल के लिए पानी नहीं छोड़ने के मुद्दे पर किसानों की ओर से लड़ने का फैसला किया है।

कांग्रेस ने राज ठाकरे के साथ गठबंधन करने से किया इनकार, कहा- कानून तोड़ने वालों के साथ नहीं

मुंबई, 21 नवंबर (एजेंसिया)। महाराष्ट्र की राजनीति में चल रही हलचल के बीच कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी ने कहा कि वह उन संगठनों के साथ हाथ नहीं मिलाएगी जो कानून हाथ में लेते हैं या लोगों को डराते हैं। कांग्रेस के इस रुख के बाद विपक्षी खेमे में नई राजनीतिक दूरी और सियासी समीकरणों पर चर्चा तेज हो गई है।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद यह फैसला लिया है कि वह बीएमसी चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लंबे समय से शरद पवार की अगुआई वाले एनसीपी (एसपी) के साथ साझेदारी रही है, लेकिन कानून तोड़ने वालों से गठबंधन नहीं होगा। उनका यह बयान सीधे तौर पर राज ठाकरे की पार्टी मनसे की ओर इशारा माना गया। कांग्रेस के रुख के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने पार्टी को जल्दबाजी न करने और विपक्षी एकता बनाए रखने की सलाह दी थी।

कांग्रेस के इनकार के जवाब में मनसे नेता संदीप देशपांडे ने कहा कि उनकी पार्टी किसी के दबाव में नहीं है और न ही महाविकास अघाड़ी का हिस्सा है। उन्होंने साफ कहा कि राज ठाकरे जो फैसला लेते हैं वही पार्टी का रुख होता है और कांग्रेस के बयान से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। देशपांडे के अनुसार, मनसे अपनी राजनीतिक रणनीति खुद तय करती है और उनकी पार्टी को किसी की मंजूरी की जरूरत नहीं।

उत्तर भारतीय और मुस्लिम वोट बैंक को लेकर सतर्कता

कांग्रेस के भीतर एक बड़ा वर्ग मनसे के साथ किसी भी तरह के गठबंधन के खिलाफ है। पार्टी के नेताओं को आशंका है कि यदि वे मनसे के साथ मंच साझा करते हैं, तो मुंबई में उनका उत्तर भारतीय और मुस्लिम वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। इसी कारण कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से गठबंधन की संभावनाओं को नकारते हुए कहा कि वह ऐसे दलों को अपने साथ नहीं रख सकती जो वर्षों से कानून को ताक पर रखकर राजनीति करते रहे हैं।

सवालों से बचती दिखीं वर्षा गायकवाड़

जब वर्षा गायकवाड़ से पूछा गया कि क्या शरद पवार कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे को साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि पवार का सभी दलों में सम्मान है, लेकिन कांग्रेस ने ऐसे किसी गठबंधन पर चर्चा नहीं की है।

उन्होंने कहा कि काल्पनिक सवालों का कोई अर्थ नहीं। गायकवाड़ ने सुप्रिया सुले के उस बयान पर भी सीधे प्रतिक्रिया देने से बचा, जिसमें उन्होंने सभी विपक्षी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बात कही थी।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रही भाजपा : रणदीप सुरजेवाला

बेंगलुरु, 21 नवंबर (एजेंसिया)। कर्नाटक में कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद अब पार्टी का एक गुट डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर अड़ा है। कर्नाटक कांग्रेस में खड़े हुए इस विवाद ने दिल्ली में आलाकमान की नींद उड़ा दी है। हालांकि, पार्टी नेतृत्व सबकुछ ठीकठाक होने का दावा कर रहा है। इस बीच कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के साथ चर्चा हुई और वे इस बात पर सहमत हुए कि निर्णायक रूप से पराजित और गुटबाजी से ग्रस्त कर्नाटक भाजपा, मीडिया के एक वर्ग के साथ मिलकर, कर्नाटक और उसकी कांग्रेस सरकार के खिलाफ जानबूझकर एक दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रही है। इसका एकमात्र उद्देश्य उन शानदार उपलब्धियों और कांग्रेस सरकार की पांच गारंटियों को कमजोर करना है, जो समावेशी विकास और वितरणात्मक न्याय का एक उत्कृष्ट मॉडल बन गई हैं।

सुरजेवाला ने कहा कि कुछ कांग्रेस नेताओं और विधायकों के अनावश्यक बयानों ने भी अटकलों को और बढ़ा दिया है। कांग्रेस ने उन्हें नेतृत्व के मुद्दे पर कोई भी सार्वजनिक बयान देने या निहित स्वार्थों द्वारा प्रचारित किए जा रहे एजेंडे में न आने की सख्त चेतावनी दी है। विभिन्न पार्टी पदाधिकारियों की राय पर नेतृत्व ने ध्यान दिया है।

दरअसल, कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार के ढाई साल पूरे हो चुके हैं। अब प्रदेश नेतृत्व में बदलाव की मांग को लेकर कांग्रेस के अंदर की लड़ाई और गहरी हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार को विधायक और मंत्री दिल्ली पहुंचे हैं ताकि वे पहले से ही वहां मौजूद विधायकों के ग्रुप में शामिल हो सकें, जो डिप्टी सीएम और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के लिए मुख्यमंत्री पद की मांग पर दबाव डाल रहे हैं।

वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शुक्रवार को एक इवेंट में शामिल होने के लिए बेंगलुरु पहुंचे। माना जा रहा है कि वे इस संकट से निपटने के लिए बेंगलुरु में ही रुक सकते हैं। इस बीच, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने आज के अपने सभी प्रोग्राम यह कहते हुए कैंसिल कर दिए हैं कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का कहना है कि लीडरशिप में बदलाव पर चर्चा गैर-जरूरी है; वह एक मीटिंग कर रहे हैं।

उदयनिधि स्टालिन ने संस्कृत को बताया मृत भाषा, भाजपा का पलटवार, कहा-'यह फैशन बन गया है'

चेन्नई, 21 नवंबर (एजेंसिया)। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को संस्कृत को एक मृत भाषा कहा। उदयनिधि के इस बयान पर भाजपा ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि नेताओं को ऐसे बयान देते समय ज्यादा जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए।डीएमके नेता उदयनिधि ने यह टिप्पणी एक किताब के उद्घाटन कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से तमिलनाडु के विकास के लिए केवल 150 करोड़ रुपये दिए जाने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि एक मृत भाषा संस्कृत को 2400 करोड़ रुपये दिए गए हैं।उदयनिधि के बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने कहा कि भारत के प्राचीन मूल्यों और संस्कृति के खिलाफ बोलना फैशन बन गया है। चुग भाजपा की ओर से आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लेने के लिए चेन्नई में थे।उन्होंने कहा, संस्कृत सबसे प्राचीन भाषा है। तमिल भी सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। दोनों भाषाएं हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इंडिया ब्लॉक के नेताओं के लिए हमेशा हमारी संस्कृति, संस्कृत भाषा, भारत की संस्थाओं और भारत की संपत्तियों के खिलाफ बोलना एक फैशन बन गया है।चुग ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे बिना जाने, बिना सोचे और बिना समझे देश की समृद्ध संस्कृति का विरोध कर रहे हैं। यह पूरी तरह से दुर्भाग्यपूर्ण है। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि केंद्र सरकार ने संस्कृत के लिए 2,400 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं क्योंकि भारत में कई संस्कृत विश्वविद्यालय हैं।अन्नामलाई ने कहा कि हम डीएमके से लगातार कहते हैं- मानव संसाधन विकास मंत्रालय से बात करें और बिहार, गुवाहाटी और दिल्ली में नए तमिल विश्वविद्यालय खोलें। समीक्षा बैठक से इतर अन्नामलाई ने कहा, बिना कोई विश्वविद्यालय खोले, हमारे उपमुख्यमंत्री कहते हैं कि यहां हमेशा से कई संस्कृत विश्वविद्यालय रहे हैं। वे तमिलनाडु में मौजूद एकमात्र तमिल विश्वविद्यालय को बढ़ाकर दो या तीन करने का प्रयास भी नहीं करते। जब यही स्थिति है, तो केंद्र सरकार धन कैसे उपलब्ध कराएगी।'मृत भाषा' कहने पर आपत्ति जताते हुए भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि किसी को भी किसी भी भाषा को मृत कहने का अधिकार नहीं है, खासकर उस भाषा को जो आज भी देश भर में प्रार्थनाओं और अनुष्ठानों में इस्तेमाल की जाती है।उन्होंने कहा, एक भाषा की सराहना करके दूसरी भाषा को नीचा दिखाने की यह मानसिकता बुनियादी तौर पर गलत है। नेताओं को भाषा और संस्कृति के बारे में बोलते समय ज्यादा जिम्मेदार होना चाहिए।

वर्तमान कांग्रेस सरकार हिमाचल प्रदेश में भी मूर्छित अवस्था में : बिंदल

शिमला, 21 नवंबर (एजेंसिया)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा बिहार चुनावों को लेकर जो देशभर में माहौल बना वह ना भूतो ना भविष्यति, यह वातावरण अकल्पनीय है। उन्होंने कहा कि पूरे देशभर में कांग्रेस की दुर्दशा हो चुकी है, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महीना भर यात्रा करके झूठ सुनने का प्रयास किया और कांग्रेस 6 सीटों पर सिमट गई। आज वर्तमान कांग्रेस सरकार हिमाचल प्रदेश में भी मूर्छित अवस्था में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नेता के नेतृत्व पर भरोसा है। बिंदल ने कहा कि 11 दिसंबर को कांग्रेस सरकार के 3 साल पूर्ण होने जा रहे हैं और यह सरकार इतिहास की सबसे निकम्मी सरकार है। इस सरकार को 3 साल का जश्न मनाने का कोई अधिकार नहीं है, भाजपा ने लगातार 3 साल से आम जनमानस के मुद्दे उठाए हैं और उनकी आवाज बुलंद करने के लिए भाजपा कृतसंकल्प है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा कि भाजपा 4 दिसंबर को धर्मशाला में सरकार के खिलाफ विशाल प्रचंड प्रदर्शन का आयोजन करने जा रही है। इस प्रदर्शन का आयोजन जोरहवार स्टेडियम में किया जाएगा, इस प्रदर्शन के लिए एक प्रदेश स्तरीय समिति का गठन किया गया है जिसके प्रभारी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विपिन परमार होंगे,

उनके साथ सह प्रभारी उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा, उपाध्यक्ष पवन काजल वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर एवं विधायक सुधीर शर्मा होंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार के 3 साल युवा, बेरोजगार की बर्बादी के 3 साल। हिमाचल प्रदेश के आर्थिक दिवालियेपन के 3 साल । हिमाचल प्रदेश में बढ़ते हुए कर्ज एवं मर्ज के 3 साल। बिगड़ती कानून व्यवस्था, हत्या, लूट, डकैती, फिरौती, माफियाराज के 3 साल। महिलाओं, युवाओं, किसानों, बागवानों, मजदूरों को दी गई झूठी गारंटियों एवं झूठ की पराकाष्ठा के 3 साल।

स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, दफ्तर, तहसीलें, पटवार सर्कल, वैटनरी डिस्पेंसरीज जैसे संस्थानों को बंद करने व बर्बाद करने के 3 साल। सब ओर विकास बंद करने व तालाबंदी के 3 साल । भाई-भतीजावाद व मित्रों की सरकार के 3 साल। व्यवस्था पतन के 3 साल। वन मित्र, जल मित्र, रोगी मित्र, बिजली मित्र, न जाने कहां गई पहली कैबिनेट में लगने वाली वो पक्की नौकरी, 58 साल वाली नौकरी, पैंशन वाली नौकरी, एक लाख नौकरी, 5 लाख रोजगार, 28 लाख बहनों को 1500 रूपए महीना, 100 रूपए लीटर दूध, 2 रूपए किलो गोबर-3 साल जश्ने बर्बादी-प्रदेश की बर्बादी का जश्न।

बिग बॉस 19 से निकलने के बाद बाबा महाकाल के दरबार पहुंचे मृदुल तिवारी

उज्जैन, 21 नवंबर (एजेंसिया)। बिग बॉस 19 से निकलने के बाद सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मृदुल तिवारी को उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन करते देखा गया। उन्होंने बाबा महाकाल से अपने खास कनेक्शन और बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद के एक्सपीरियंस के बारे में खुलकर बात की। मृदुल तिवारी ने बताया कि उज्जैन उनके लिए सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि उनका हेड ऑफिस है, जहां से उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में मृदुल तिवारी ने कहा, मुझे बाबा के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। बिग बॉस 19 में मेरी जर्नी उम्मीद से ज्यादा अच्छी रही। जितना मैंने सोचा था, लोगों का उससे ज्यादा प्यार और सम्मान मिला। उस घर से निकलने पर भी लोगों का जो मेरे लिए प्यार है, वह उतना ही है। मेरे करीबी लोगों का कहना है कि जैसे मैं उनके लिए पहले था, वैसे ही आज हूं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं टीवी में कम दिखा या शो से बाहर हो गया, मेरे लिए लोगों का प्यार और सम्मान ही सब कुछ है।

उन्होंने आगे बातचीत में कहा कि भले ही मुझे कितनी भी सक्सेस मिल जाए, लेकिन मैं न कभी पहले बदला था और न ही आगे बदलूंगा। उज्जैन में बाबा महाकाल से अपना कनेक्शन बताते हुए मृदुल ने कहा कि ये मेरा कंट्रोल रूम है। मेरा मानना है कि मेरे साथ जो भी अच्छा हो रहा है या जो कम अच्छा हो रहा है, वो सब बाबा महाकाल को समर्पित है। मैं उनका ही हूं और वे जैसा रखना चाहते हैं, वैसा ही रहूंगा।

मृदुल ने ईश्वर में अपनी आस्था और विश्वास को दृढ़ बताया। उन्होंने कहा कि बाबा ने मुझे अपने बच्चे की तरह रखा है और जब-जब मैंने उनसे जो कुछ मांगा है, वह मुझे मिला है। उन्होंने हर बड़ी से बड़ी परेशानी से मुझे निकाला है।मृदुल बिग बॉस 19 का हिस्सा बनने से पहले भी उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। अब शो से निकलने के बाद भी वे दर्शन के लिए पहुंचे हैं। बिग बॉस 19 में उनकी जर्नी को बहुत पसंद किया गया।

भले ही उनकी स्क्रीन टाइमिंग कम थी, लेकिन उनकी भोली बातों और कॉमेडी ने फैंस को खूब एंटरटेन किया।

रंगे हाथों पकड़ा गया पंचायत सचिव, 20 हजार रुपये रिश्वत मामले में चालान कोर्ट में पेश

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो करनाल ने भ्रष्टाचार के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी अमित कुमार, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत चैगांव (कार्यालय इऊझज इंद्री, जिला करनाल) के विरुद्ध चालान दाखिल कर दिया है। यह चालान 20 नवंबर 2025 को माननीय न्यायालय करनाल में धारा 7, 13(1)(इ) सहपठित 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत पेश किया गया। शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को दी शिकायत में बताया कि उसने अप्रैल 2024 में ग्राम पंचायत चैगांव में उउढत कैमरों की रिपेयर का कार्य किया था, जिसके बिल की राशि 1,08,452 रुपये पंचायत द्वारा उसके बैंक खाते में ट्रांसफर की जा चुकी थी। शिकायत के अनुसार, भुगतान करने की एवज में पंचायत सचिव अमित कुमार ने उससे 20,000 रुपये नकद रिश्वत की मांग की। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करनाल की टीम ने आरोपी पंचायत सचिव अमित कुमार को 20,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आर-ोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 30, दिनांक 27 सितंबर 2025, धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के तहत मामला थाना सतर्कता ब्यूरो करनाल में दर्ज किया गया था।

राहुल गांधी फेल होने पर भी बहाने ढूंढते हैं, जैसे परीक्षा में फेल बच्चे बहाना करते हैं: अनिल विज

चंडीगढ़, 21 नवंबर (एजेंसिया)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बैनर्जी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जैसे कई नेता घुसपैठियों के सबसे बड़े नेता बन चुके हैं। ये लोग घुसपैठियों की पैरवी करते हैं, उनके राशन कार्ड और वोट बनवाना चाहते हैं, जो न केवल देशहित में नहीं बल्कि पूरी तरह देशविरोधी गतिविधि है। विज मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे सवाल का जवाब दे रहे थे। कांग्रेस की दिल्ली बैठक में राहुल गांधी द्वारा एसआईआर आदि मुद्दों को उठाने के बावजूद चुनावी हार पर टिप्पणी करते हुए श्री विज ने कहा कि बच्चा यदि परीक्षा में फेल होकर आता है तो अपनी कमजोरी नहीं मानता-कभी कहता है कुर्सी टूट गई, स्याही गिर गई, कलम टूट गई, राहुल गांधी भी ऐसे ही बहाने बनाते रहते हैं। बिहार चुनाव पर धांधली के विपक्षी आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा कि जब तक पोलिंग एजेंट लिखकर शिकायत नहीं देते, बाहरी लोगों के बयान/लिखने से कोई धांधली सिद्ध नहीं होती। यह केवल माहौल-बनाने/अभियान चलाने का असफल प्रयास है।

प्रशांत किशोर के इस बयान पर कि बिहार में लोकतंत्र के साथ अन्याय हुआ, विज ने कहा कि प्रशांत किशोर का क्या आधार है? न उनकी खुद कोई सीट आई, न उनकी पार्टी का कोई व्यक्ति जीता। अब ऐसे लोग भी राष्ट्रीय राजनीति पर भाषण दे रहे हैं। इन्हें राजनीति छोड़कर कोई और काम कर लेना चाहिए।

पंजाब के कांग्रेस नेता बंडीग के वोट चोर-गद्दी छोड़ वाले बयान पर ऊर्जा मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि सबसे पहले यह पता करना चाहिए कि नकली वोटें बनाता कौन है और नकली वोट किसे डलती हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो इनके चुनाव एजेंटों ने आपत्ति क्यों नहीं की? इनके एजेंटों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? वास्तव में नकली वोटों के उस्ताद तो यही लोग हैं।

इंदिरा गांधी भी जाली वोटों के आधार पर चुनाव याचिका हार गई थीं, जस्टिस जे.एल.एम. सिन्हा ने उनकी सीट निरस्त की थी। यह इनकी पुरानी परंपरा है। अंबाला में कांग्रेस की जोन मीटिंग पर विज ने कहा कि अच्छी बात है कि वे अपनी पार्टी की उठक-बैठक करें, हमें क्या आपत्ति है।

वित्तीय व्यवस्था को पारदर्शी और जनहितकारी बनाने में लेखा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका : राज्यपाल शुक्ल

शिमला, 21 नवंबर (एजेंसिया)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि वित्तीय व्यवस्था को पारदर्शी और जनहितकारी बनाने में लेखा विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है यह विभाग अपनी तथ्य आधारित रिपोर्ट और विभागों को वित्तीय सुझावों के जरिये लोक कल्याणकारी सुशासन की आधारशिला का काम करता है। राज्यपाल आज पांचवें लेखा सप्ताह (ऑडिट वीक) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग (ख--ऊ) द्वारा शिमला के गॉर्टन कैसल भवन परिसर (ए.जी. कार्यालय) में किया गया। ऑडिट वीक 2025 का आयोजन विभाग की राष्ट्रीय लेखा एवं लेखा परीक्षा अकादमी, प्रधान महालेखाकार (ऑडिट) और प्रधान महालेखाकार (लेखांकन एवं अनुश्रवण) द्वारा किया जा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि लेखा विभाग लोकतंत्र का एक अनिवार्य स्तंभ है जो जवाबदेही, सुशासन, सार्वजनिक संस्थानों का विधि हित और जनहित में इस्तेमाल सुनिश्चित करता है। हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय और विकासशील राज्य की वित्तीय व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू बनाए रखने में इस विभाग का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे राज्य में भौगोलिक, संरचनात्मक, पर्यावरण जोखिम और आपदाओं से जुड़ी चुनौतियां अधिक जटिल है ऐसे में ऑडिट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती ताकि योजनाओं और परियोजनाओं का प्रभाव जमीनी स्तर पर सही रूप में नागरिकों तक पहुंच सके। राज्यपाल ने लेखा विभाग में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हिमाचल में ऑडिट कार्यालय ने डाटा एनालिटिक्स, डिजिटल और हाइब्रिड मॉडल अपना कर लेखा प्रक्रिया को तेज, सटीक और पारदर्शी बनाया है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के उपयोग से विभागों का बोझ कब हुआ है। राष्ट्रीय लेखा परीक्षा एवं लेखा अकादमी (एनएएए), शिमला के महानिदेशक एस आलोक ने उद्घाटन संबोधन में बताया कि विभाग द्वारा लेखा परीक्षा को आसान और कागज रहित बनाने के लिए हाइब्रिड और रिमोट ऑडिट जैसे अहम कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि ऑडिट का मतलब केवल आपत्तियां करना नहीं है बल्कि सरकारी निधि के पारदर्शी और जिम्मेदारी पूर्ण व्यय के साथ-साथ नागरिक केंद्रित एवं लक्ष्य आधारित व्यय का जरिया भी है। इससे पहले राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रधान महालेखाकार पुरुषोत्तम तिवारी, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।।

खादी महोत्सव का शुभारंभ

ग्रामीण कारीगरों के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मिला नया आयाम

लखनऊ,21 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोंद्योग मंत्री राकेश सचान ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय 'खादी महोत्सव-2025' का भव्य उद्घाटन किया। मंत्री सचान ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 160 से अधिक उद्यमियों एवं इकाइयों द्वारा स्थापित स्टॉल में खादी एवं ग्रामोद्योग से निर्मित उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। खादी को गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा कहा था। विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और स्वदेशी वस्त्र के रूप में खादी ने आजादी के आंदोलन में पूरे देश को एकजुट किया था। आज वही खादी केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बन चुकी है। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी महात्मा गांधी के स्वावलंबन

के विचार से जुड़ी हुई है और आज प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छता, स्वदेशी, स्वरोजगार तथा आत्मनिर्भर भारत के अभियान के अंतर्गत खादी पुनः राष्ट्रीय पहचान की शान बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 18 मंडलों में खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनियों का आयोजन कर ग्रामीण उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। पिछले वर्ष आयोजित कुल 20 प्रदर्शनियों में 2000 से अधिक इकाइयों की भागीदारी रही। 44.38 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गयी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्तमान में 3,90,000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। 2025 में 66,640 युवाओं को टूलकिट प्रदान कर स्वरोजगार से जोड़ा गया है। दोना मेकिंग मशीन, पॉपकॉर्न मशीन, हनी बॉक्स और विद्युत चालित चाक जैसे उपकरण ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार एवं चयनित लाभार्थियों को विभिन्न टूलकिट वितरित कर सम्मानित किया गया।इस दौरान प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने कहा कि खादी आधुनिक डिजाइनों और तकनीकों के माध्यम से युवाओं की पहली पसंद बन रही है। फैशन शो एवं निफ्ट जैसी संस्थाओं की सहभागिता से खादी को नया स्वरूप मिल रहा है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेज़न और फ्लिपकार्ट के माध्यम से खादी उत्पादों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है, जिससे कारीगरों को अधिक आय और पहचान मिल रही है। बेहतर गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है, ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास लगातार मजबूत रहे।लखनऊ वासियों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में पहुंचकर खादी उत्पादों की खरीदारी करें और ग्रामीण कारीगरों का मनोबल बढ़ाएं। मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि वे इस आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार कर खादी को बढ़ावा देने में सहयोग करें। कार्यक्रम में विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मंत्री राकेश सचान ने चयनित लाभार्थियों एवं उद्यमियों को पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। राज्य स्तरीय उत्कृष्ट इकाइयों के रूप में मेरठ के दीपक कुमार को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 40,000 रुपये, गोण्डा की ममता को द्वितीय पुरस्कार स्वरूप 30,000 रुपये तथा हाथरस के संजय सिंह को तृतीय पुरस्कार स्वरूप 20,000 रुपये प्रदान कर सम्मानित किया गया। चयनित पांच लाभार्थियों शशि शुक्ला, पिंकी, उमाकांत, विद्यावती एवं हिन्दराज को दोना मेकिंग मशीन प्रदान की गई, वहीं पॉपकार्न मशीन का वितरण पांच लाभार्थियों सोनी, प्रीती, अर्जुन, किशन कुमार तथा अंकित साहू को किया गया। हनी बॉक्स उपलब्ध कराए जाने हेतु राकेश वर्मा, मीना, शिवशंकर पटेल, अजय वर्मा एवं अनीता वर्मा को चयनित कर उन्हें सम्मानित किया गया। मिट्टी के शिल्पकला कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्युत चालित चाक भी पांच चयनित लाभार्थियों जियाउल हक, शिवकुमार, अनुराग प्रजापति, सुरेन्द्र कुमार तथा पीयूष प्रजापति को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पगमिल के लिए चयनित एकमात्र लाभार्थी पप्पी को उपकरण प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

राष्ट्रीय लोकदल ने शुरू कर दी पंचायत व 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी

लखनऊ,21 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक दल पूरे उत्तर प्रदेश में तेज़ी से अपने संगठन को विस्तार देने, जनाधार को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से जोड़ने के व्यापक अभियान में जुटा हुआ है। पार्टी का उद्देश्य प्रदेश के हर जिले, हर तहसील और हर ग्राम पंचायत तक अपनी पहुँच बनाकर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरना है। आगामी पंचायत चुनावों तथा उसके बाद 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय लोकदल, एनडीए गठबंधन के साथ पूर्ण शक्ति, रणनीति और सशक्त संगठन के बल पर चुनावी तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रीय लोक दल अब केवल पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर अपने जनाधार को सुदृढ़ कर रहा है। जमीनी स्तर पर पार्टी को

मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार सम्मेलन, सभाएं, संवाद कार्यक्रम तथा संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी तथा प्रदेश अध्यक्ष राम आशीष राय के नेतृत्व में बांदा, प्रयागराज, बस्ती, कानपुर, श्रावस्ती, हरदोई, गोरखपुर, कुशीनगर, झांसी, बरेली, गोंडा, उन्नाव, फैज़ाबाद, सोनभद्र, सिद्धार्थनगर, बाराबंकी, वाराणसी, कन्नौज, फ़र्रुख़ाबाद, इटाह, बहराइच, बलरामपुर, लखीमपुर, कौशाम्बी सहित प्रदेश के दर्जनों जिलों में विशाल सम्मेलन आयोजित हुए हैं। इन आयोजनों में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं, किसानों, नौजवानों एवं विभिन्न सामाजिक वर्गों की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया है कि पार्टी का संदेश तेजी से जन-जन तक पहुंच रहा है। राष्ट्रीय लोक दल का उद्देश्य केवल चुनावी विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारा और किसान-मजदूर आधारित राजनीति को सशक्त करना है। मथुरा कोसिकला में पार्टी के ऐतिहासिक राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय लोक दल किसानों, मजदूरों, पिछड़े वर्गों, युवाओं और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर समतामूलक राजनीति को मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। अधिवेशन में पारित प्रस्तावों ने पार्टी की भविष्य की दिशा, नीतिगत प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। राष्ट्रीय लोक दल का सदस्यता अभियान 14 अप्रैल बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तक चला। आने वाले दिनों में राष्ट्रीय लोक दल की गतिविधियाँ और व्यापक होंगी। कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, जिला स्तरीय सम्मेलन, पंचायत स्तर पर बैठकें एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पार्टी प्रदेश में जनहित, किसानहित और सामाजिक न्याय को केंद्र में रखकर राजनीति करेगी और प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत, विश्वसनीय और ईमानदार विकल्प प्रस्तुत करेगी।

प्रकृति प्रेमियों के लिए खुशखबरी

लखनऊ-दुधवा की यात्रा नवम्बर तक सिर्फ 487 रूपए में

लखनऊ 21 नवम्बर। छुट्टियों के बढ़ते आवागमन को देखते लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से दुधवा नेशनल पार्क के लिए चल रही विशेष एसी 2 गुणा 2 बस सेवा को अब पूरे नवम्बर महीने तक बढ़ा दिया गया है। 4 नवम्बर को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई यह सेवा शुरुआती चरण में मात्र पंद्रह दिनों के लिए तय थी, लेकिन यात्रियों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया और बढ़ती मांग के मद्देनज़र विभाग ने इसे पूरे माह संचालित करने का निर्णय लिया है। अधिक से अधिक प्रकृति प्रेमी और पर्यटक अब दुधवा की अद्वितीय हरियाली, समृद्ध वन्यजीव और शांत प्राकृतिक वातावरण की सहज एवं किफायती यात्रा का आनंद लेसकेंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपीएसआरटीसी द्वारा उत्तर प्रदेश इको टूरिज़्म डेवलपमेंट बोर्ड के प्रस्ताव पर शुरू की गई, इस विशेष सेवा को वन विभाग का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त है। यह पहल दुधवा जैसे देश के सबसे समृद्ध और संवेदनशील वन्यजीव आवास तक पर्यटकों की सहज, सुरक्षित तथा किफायती पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। आरामदायक सुविधाओं से परिपूर्ण यह बस सेवा उन यात्रियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो रही है, जो सीमित समय में प्रकृति और वन्य जीवन का निकट से अनुभव करना चाहते हैं।यह बस प्रतिदिन कैसरबाग से सुबह 8 बजे रवाना होती है और दोपहर 1:30 बजे दुधवा नेशनल पार्क पहुंचती है। मात्र 487 रूपये प्रति यात्री के किफायती किराये के साथ यह सेवा स्कूली बच्चों, अभिभावकों, वन्यजीव प्रेमियों, छात्र समूहों तथा प्रकृति के बीच अल्पावधि अवकाश बिताने के इच्छुक यात्रियों के लिए उपयुक्त एवं आकर्षक विकल्प बनकर उभरी है।दुधवा का तराई वाला क्षेत्र बाघ, एक-सींग वाले गैंडे, हाथी, बारहसिंगा, घड़ियाल सहित 450 से अधिक पक्षी प्रजातियों का अभयारण्य माना जाता है। साल के पेड़ों वाले घने जंगल, फैले हुए जल-समृद्ध क्षेत्र और घास के मैदान इस पूरे परिदृश्य को भारत के सबसे संरक्षित और जीवंत प्राकृतिक आवासों में शामिल करते हैं। यही कारण है कि दुधवा आज परिवारों, प्रकृति प्रेमियों और युवकों के बीच एक पसंदीदा वन्य पर्यटन गंतव्य के रूप में लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है।इसी महीने पुनः शुरू की गई स्पेशल विस्टाडोम ट्रेन सफारी में भी पर्यटकों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। अब तक 150 बच्चे, छात्र और प्रकृति प्रेमी इस अनोखी यात्रा का अनुभव कर चुके हैं, जिसमें खुला दृश्य प्रदान करने वाली पारदर्शी खिड़कियाँ और आरामदायक डिब्बे जंगल के बीच से गुजरते समय एक रोमांचक एहसास कराते हैं।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग अध्यक्ष ने की जनसुनवाई,18 शिकायतों पर एक्शन

आयोग पिछड़े वर्ग के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध-राजेश वर्मा

लखनऊ,21 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने आयोग कार्यालय में विभिन्न जनपदों से प्राप्त 18 शिकायतों पत्रावलियों पर जनसुनवाई की।

आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा कि आयोग पिछड़े वर्ग के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारी किसी भी प्रकरण में अनावश्यक विलंब न करें अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की संस्तुति की जाएगी।जनसुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रकरणों पर विभागीय अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। लखनऊ के सेवानिवृत्त डीसीओ पद के रमेश सिंह एवं दिनेश कुमार के पेंशन व अवशेष देयकों के भुगतान में हुई देरी पर आयोग ने असंतोष प्रकट किया। रमेश सिंह एवं दिनेश कुमार दोनों को क्रमशः 32 लाख 99 हजार रुपए यानि 65 लाख 98 हजार रुपए पेंशन व अवशेष देयकों का भुगतान हो जाने की सूचना मिलने पर संबंधित उत्तरदायी अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही कर अग्रिम नियत तिथि पर अवगत कराने के निर्देश दिए गए।सीतापुर की वृद्ध महिला उमा देवी के मकान पर अवैध कब्जे के प्रकरण में उपस्थित उपजिलाधिकारी सिधौली एवं क्षेत्राधिकारी को आयोग ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग की वृद्ध महिला के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो तथा समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।नगर निगम लखनऊ के सेवानिवृत्त कर अधीक्षक स्व. आनन्द कुमार सिंह की विधवा सुधा सिंह के पेंशन, ग्रेच्युटी, राशिकरण एवं बीमा भुगतान में देरी पर वित्त विभाग को स्पष्ट स्थिति से अवगत कराने हेतु नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।कानपुर देहात की प्रधानाध्यापिका नीलम के मामले में विवाद उत्पन्न करने वाले संबंधित सहायक अध्यापक को तत्काल स्थानांतरण के निर्देश देते हुए आयोग ने अनावश्यक उत्पीड़न रोकने पर बल दिया।गाजियाबाद के बलबीर सैनी के डम्पर वाहन से जुड़े प्रकरण में आयोग ने नगर आयुक्त गाजियाबाद को अगली तिथि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

बनारस में हुआ राजनीतिक डेमोलिशन

दालमंडी को लेकर योगी सरकार पर बरसे अखिलेश

लखनऊ,21 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के दालमंडी में मकान तोड़े जाने और चोड़ीकरण परियोजना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला।उन्होंने इसे राजनीतिक डेमोलिशन करार देते हुए कहा कि दालमंडी में भाजपा कभी जीतती नहीं, इसलिए यहां बदले की भावना से तोड़फोड़ कराई जा रही है। बनारस के कई बूथों का प्रिंट दिखाते हुए अखिलेश ने कहा कि बूथ देखिए तो दालमंडी में कभी भाजपा को वोट नहीं मिले। यहां वोट नहीं मिलते इसलिए यहां तोड़फोड़ हो रही है।अखिलेश ने कहा कि भाजपा वाले दूसरों को दुख-तकलीफ देने वाले लोग हैं। भाजपा को लोगों की दुकानें छीनने का अधिकार किसने दिया है। नकारात्मक सोच वाले कुदरत के फैसले से बच कर रहें।

किसी दिन राजनीति उनकी ढह जाएगी। लखनऊ में हमने देखा कि अकबरनगर को पूरा धराशायी कर दिया। लोग हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट गए लेकिन कुछ नहीं हुआ। कई लोगों के मकान दुकान को अवैध घोषित करके कुछ हासिल नहीं होने देंगे। भाजपा वाले नक्शा पास कराने की बात करते हैं। मुख्यमंत्री आवास का नक्शा पास है क्या? इस सरकार ने

अपनी जमीन अधिगृहित किया तो खूब मुआवजा लिया। मनचाहा मुआवजा लिया गया। इस बात को सदन में भी कहा था। जैसा मुआवजा आपने अपने जमीन का लिया, इन्हें भी वैसा ही मुआवजा दे दो। अखिलेश ने दावा किया कि सपा सरकार में बनारस के लिए मेट्रो का डीपीआर तैयार था।

हमने लखनऊ-कानपुर में मेट्रो चला दी, अगर बनारस में यह लोग मेट्रो बना देते तो दालमंडी को तोड़ना नहीं पड़ता।दालमंडी में तोड़फोड़ को अंजाम दे रहे अधिकारियों को इशारों में चेताते हुए कहा कि महाराजगंज को याद कीजिए, क्या हुआ था? सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अधिकारियों से वसूली की जाए। यहां भी यही होगा, आज नहीं तो कल होगा।

सब नोट हो रहा है। कुछ हमारे यहां नोट हुआ है। कुछ कुदरत के पास नोट हो रहा है। कहा कि हम लोगों ने फैसला ले लिया, इनके लिए कुछ करेंगे।उन्होंने योगी सरकार को अभी तक की सबसे करप्ट सरकार बताया और कहा कि यह सरकार जाने वाली है। बिहार में जीतने की बात पर कहा कि जीतने से क्या होता है? सिकंदर भी जीतकर अमर नहीं हुआ था। आप लोगों को दुख-तकलीफ दे रहे हो, थाने बुला रहे हो। अखिलेश ने 2024 लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कहा कि तब भी इनके साथ चुनाव आयोग था, फिर भी सपा जीती।अखिलेश के साथ दालमंडी के कई दुकानदार भी मौजूद थे। उन लोगों ने आपबीती सुनाई। अखिलेश ने दुकानदारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि जनता जाग गई है और आने वाले समय में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अयोध्या में कारोबारियों और आम लोगों ने ही भाजपा को हराया था।

ऊर्जा मंत्री ने शिविर में दी विद्युत बिल राहत योजना की दी जानकारी

लखनऊ,21 नवंबर (एजेंसियां)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मऊ में बहुद्देशीय भवन मंगलम में विद्युत शिविर में विद्युत राहत योजना के बारे में बताते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में शिविर लगाकर उपभोक्ताओं को इस योजना की जानकारी देते हुए उन्हें इसका लाभ प्रदान करें।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि विद्युत बिल राहत योजना 2025 के अंतर्गत बकाया धनराशि को एक मुश्त जमा करने पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत एवं मूलधन में 25 प्रतिशत तक छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। उन्होंने इस योजना को जनता के लिए सरकार का उपहार और जनसहभागिता से जुड़ी अभूतपूर्व पहल बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी उपभोक्ता बिजली बिल के बोझ तले दबा न रहे और साथ ही राज्य की बिजली वितरण व्यवस्था आर्थिक रूप से सुदृढ़ बने।

इस योजना से एक ओर जहां सरकारी खजाने में भारी राजस्व की वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी। योजना के अंतर्गत यदि कोई उपभोक्ता अपना बिजली बिल एकमुश्त जमा करता है, तो उसे सरचार्ज में 100 प्रतिशत के साथ बकाए के मूलधन में 25 प्रतिशत

छूट मिलेगी। यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। प्रथम चरण 1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक) पंजीकरण कराने पर 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक में 20 प्रतिशत तथा तृतीय चरण 1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। जो उपभोक्ता पहले पंजीकरण कर भुगतान करेंगे, उन्हें अधिक लाभ मिलेगा। इसलिए प्रदेश के नागरिकों से अपील है कि वे योजना के प्रथम चरण में ही भाग लें। योजना घरेलू उपभोक्ताओं 2 किलोवाट तक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं 1 किलोवाट तक दोनों के लिए लागू होगी। बिजली चोरी से संबंधित प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि पर भी छूट देने का प्रावधान किया गया है। इससे उन उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी जो अनजाने में तकनीकी अथवा मीटर संबंधी त्रुटियों के कारण विवादों में फंसे थे। सरकार ने गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी दी है। इससे वे उपभोक्ता, जो एकमुश्त भुगतान करने में असमर्थ हैं, वे भी योजना का लाभ उठाकर अपने बकाया बिलों का निस्तारण 750 रूपये प्रतिमाह कर सकते हैं।

यह कदम प्रदेश के लाखों छोटे उपभोक्ताओं को आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने वाला होगा। विभाग ओवर बिलिंग और अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का भी संशोधन करेगा, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय भार न पड़े और उन्हें सही व पारदर्शी बिलिंग का लाभ मिले।

यह केवल एक छूट योजना नहीं, बल्कि उपभोक्ता के विश्वास और पारदर्शिता को पुनः स्थापित करने की मुहिम है। ऐसे उपभोक्ताओं को बिल की धनराशि जमा करने हेतु एक मासिक औसत धनराशि निधारित की गई है। इस योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को अत्यंत सरल बनाया गया है। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट www.uppcl.org पर, संबंधित खंड,उपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र एवं विभागीय कैश काउंटर से पंजीकरण कर सकते हैं।

ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि यह योजना जनता के लिए लाई गई एक अभूतपूर्व पहल है। हमने हमेशा यह प्रयास किया है कि जनता को न केवल बिजली मिले बल्कि राहत भी मिले। 'बिजली बिल राहत योजना 2025' से जनता को आर्थिक बोझ से मुक्ति मिलेगी और बिजली विभाग के प्रति उनका विश्वास और भी मजबूत होगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह योजना जनता की योजना, जनता के लिए है और हर उपभोक्ता को इसका लाभ लेना चाहिए।

बच्चों के साथ जरूर बिताएं समय

आज के भागम भाग वाले दौर में यह संभव नहीं रह गया है कि आप अपने बच्चों को वांटिटी टाइम दें, लेकिन यह बहुत जरूरी है कि आप दोनों अपने बच्चों को वालिटी टाइम जरूर दें। भले ही आप अपने बच्चों को चौबीस घंटे में से केवल पंद्रह मिनट ही दें, लेकिन उन पंद्रह मिनट में आ उनके अपने बच्चे को समझे की कोशिश करें और उन्हें अच्छे विचार और संस्कार दें। इससे आपके द्वारा दिया गया थोड़ा समय भी सार्थक काम करेगा। यह तो आपको भी पता ही होगा कि बच्चों की अच्छी परवरिश में वालिटी टाइम कितना महत्व रखता है। आइए जानतें है कि बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। बजस तरह से बच्चों का उम्र बढ़ती जाती है, उनके लाइफस्टाइल और पसंद में भी बदलाव आने लगता है। यह जरूरी नहीं कि जो बच्चा पहले पसंद करता है अब भी वह वहीं चीजें खाएगा ऐसा असर टीनएजर की उम्र में होता है। बच्चे चाहे कितने भी बड़े यों न हो जाए मां-बाप के लिए वह हमेशा बच्चे ही रहते थे लेकिन परेशानी तब बढ़ जाती है जब बच्चों को किसी के सामने डांटा जाए। हो सकता है इससे आपके और बच्चे के बीच दूरियां भी बढ़नी शुरू हो सकती है। बच्चों के साथ प्यार बनाएं रखना चाहते हैं तो उनके साथ हर स्थिति में सूझ-बूझ के साथ पेश आना जरूरी है।

बनें दोस्त

बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों और माता-पिता के बीच अनुशासन के लिहाज से थोड़ी दूरी होनी भी जरूरी है, लेकिन यह दूरी इतनी भी न हो कि बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद ही स्थापित न हो। अगर आप अपने बच्चों को सही दिशा देना चाहती हैं तो किसी बात को लेकर उन्हें समझाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उनसे संवाद स्थापित करना। बच्चों से आपका सही संवाद तभी होगा, जब उनके प्रति आपका रवैया मित्रवत होगा।

समझें मनोभावों को

निगरानी बच्चे के जरूरी है बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वे छोटी-छोटी बातों या गलतियों पर बच्चों को डांटने-फटकारने लगते हैं या उन्हें उपदेश देने लगते हैं। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों को डांटने और उपदेश देने की बजाय उनकी जरूरतों, भावनाओं और समस्याओं को समझने की कोशिश करें। हो सकता है कि आपके मन में यह याल आए कि बच्चों को या समस्या हो सकती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपकी नजर में जो बातें छोटी-छोटी हैं, हो सकता है कि बच्चों की नजर में वे काफी बड़ी नजर आती हों। अपनी समस्याओं का निदान जब बच्चे अपने माता-पिता से नहीं पाते हैं तो उनके भटकने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

कारण जानने का प्रयास

बच्चों से अगर कोई भूल या गलती हुई है तो पहले उसका कारण जानने की कोशिश करें कि वह गलती उन्होंने जान-बूझकर की है या भूलवश हो गई है। अगर भूल से उनसे कोई गलती हुई है तो उसे अपने पास बिठाकर प्यार से समझाएं। हां, यदि उन्होंने जान-बूझकर गलती की है तो उन्हें हिदायत दे सकती हैं कि ऐसी गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अपने बच्चों से संबंध इतने सहज होने चाहिए कि वे गलती करने पर भी अपनी बातें आपसे शेयर कर सकें। अगर आप बच्चों की हर बात से वाकिफ रहेंगी तो उसे समय पर सही राय दे सकती हैं। इससे वे अपने में सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

जरूरी है निगरानी

बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि चाहे आप दोनों कामकाजी हों या दोनों लोग ही बहुत व्यस्त रहते हों तो भी यह बात बहुत महत्व रखती है कि बच्चों को अपनी निगरानी में रखें। यह कहना कि आप दोनों के पास समय नहीं है या हम असर घर से बाहर रहते हैं तो यह सोच सही नहीं है। चाहे आप घर में हों या बाहर, बच्चों के संपर्क में रहकर आप उनकी सभी बातों से वाकिफ हो सकते हैं। खुद चलें सही राह हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनके बच्चे सही राह पर ही चलें। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे सही राह पर चलें तो सबसे पहले अपने जीवन से आपको क्रोध को बाहर निकालना होगा। जब तक बहुत जरूरी न हो बच्चों के सामने क्रोध न करें। हमेशा अपने से बड़ों का समान करें, छोटों को स्नेह दें और अपने मित्रों से मर्यादा में रहकर बातचीत करें। याद रखिए बच्चे वैसी ही हरकतें और बातें करते हैं, जैसी वे अपने से बड़ों को घर में करते हुए देखते हैं। बच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाजबच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाज

अकेले में करें बात

किसी मेहमान के सामने बच्चा अगर कोई गलती कर देता है या फिर कोई ऐसी बात कह देता है जो आपको पसंद नहीं है तो डांटने की गलती न करें। इस समय दी गई आपकी प्रतिक्रिया उस पर गलत प्रभाव डाल सकती है। बच्चे के साथ अकेले में बात करें और समझाएं कि या सही है और या नहीं। प्यार से की गई आपकी बात को वह जरूर समझेगा।

एक दम से न करें रिएट

बच्चे के गलती करने पर कुछ मां-बाप मारपीट शुरू कर देते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि वह नहीं जानते कि या सही है और या गलत। धैर्य से काम लें समझने की कोशिश करें कि वह कहीं किसी बात से परेशान होकर तो ऐसा नहीं कर रहा।

निगरानी बच्चे के जरूरी है

बात को समझें बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है तो इस बात की वजह को जानने की पूरी कोशिश करें। हो सकता है कि बच्चे को आपके साथ की जरूरत हो। समय के साथ समाज की सोच में भी तेज़ी से बदलाव आ रहा है। पुराने समय में किचन को पुरुषों के लिए नो एंट्री ज़ोन माना जाता था पर अब ऐसा नहीं है। आज की ममी अगर कार ड्राइव करके ऑफिस जाती हैं तो पापा भी किचन में बच्चों के लिए नाश्ता बना सकते हैं।

ऐसे सहज माहौल में पलने वाले बच्चों के मन में कार्यों को लेकर कोई जेंडर रोल निर्धारित नहीं होता। इसी वजह से आज की लड़कियां भी स्केटिंग फुटबॉल जैसे आउटडोर गेस में न केवल बड़े उत्साह से शामिल होती हैं बल्कि रेसलिंग, और जूडो-कराटे जैसे मैस्कुलिन समझे जाने वाले स्पोर्ट्स के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वहीं लड़के भी कुकिंग की फील्ड में कामयाबी की नई इबारत लिख रहे हैं। इसीलिए बच्चों के खेल से जुड़ी स्टीरियोटाइप सीमाएं भी अब टूटने लगी हैं और हमें इस बदलाव को सहजता से स्वीकारना चाहिए।

बनें रोल मॉडल

अपने माता-पिता बनें रोल मॉडलअपने माता-पिता को देखकर ही बच्चों के मन में आदर्श पुरुष या स्त्री की छवि तैयार होती है। इसलिए अगर पेरेंट्स के आपसी रिश्ते में मधुरता होगी और वे दोनों एक-दूसरे के प्रति केयरिंग होंगे तो इससे बच्चे के मन में अपने आप यह धारणा विकसित होगी कि बेटों/बेटियों दोनों ही अच्छे होते हैं। यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि जिन परिवारों में भाई-बहन दोनों होते हैं, वहां के बच्चों के लिए दूसरे जेंडर की भावना को समझना और उनके साथ सामंजस्य बिठाना आसान हो जाता है। लेकिन जहां केवल लड़के या लड़कियां हों, वहां माता-पिता की ज़िमेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में उन्हें अपने टीनएजर बेटों/बेटियों को समझाना चाहिए कि अपोज़िट जेंडर के साथ अपने व्यवहार में वे शालीनता बरतें।

घर पर कैसे उगाएं तीखी हरी मिर्च

हरी मिर्च, इसका इस्तेमाल डेली रूटीन लाइफ में खाना बनाने के लिए किया जाता है। वैसे तो हरी मिर्च आपको बाजार से भी मिल जाएंगी लेकिन अगर आप चाहो तो इसे अपने घर में भी उगा सकते हैं। जी हां, बिल्कुल इसे उगाने की सबसे खास बात तो यह है कि आप इसे किसी भी गमले या फिर कंटेनर में उगा सकते हैं। इसके लिए आपको किसी बड़े से बगीचे की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप घर में ही ताजी और तीखी हरी मिर्च उगा सकते हैं।

1. गमला : अगर आपके पास हरी मिर्च की खेती करने के लिए बगीचा नहीं है तो ऐसे में आप कोई भी कंटेनर या गमला लें लें और उस गमलें में मिट्टी की जगह आर्गेनिक कमपोस्ट का इस्तेमाल करें।

2. पानी : पौधे को नियमित रूप से पानी देते रहे। लेकिन इस बात का भी खास ध्यान रखें ज्यादा पानी देना भी पौधे को नुकसान पहुंचा सकता है।

3. सूरज की रोशनी : हरी मिर्च का पौधा लगाने के बाद इसे ऐसी जगह रखें जहां सूरज की रोशनी अच्छी आती हो ताकि पौधे का विकास अच्छे से हो सके।

4. बस, कुछ ही दिनों में आपके पौधे में हरी मिर्च उगती नजर आएगी।

जरूरी बात : हरी मिर्च उगाने के दौरान आपको बीमारी से छुटकारा पाने के लिए किसी तरह के फर्टिलाइजर की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि हरी मिर्च के अंदर ऐसे रसायन मौजूद होते हैं जो बीमारियों को दूर रखने में मदद करते हैं।

बच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाज

जिस तरह से बच्चों का उम्र बढ़ती जाती है, उनके लाइफस्टाइल और पसंद में भी बदलाव आने लगता है। यह जरूरी नहीं कि जो बच्चा पहले पसंद करता है अब भी वह वहीं चीजें खाएगा ऐसा अक्सर टीनएजर की उम्र में होता है।

बच्चे चाहे कितने भी बड़े क्यों न हो जाए मां-बाप के लिए वह हमेशा बच्चे ही रहते थे लेकिन परेशानी तब बढ़ जाती है जब बच्चों को किसी के सामने डांटा जाए। हो सकता है इससे आपके और बच्चे के बीच दूरियां भी बढ़नी शुरू हो सकती है। बच्चों के साथ प्यार बनाएं रखना चाहते हैं तो उनके साथ हर स्थिति में सूझ-बूझ के साथ पेश आना जरूरी है।

अकेले में करें बात

किसी मेहमान के सामने बच्चा अगर कोई गलती कर देता है या फिर कोई ऐसी बात कह देता है जो आपको पसंद नहीं है तो डांटने की गलती न करें। इस समय दी गई आपकी प्रतिक्रिया उस पर गलत प्रभाव डाल सकती है। बच्चे के साथ अकेले में बात करें और समझाएं कि क्या सही है और क्या नहीं। प्यार से की गई आपकी बात को वह जरूर समझेगा।

एक दम से न करें रिएक्ट

बच्चे के गलती करने पर कुछ मां-बाप मारपीट शुरू कर देते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि वह नहीं जानते कि क्या सही है और क्या गलत। धैर्य से काम लें समझने की कोशिश करें कि वह कहीं किसी बात से परेशान होकर तो ऐसा नहीं कर रहा।

बात को समझें

बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है तो इस बात की वजह को जानने की पूरी कोशिश करें। हो सकता है कि बच्चे को आपके साथ की जरूरत हो।

पढ़ने में कमजोर है बच्चा तो उन्हें रोजाना खिलाएं ये फूड्स

सेहत के साथ तेज दिमाग भी काफी मायने रखता है। सभी पेरेंट्स का सपना होता है कि उनका बच्चा स्वस्थ और होशियार हो। कुछ बच्चों का दिमाग तेज होता है और कुछ दिमाग से काफी कमजोर होते है, जिस वजह से वह अक्सर पढ़ाई-लिखाई के मामले में पीछे रह जाते है। अगर आप भी अपने बच्चे के दिमाग को तेज रखना चाहते है तो उसकी डाइट पर अधिक ध्यान दें। उन्हें ऐसी चीजों का सेवन करवाएं, जो दिमाग के लिए काफी फायदेमंद साबित होती है। आज हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताएंगे, जो बच्चों की याददाश्त बढ़ाने में काफी मददगार है।

1. सेब

सेब टेस्टी होने के साथ- साथ सेहत को भी ठीक रखता है। इसमें कई पोषक तत्व, विटामिन और खनिज होते हैं जो हमें बीमारियों से बचाते हैं। रोजना सुबह खाली पेट सेब खाने से मस्तिष्क की कोशिकाएं ठीक ढंग से कार्य करती हैं, जिससे सोचने-समझने की शक्ति तेज होती है।

2.सोयाबीन

सोयाबीन में फायटोस्ट्रोजन नामक हार्मोन और विटामिन क्क होता है। सोयाबीन से बने पकवान खाने से याददाश्त बढ़ती है और दिमागी कमजोरी दूर होती है। हफ्ते में 2-3 बार सोयाबीन का सेवन करना चाहिए।

3. बादाम

बादाम में तांबा, विटामिन बी, कैल्शियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, लोहा जैसे कई पोषक तत्व होते हैं जो कि बच्चों और बूढ़ों दोनों के लिए फायदेमंद है। रात को 5 बादाम पानी में भिगो दें। सुबह छिलका उतारकर पेस्ट बनाएं और फिर शहद वाले दूध में डालकर पी लें।

4.पालक

पालक शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने के साथ याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार होती है। इसमें मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटामिन बी, ई और कई पोषक तत्व होते हैं जो दिमाग को तेज बनाते है और हमे कभी बीमार नहीं होने देते।

5.गाजर और पत्ता गोभी

गाजर और पत्ता गोभी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करे।सलाद में गाजर और पत्ता गोभी का अधिक इस्तेमाल करें। सलाद में हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च और नींबू रस मिलाएं और खाएं।

सर्दियों में नवजात को स्किन ड्राईनेस से बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों के मौसम में नवजात शिशु के गालों, लिप्स और नाक के आस-पास का हिस्सा ड्राई हो जाता है। शिशु की स्किन का ध्यान न रखने पर त्वचा ड्राई होकर फटने लग जाती है। इसलिए सर्दी के मौसम में बड़ों के साथ-साथ बच्चों की स्किन को भी खास केयर की जरूरत होती है।

आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह सर्दियों में आप नवजात की त्वचा को फटने से बचा सकती है। इन घरेलू तरीकों से आप शिशु की त्वचा को बिना किसी नुकसान के ड्राई होने से बचा सकते है।

1. कच्चा दूध

शिशु की स्किन को रूखेपन से बचाने के लिए कॉटन की मदद से कच्चे दूध को उनकी त्वचा पर लगाएं। इससे शिशु की स्किन कोमल होगी और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

2. धूप में टहलाना

बच्चों को सारा दिन कमरे में रखने की बजाए भूप में जरूर टहलाएं। इसके अलावा धूप में शिशु की मालिश करने से उसके शरीर अंदर से गर्म रहता है और स्किन में रूखेपन की समस्या भी नहीं होती।

3. बादाम या नारियल का तेल

रात को सोने से पहले शिशु की स्किन पर बादाम, जैतून या नारियल का तेल लगा दें। इससे शिशु की स्किन कोमल और सॉफ्ट हो जाएगी। इसके अलावा इससे मालिश से मांशपेशियां मजबूत होती हैं।

4. अधिक कपड़े पहनाना

शिशु को जरूरत से ज्यादा कपड़े पहना देने के कारण भी उसकी स्किन में रूखापन आ जाता है। शिशु को ज्यादा और ऊन वाले कपड़े पहनाने से त्वचा संक्रमित हो सकती है। इसलिए उन्हें कॉटन के कपड़े ही पहनाएं।

5. घी

शिशु की स्किन ड्राई होने पर उसके गाल और नाक के आस-पास घी लगा दें। इससे 2 दिन में ही स्किन का रूखापन दूर हो जाएगी।

6. बेसन और दूध

हफ्ते में 1 बार शिशु को बेसन और दूध से नहलाने पर भी उसकी स्किन ड्राई नहीं होगी। इससे उसकी त्वचा खिली-खिली रहने के साथ-साथ सॉफ्ट भी होगी।

रेसिपी

होट पौकेट

सामग्री

2 कप आलू (उबले हुए), 2 प्याज (बारीक कटे हुए), 3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 1/4 कप धनिया (बारीक कटा हुआ), 1/2 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच गरम मसाला, 2 कप मैदा, 2 चम्मच मक्खन, नमक स्वादानुसार, तेल आवश्यकतानुसार।

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, नमक और मक्खन डालें। उसके बाद इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाकर इसे नरम आटे की गूंथ लें। अब एक दूसरे कटोरे में आलू, नमक, प्याज, हरी मिर्च, अदरक लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाऊर, हल्दी, गरम मसाला और धनिया डाल कर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद गूंथे हुए आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। फिर लोई को आयत आकार में बेल लें। अब एक चपाती में आलू मिश्रण थोड़ा रखें, फिर दूसरे चपाती को उसके ऊपर रखें और चपाती के किनारो को फॉक स्पून से दबा दें। इसके बाद कड़ाई में तेल गर्म करें। फिर उसमें तैयार किया हुआ पॉकेट को डालकर डीप फाई करें। आपके होट पौकेट तैयार है।

वेजिटेबल दलिया

सामग्री

तेल: 1 बड़ा चम्मच , जीरा: 1/2 छोटा चम्मच
अदरक: 1/2 बड़ा चम्मच, प्याज: 60 ग्राम
आलू: 130 ग्राम , गाजर: 75 ग्राम, मटर: 45 ग्राम , हल्दी: 1/2 छोटा चम्मच, धोई हुई मूंग दाल: 2 बड़े चम्मच धोया हुआ दलिया: 165 ग्राम,गर्म मसाला: 1/2 छोटा चम्मच , नमक: 1 छोटा चम्मच,लाल मिर्च: 1/4 छोटा चम्मच,पानी: 440 मिलीलीटर, धनिया: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 बड़ा चम्मच अदरक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद इसमें 60 ग्राम प्याज डालकर भून लें। फिर इसमें 130 ग्राम आलू, 75 ग्राम गाजर, 45 ग्राम मटर डालकर 5-7 मिनट तक पकाएं। पकने के बाद इसमें 1/2 छाटो चम्मच हल्दी मिला दें। अब इसमें 2 बड़े चम्मच धोई हुई मूंग दाल और 165 ग्राम धोया हुआ दलिया डालकर मिलाएं। बाद में इसमें 1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला, 1 छोटा चम्मच नमक, 1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च डालकर 2 मिनट तक पकाएं। इस मिश्रण में 440 मिलीलीटर पानी डालें और इसे ढक्कन के साथ कवर करके 10 से 15 मिनट तक पकाएं या जब तक पानी अच्छे से सूख न जाए। आपका वेजिटेबल दलिया तैयार है। इसे धनिये के साथ गार्निश करके सर्व करें।

संपादकीय

नाबालिगों के अपराध

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है। दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए। लेकिन इस छूट को सजा से छूट का हथियार बनने देने से भी रोकना चाहिए। अन्यथा किशोरों के अपराधों का सिलसिला बेकाबू हो सकता है।

देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए।

18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी। सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है।

नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी। सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए। मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से 'लाल गलियारा' कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक 'नक्सलमुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दर्शाता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी। आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की

आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है। नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागज़ों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया।

सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे। माड़वी हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को "नक्सलवाद मुक्त भारत" बनाना है, तो उसके लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तेज़ किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है। देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति में होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे, स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने। यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है।

देश दुनिया से

टेलीविजन : जो जोड़ता, दिखाताऔर दिशा देता रहा

कुछ आविष्कार बदले नहीं जाते, वे हमें बदल देते हैं। टेलीविज़न ऐसा ही एक आविष्कार है। उसने कभी दरवाज़े पर खड़े होकर नहीं पूछा कि आप अमीर हैं या गरीब, कस्बे में रहते हैं या महानगर में; बस एक तार खींचा और पूरी दुनिया को घर के आँगन में खोल दिया। हर सुबह आँख खुलते ही आपकी नज़र सबसे पहले किसे खोजती है? उसी छोटे-से काले रिमोट को, जो एक बटन में समूची दुनिया को आपके कमरे में बुला लेता है। आज हम उस जादुई खिड़की को सलाम कर रहे हैं जिसने इंसान की कल्पना को हक़ीक़त में ढाल दिया—टेलीविज़न को। यह महज़ मशीन नहीं, एक क्रांति है। एक तिलिस्म है। एक ऐसा दर्पण, जिसमें हम अपने आप को देखते हैं—हँसते हुए, डरते हुए, रोते हुए और हर बार थोड़ा बदलते हुए। सोचिए ज़रा। 1920 के दशक में जब जॉन लोगी बेयर्ड ने पहली बार चलती तस्वीरें प्रसारित की थीं, तब किसी ने कल्पना भी न की थी कि एक दिन यही डिब्बा दुनिया को अपने आगे झुका लेगा। 1947 में भारत आज़ाद हुआ, और 1959 में दिल्ली के आकाश में पहला टेलीविज़न टावर खड़ा हुआ। उस दिन दूरदर्शन ने सिर्फ़ तरंगें नहीं भेजीं—एक साझा सपना भेजा। गाँव की चौपाल से लेकर मेट्रो के कोच तक, हर जगह एक ही आवाज़ गूँजने लगी। हम अलग-अलग थे, पर एक साथ सुबके जब 'महाभारत' में भीष्म शर-शय्या पर लेटे; हम साथ गूँजे जब कपिल देव ने लॉर्ड्स की बालकनी में विश्व कप उठाया। टेलीविज़न ने हमें सिर्फ़ जोड़ा नहीं—हमें एक राष्ट्र होने का एहसास दिया। रंग आया और जैसे किसी ने समय की नसों में नया खून दौड़ा दिया। 1982 का एशियाड सिर्फ़ खेल नहीं था;

वही वह पल था जब भारत ने पहली बार टेलीविज़न की आँखों से खुद को रंगों में देखा। दुकानों पर सजे नए टीवी ऐसे लगते थे मानो शहर अपनी ही परछाईं को चकित होकर निहार रहा हो। सीता-हरण का दृश्य देखकर माँओं ने आँचल से आँसू पोंछे, और बच्चों ने पहली बार नीला आकाश सचमुच के नीले में चमकता देखा। टेलीविज़न सिर्फ़ दिखाता नहीं था—वो हमें जीना सिखाता था। 'हम लोग' ने हमें बताया कि साधारण इंसान भी असाधारण संघर्ष कर सकता है। 'बुनियाद' ने बँटवारे के घावों को फिर से कुरेदा, ताकि हम भूल न जाएँ कि नफ़रत की कीमत कितनी भारी होती है। और फिर आया 90 का दशक। स्टार, ज़ी, सोनी। एक चैनल से सैकड़ों चैनल, सैकड़ों आवाज़ें। दूरदर्शन का एकाधिकार टूटा और सपनों की खुली मंडी लग गई। 'शांति' ने बताया कि औरत भी बोल सकती है। 'तारा', 'हिप हिप हुर्रे' ने दिखाया कि बच्चे भी इंसान होते हैं। केबल वाला भैया जब छत पर एंटीना घुमाता था, तो हम सैटेलाइट के ज़रिए पूरी दुनिया को अपने ड्रॉइंग रूम में बुला लेते थे। सीएनएन पर गल्फ वॉर लाइव देखा, एमटीवी पर माइकल जैक्सन को मूनवॉक करते देखा। टेलीविज़न अब सिर्फ़ भारतीय नहीं रहा, वो ग्लोबल हो गया। फिर आया रियलिटी टीवी का दौर—जहाँ स्क्रीन सिर्फ़ कहानी नहीं, किस्मत लिखने लगी। 'कौन बनेगा करोड़पति' ने साबित किया कि आम आदमी भी करोड़पति बन सकता है। एक सवाल, एक जवाब, और पूरी ज़िंदगी बदल जाती है। 'इंडियन आइडल' ने गलियों के गवैयों को स्टार बनाया। 'बिग बॉस' ने हमें दिखाया कि इंसान कितना नीचे गिर सकता है जब कैमरा 24 घंटे उस पर लगा हो। टेलीविज़न अब महज़ मनोरंजन नहीं रहा, वो समाज का असली आईना बन गया; कभी हँसाता, कभी रुलाता, कभी उबाल देता, और कभी अपनी ही परछाईं से शर्मिंदा कर जाता। आज जब हम नेटफ्लिक्स, प्राइम, हॉटस्टार पर बिंज करते हैं, तब भी टेलीविज़न ज़िंदा है। वो अब सिर्फ़ डिब्बा नहीं—वो हमारी जेब में है, हमारी उँगलियों पर है। पर उसकी असली ताकत अब भी वही है—लोगों को एक साथ बाँधने की। 2020 का लॉकडाउन याद है? जब 'रामायण' और 'महाभारत' फिर से चले थे, तो पूरा देश एक ही समय, एक ही सांस में कहानी देख रहा था। करोड़ों स्क्रीन पर एक ही दृश्य। एक ही संवाद। एक ही भाव। टेलीविज़न ने फिर साबित किया—वो सिर्फ़ तकनीक नहीं, वो भावना है। वो संस्कृति है। वो स्मृति है। विश्व टेलीविज़न दिवस हमें ठहरकर यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम इस स्क्रीन को आखिर कैसे देख रहे हैं—सिर्फ़ मनोरंजन उगलती मशीन के रूप में, या दुनिया को नया अर्थ देने वाली एक अतिरिक्त आँख के रूप में? टीवी केवल देखने की क्रिया नहीं, जागने का अनुभव भी बन सकता है। यह बताता है कि कहानियों की शक्ति असीम है, कि कभी-कभी एक अकेला दृश्य हज़ार शब्दों से भी गहरी चोट या गहरा सुकून दे सकता है। यही वह ताकत है जिसने हमें स्थानीय चौखट से उठाकर वैश्विक नागरिक बनाया—दृष्टि को सीमाओं की दीवारों के पार ले जाकर। और यही याद दिलाता है कि इंसान की कहानी चाहे कहीं भी जन्म ले, उसकी गूँज दुनिया के हर कोने में सुनाई दे सकती है। इस दिन यह स्वीकार करना जरूरी है कि टेलीविज़न ने न सिर्फ हमारी आदतें, बल्कि हमारी संवेदनाएँ भी बदल दी हैं। उसने हमें वह दुनिया दिखा दी, जिसके दरवाज़े शायद हमारे लिए कभी खुल ही नहीं पाते। यह वह प्रकाश है जो समय के अंधेरे कोनों को चीरकर हमारे पास आता है—कभी चेतावनी बनकर, कभी उम्मीद बनकर। और शायद यही उसकी सबसे बड़ी खासियत है: टेलीविज़न ऐसा माध्यम है जो सिर्फ बताता नहीं, बल्कि जोड़ता है; सिर्फ दिखाता नहीं, बल्कि दिशा देता है; और सिर्फ मनोरंजन नहीं करता, बल्कि मानवता के साझा भविष्य पर अपनी तेज़, गहरी स्याही से खिंचती हुई एक अमिट रेखा है।

आप का नजरिया

नक्सल के नासूर पर प्रहार

इसमें दो राय नहीं है कि शीर्ष माओवादी कमांडर हिडमा का मुठभेड़ में मारा जाना वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ देश की दशकों पुरानी लड़ाई में निर्णायक सफलताओं में से एक है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार से देश नक्सली हिंसा से मुक्ति की राह में कामयाबी की तरफ बढ़ा है। लगभग तीन दशकों तक हिडमा बस्तर में चौंकाने वाली रणनीतियों से बड़े हमलों को अंजाम देता रहा है। बताते हैं कि वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों द्वारा हिडमा व उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों को मार गिराना केंद्र सरकार की उस रणनीति की सफलता को दर्शाता है, जिसमें 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया था। इसी साल मार्च में बीजापुर में जब 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था तब गृहमंत्री अमित शाह ने उनके फैसले का स्वागत करते हुए सभी का पुनर्वास करके, उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही थी। निस्संदेह, हिडमा का सफाया नक्सलवादी संचालन ढांचे के खात्मे और भारत में उग्रवाद विरोधी तंत्र की एक महत्वपूर्ण जीत का संकेत है। गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 के कमांडर के रूप में हिडमा का उदय- वंचित युवाओं की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षित करने और हथियार बनाने की उग्रवादी क्षमता का प्रतीक रहा है। उसकी गिनती सबसे खूंखार नक्सलवादी कमांडर के रूप में होती रही है। अब वर्ष 2010 का दंतेवाड़ा हमला हो या 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले बीस वर्षों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा की रणनीति बतायी जाती है। वहीं दूसरी ओर इन हमलों ने भारत की सुरक्षा रणनीति को नया रूप दिया। इससे पहले इसी साल मई में सुरक्षाबलों ने माओवादी संगठन के जनरल सक्रेटरी बसवराजू को भी मार गिराया था। वहीं इस साल विभिन्न मुठभेड़ों में तीन सौ से अधिक नक्सली मारे जाने से नक्सलवाद छोटे इलाके में सिमटा है। निस्संदेह, सुरक्षा बलों की तत्परता और सुनियोजित अभियानों से नक्सलवाद कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन जरूरत उन परिस्थितियों को दूर करने की है, जिन्होंने नक्सलवाद को जन्म दिया। आवश्यकता उन मुद्दों के समाधान की है, जिसके चलते माओवाद को जड़ें जमाने का मौका मिला। बस्तर का अधिकांश क्षेत्र लगातार विकास की विसंगतियों, खनन से संसाधनों के मनमाने दोहन, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण विस्थापन व जनजातीय समुदायों और राज्य के बीच विश्वास की कमी से जूझता रहा है। अभी भी आदिवासियों की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, गुणवत्तापूर्ण स्कूलों, भूमि अभिलेखों और कल्याणकारी योजनाओं तक पूरी तरह पहुंच नहीं बन पायी है। दूर-दराज के कई गांवों में ग्रामीणों को प्रशासन का अनुभव नागरिक संस्थानों के बजाय सुरक्षा बलों की मौजूदगी से ही होता है। दरअसल, विकास की नीतियों से जुड़े वायदों और हकीकत का अंतर ही आदिवासियों में असंतोष को बढ़ाता है। भले ही माओवाद का प्रभाव कम हो जाए। वास्तव में जब तक शासन जिम्मेदार, जवाबदेह और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील नहीं बन पाता, तब तक माओवादी संस्कृति के पनपने की आशंकाएं बनी रहेंगी। दरअसल, क्षेत्र में तंत्र की अनुपस्थिति ने ही चरमपंथियों को आदिवासियों के रक्षक के रूप में पेश करने का मौका दिया। निस्संदेह, सुरक्षा बलों ने माओवाद के खात्मे की दिशा में बड़ा काम कर दिया है, अब राज्यों के पास इस रणनीतिक जीत को स्थायी शांति में बदलने का अच्छा अवसर है। इसकी प्राप्ति के लिये यह सुनिश्चित करना जरूरी होगा कि सड़कें, स्कूल, नागरिक अधिकार व आजीविका बस्तर के वनाच्छादित इलाकों तक पहुंचे। तभी देश नक्सली हिंसा के दंश से भविष्य में मुक्त रह पाएगा। अभी नक्सवादियों पर जो चौतरफा दबाव बना है और जिस तरह से नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, उसके निहितार्थों को स्थायी बनाने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में जारी सघन अभियान से बच निकलकर नक्सली देश के अन्य राज्यों में नये ठिकाने न तलाश लें। साथ ही समर्पण करने वाले नक्सलियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल करने के संवेदनशील प्रयास भी बेहद जरूरी हैं।

संगठन के शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार से देश नक्सली हिंसा से मुक्ति की राह में कामयाबी की तरफ बढ़ा है। लगभग तीन दशकों तक हिडमा बस्तर में चौंकाने वाली रणनीतियों से बड़े हमलों को अंजाम देता रहा है। बताते हैं कि वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों द्वारा हिडमा व उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों को मार गिराना केंद्र सरकार की उस रणनीति की सफलता को दर्शाता है, जिसमें 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया था। इसी साल मार्च में बीजापुर में जब 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था तब गृहमंत्री अमित शाह ने उनके फैसले का स्वागत करते हुए सभी का पुनर्वास करके, उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही थी। निस्संदेह, हिडमा का सफाया नक्सलवादी संचालन ढांचे के खात्मे और भारत में उग्रवाद विरोधी तंत्र की एक महत्वपूर्ण जीत का संकेत है। गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 के कमांडर के रूप में हिडमा का उदय- वंचित युवाओं की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षित करने और हथियार बनाने की उग्रवादी क्षमता का प्रतीक रहा है। उसकी गिनती सबसे खूंखार नक्सलवादी कमांडर के रूप में होती रही है।

कुछ अलग

कौरव अहंकार की वजह से असफल हुए

महाभारत में कौरवों और पांडवों के बीच द्युत क्रीड़ा यानी जुआं खेला गया था, जिसमें पांडव हार गए, उन्हें 12 वर्ष के वनवास और 1 वर्ष के अज्ञातवास का दंड मिला। इन 13 वर्षों को पांडवों ने धैर्य, संयम और एकता के साथ पूरा किया। समय पूरा होने के बाद वे अपना राज्य वापस लेने के लिए कौरवों के पास पहुंचे, क्योंकि जुए के समय यही शर्त रखी गई थी कि 13 वर्ष के बाद इन्हें इनका राज्य लौटा दिया जाएगा। दुर्योधन ने अहंकार और कुटिलता के कारण पांडवों को राज्य लौटाने से मना कर दिया। अब पांडवों के पास एक ही मार्ग था युद्ध का। पांडवों ने युद्ध की संभावना पर विचार किया। कौरवों की सेना विशाल थी, भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण, अश्वथामा जैसे महान योद्धा उनके साथ थे। पांडव संख्या में सिर्फ पांच थे और सेना भी नहीं थी। अर्जुन ने कहा कि कौरवों से युद्ध असंभव लग रहा है। ऐसे समय में वहां श्रीकृष्ण पहुंचे। उन्होंने कहा कि सही बात के लिए संघर्ष करना कमजोरी नहीं, जिम्मेदारी है। ये युद्ध हिंसा नहीं, बल्कि सत्य, धर्म और न्याय की रक्षा के लिए आवश्यक है। कौरवों की संख्या भले अधिक हो, लेकिन उनके बीच मतभेद हैं। कर्ण भीष्म को पसंद नहीं करता, द्रोण दुर्योधन को पसंद नहीं करते और दुर्योधन अपने ही गुरुओं का अपमान करता रहता है। तुम पांच हो, लेकिन तुम पांचों एकजुट हो। जिस पक्ष में एकता है, जीत उसी की होती है। श्रीकृष्ण के इन शब्दों ने पांडवों के सामने दिशा स्पष्ट कर दी। पांडवों ने एकता, संयम और रणनीति से युद्ध की तैयारी की और अंततः वही हुआ, कम संख्या में होने के बाद भी पांडवों ने कौरवों की विशाल सेना को पराजित किया।

दृष्टि कोण

सर क्रीक मामले को नये सिरे से सुलझाने की जरूरत

कच्छ के रण स्थित सर क्रीक भूभाग को लेकर भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद कुछ दिनों पहले पुनः भड़कता नजर आया। पाकिस्तान अपनी तरफ, पश्चिमी तट पर किलेबंदी कर रहा था, जो उसके अधिक आक्रामक रुख का संकेत कहा जाएगा। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बीते दिनों एक चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान का कोई भी दुस्साहस भारत की कड़ी प्रतिक्रिया को न्योता देगा, जो 'इतिहास और भूगोल दोनों बदल सकता है'। यह बात बेशक धमकी भरी लगे, लेकिन यह दोनों पक्षों की ओर से तनाव बढ़ाने वाले निरंतर कथनों के अनुरूप थी। यह विवाद 2005-07 के दौरान भारत-पाकिस्तान समग्र वार्ता में समाधान के बहुत करीब पहुंच गया था, जब दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध शायद अपने सबसे आशाजनक और रचनात्मक दौर में थे। उस दौर को यह समझाने के लिए याद किया जा सकता है कि जब हमारे ऊपर काले बादल मंडरा रहे हों, तब भी कूटनीति जारी रखना ज़रूरी है। बतौर भारत का विदेश सचिव (2004-06), मेरे कार्यकाल के दौरान, भारत-पाकिस्तान वार्ता दो मुद्दों पर केंद्रित थी, जिन पर दोनों पक्ष सहमत थे कि 'आरंभिक समझौता' संभव है। एक था सियाचिन और दूसरा सर क्रीक विवाद। इनमें सर क्रीक विवाद हल करना अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा था। सर क्रीक (जिसे पहले बतौर 'बाण गंगा' जाना जाता था) को लेकर विवाद मूलतः ब्रिटिश राज के तहत आते कच्छ और सिंध नामक प्रांतों के बीच 1908 में पैदा हुआ। वर्ष 1914 में, बॉम्बे संभाग ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार, जिसके अधिकार क्षेत्र में गुजरात और सिंध भी आते थे, उसने एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें क्रीक की सीमा के संरेखण (रिएलाइनमेंट) के बारे में विरोधाभासी प्रावधान थे। पैराग्राफ 9 में, इसने क्रीक के पूर्वी तट संरेखण सिंध के पक्ष में रखा। अगले ही पैराग्राफ में, इसने क्रीक के मध्य चैनल को इस आधार पर बतौर सीमा स्वीकार कर लिया कि साल के अधिकांश समय क्रीक में नौका परिचालन संभव है। जाहिर है पाकिस्तान पैरा 9 को आधार बनाकर

अपना हक जताता है। जबकि भारत थालवेग सिद्धांत अपनाने पर जोर देता है, जिसमें मध्य धारा को सीमा रेखा की निशानदेही माना गया है। भारत का पक्ष इस तथ्य से और मजबूत होता है कि 1925 में मध्य धारा के बीच निशानदेही खंबे लगाए गए थे, जिनमें से कई आज भी मौजूद हैं। यह संरेखण इतना महत्वपूर्ण क्यों है? सर क्रीक क्षेत्र का अधिकांश भाग लवण-बहुल दलदली भूमि है, जहां आबादी बहुत कम हैं। भू-सीमा निर्धारण इसलिए अहम है ककि सहमति से बने भू-सीमारेखा बिंदु वह आधार रेखा बनाएंगे, जहां से अरब सागर में समुद्री सीमा खींची जाएगी। क्रीक के मुहाने पर केवल कुछ किलोमीटर का परिवर्तन समुद्री सीमा रेखा को भी स्थानांतरित कर देगा, जिससे संभवतः प्रत्येक देश के अधिकार क्षेत्र में पड़ता आर्थिक रूप से बहुत फायदेमंद इलाका (ईईजेड) और महाद्वीपीय शेल्फ की मल्कियत पर असर पड़ेगा। माना जाता है कि ईईजेड में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण तेल एवं गैस भंडार और मछलियों की प्रचुरता वाले इलाके हैं। इस प्रकार, जिस किसी देश को सबसे अधिक समुद्री इलाका मिलेगा, उसका अधिकार संसाधन संपन्न इस अहम इलाके पर बन जाएगा। समग्र वार्ता के 2005-07 चरण के दौरान एक समझौता प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी, जिसमें दोनों देशों के नौसैन्य जलविज्ञानी और सर्वेक्षणकर्ताओं के बीच तकनीकी विचार-विमर्श शामिल था। ये जलविज्ञानी वैज्ञानिक मानचित्रण का उपयोग करके, खाड़ी के मुहाने पर अचिन्हित समुद्री क्षेत्र में विवादित भूभाग की निशानदेही सीमित करते-करते अंत में इसे एक त्रिकोणीय क्षेत्र तक ले आए।

रूस-यूक्रेन जंग पर ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर ही शुरू हुआ घमासान, बताया जा रहा बेतुका

कीव, 21 नवंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन की जंग को सुलझाने की बजाय, इस प्रस्ताव पर ही घमासान शुरू हो गया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने गुरुवार को नए शांति प्रस्ताव को बेतुका बताकर सिरे से खारिज कर दिया। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भले ही इसका भरोसा दिया है कि वे आने वाले दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा कर सकते हैं, यूक्रेन का इस समझौते की शर्तों पर मंजूरी देना लगभग नामुमकिन है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 28-पॉइंट वाले इस प्रपोजल के मुताबिक यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। इसके साथ ही पश्चिमी देशों से मिलने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें बंद हो जाएंगे। योजना में यह भी कहा गया है कि यूक्रेन की जमीन पर किसी भी विदेशी सैनिक की मौजूदगी नहीं होनी चाहिए।

इसके अलावा इसके तहत अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को कानूनी तौर पर रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं, हालांकि यूक्रेन पर ऐसा करने का दबाव नहीं होगा।जानकारी के मुताबिक इस पीस प्लैन को प्लान को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी किरिल दिमित्रीव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मिलकर तैयार किया है, और चर्चा में यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया था रिपोर्ट के मुताबिक कीव ने इसे यूक्रेन के पार्टनर्स के बीच फूट डालने और उसके अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों को भ्रमित करने के इरादे से उकसावे के तौर पर खारिज कर दिया।

रिपोर्ट में यूक्रेन की फॉरेन पॉलिसी पार्लियामेंट्री कमिटी के चेयरमैन ओलेक्सांद्र मेरेज्को के हवाले से बताया गया, अभी इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि रूस सीरियस बातचीत के लिए तैयार है। पुतिन समय बचाने और अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं यूक्रेन के डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर सर्गेई किस्लित्स्या ने भी इस प्रस्ताव को को पूरी तरह अयोग्य बताया। उन्होंने कहा कि भ्रम फैलाने के मकसद से मकसद से तैयार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में डेंगू की बीमारी गंभीर स्वास्थ्य समस्या, चार और की मौत, इस साल अब तक 353 की जान गई

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू की बीमारी गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रही है। देश की घनी आबादी और मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल जलवायु के कारण स्थिति बेहद चिंताजनक है। गुरुवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में डेंगू के कम से कम चार मरीजों की मौत हो गई। इस अवधि में 745 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशालय ने की मृतकों में ढाका साउथ सिटी कॉर्पोरेशन इलाकों के दो, चटगांव का एक और मैमनसिंह डिवीजन का एक मरीज शामिल है। इसी के साथ इस साल डेंगू की बीमारी से मरने वालों की संख्या 353 हो गई। इस दौरान कुल 88,457 लोग डेंगू का इलाज कराने अस्पतालों में पहुंचे। देश विभिन्न अस्पतालों में 2,838 डेंगू के मरीजों का इलाज चल रहा है। शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के एसोसिएट प्रोफेसर, एचएम नजमुल अहसान ने बताया कि अनेक मरीज बहुत गंभीर हालत में हॉस्पिटल पहुंचते हैं। तब इतनी देर हो जाती है कि उन्हें बचाया नहीं जा सकता।विशेषज्ञ मुश्तुक हुसैन ने भी इस बात पर जोर दिया कि डेंगू से होने वाली मौतों को कम करने के लिए डीसेंट्रलाइज्ड हेल्थकेयर जरूरी हैं।

आयरन की कमी से अंगों तक पर्याप्त नहीं पहुंच पाती है ऑक्सीजनः विशेषज्ञ

लंदन। शरीर के लिए आयरन एक बेहद जरूरी मिनरल है, जो हीमोग्लोबिन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हैल्थ एक्सपटर्स के अनुसार, हीमोग्लोबिन खून के माध्यम से पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है। जब शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, तो अंगों और मांसपेशियों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसका असर सीधे ऊर्जा स्तर पर पड़ता है। परिणामस्वरूप शरीर सुस्त, कमजोर और थका हुआ महसूस होता है। आयरन की कमी के लक्षण धीरे-धीरे उभरते हैं, इसलिए कई लोग इन्हें सामान्य थकान मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। सबसे ज्यादा दिखने वाला लक्षण है पूरे दिन कमजोरी और थकावट का बने रहना। इसके अलावा चेहरा, होंठ और पलकें पीली पड़ने लगती हैं, जो एनीमिया का संकेत हो सकता है। बालों का झड़ना, नाखूनों का जल्दी टूटना या उन पर सफेद धब्बे दिखना भी आयरन की कमी की ओर इशारा करते हैं। कई लोगों को हल्की फिजिकल एक्टिविटी पर भी सांस फूलने लगती है और दिल की धड़कन तेज हो जाती है। कुछ मामलों में चक्कर आना, सिरदर्द, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और ठंड ज्यादा लगना भी आम लक्षण हैं। इम्युनिटी कमजोर होने पर संक्रमण जल्दी होता है और शरीर जल्दी थक जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते सही आहार अपनाकर आयरन की कमी को आसानी से रोका जा सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों, चौलाई, साथ ही मसूर, चना, राजमा और बाजरा आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं। खजूर, किशमिश, अंजीर, ज्वार और ओट्स का सेवन भी फायदेमंद माना जाता है।

भारत के लिए संकट खड़ा कर रहा 'साइलेंट किलर' सीकेडी, 13.8 करोड़ लोग प्रभावित

वाशिंगटन। भारत के लोगों की किडनी धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है और अपना कार्य सामान्य रूप

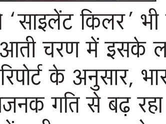

से नहीं कर पाती, तो शरीर में हानिकारक पदार्थ जमा होने लगते हैं। इस स्थिति को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) कहा जाता है, जिसे 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है क्योंकि शुरुआती चरण में इसके लक्षण अक्सर दिखाई नहीं देते।रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सीकेडी का खतरा चिंताजनक गति से बढ़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक देश में करीब 13.8 करोड़ लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं, जिसके चलते भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। चीन पहले स्थान पर है, जहां 15.2 करोड़ लोग सीकेडी से जूझ रहे हैं। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के आईएचएमई की 1990 से 2023 के बीच 204 देशों की विस्तृत स्टडी में सामने आया है कि सीकेडी अब वैश्विक स्तर पर मौत का 9वां सबसे बड़ा कारण बन चुका है। वर्ष 2023 में इस बीमारी से 15 लाख मौतें हुईं, जिनमें से 1.2 लाख भारत में दर्ज की गईं। सीकेडी में किडनी की कार्यक्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और खून पहले की तरह साफ नहीं हो पाता। शुरुआती चरण में इसका पता लगाना मुश्किल होता है, लेकिन जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, शरीर कई संकेत देने लगता है।

अमेरिका ने भारत की दो कंपनियों समेत 17 संस्थाओं पर लगाए नए प्रतिबंध

वाशिंगटन, 21 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को ईरान के गुप्त तेल व्यापार नेटवर्क को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की।इस बार प्रतिबंधों की सूची में भारत की दो कंपनियाँ भी शामिल हैं, लेकिन वजह रूस नहीं, बल्कि ईरानी तेल और बिटुमेन का कथित व्यापार है। अमेरिकी विदेश विभाग और वित्त विभाग (ओएफएसी) ने कुल 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों को ब्लैकलिस्ट किया है। इनमें भारत स्थित टीआर-6 पेट्रो और आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रमुख हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, ईरान की तेल आय को रोकना क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इन सभी प्रतिबंधित संस्थाओं और व्यक्तियों की अमेरिका में मौजूद संपत्ति फ्रीज कर दी गई है और अमेरिकी नागरिकों-कंपनियों को इनसे किसी भी तरह का लेन-देन करने पर रोक लगा दी गई है। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि ये प्रतिबंध ईरान के व्यवहार में बदलाव लाने के लिए हैं, हालाँकि उल्लंघन करने वालों पर भारी सिविल और आपराधिक दंड का प्रावधान भी रखा गया है।अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, ये संस्थाएँ ईरान के 'शैडो ऑयल नेटवर्क' का हिस्सा हैं, जो फर्जी दस्तावेज़, जहाजों की ट्रैकिंग प्रणाली बंद करना और झूठी पहचान के ज़रिए ईरानी तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाती हैं। इस नेटवर्क से ईरान को अरबों डॉलर की अवैध आय होती है, जिसका इस्तेमाल वह अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों को फंड करने में करता है।

भारत की टीआर-6 पेट्रो पर आरोप है कि उसने अक्टूबर 2024 से जून 2025 के बीच ईरानी मूल के लगभग 80 लाख डॉलर का बिटुमेन (सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाला पेट्रोलियम उत्पाद) खरीदा। दूसरी कंपनी आरएन शिप मैनेजमेंट पर इल्ज़ाम है कि उसने ईरान की आईआरजीसी से जुड़ी सेपहर एनर्जी जहां कंपनी के लिए कच्चे तेल के परिवहन के जहाज़ चलाए। कंपनी के दो भारतीय निदेशक जैर हुसैन इकबाल हुसैन सईद और जुल्फिकार हुसैन रिजवी सईद को भी व्यक्तिगत रूप से प्रतिबंधित किया गया है। अमेरिका का दावा है कि आरएन शिप मैनेजमेंट यूएई, पनामा, जर्मनी, ग्रीस और गाम्बिया की कंपनियों के उस समूह का हिस्सा है जो ईरानी तेल को छिपाकर बेचता है। इनके अलावा ईरान की निजी एयरलाइन महान एयर और उसकी सहायक यज्द इंटरनेशनल एयरवेज पर भी व्यापक प्रतिबंध लगे हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये एयरलाइंस आईआरजीसी-कुद्स फोर्स के लिए सीरिया और लेबनान में हथियार, सैनिक और सैन्य सामग्री पहुँचाती रही हैं। एयरलाइंस के कई वरिष्ठ अधिकारियों और सात पश्चिमी देशों में निर्मित विमानों को भी ब्लॉक कर दिया गया है।

अपनी ही बातों से अमेरिकी प्रेसिडेंट ने लिया यूटर्न, खुद की जिद से फंसे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी ही नीतियों और आदेशों के चलते कई बार फंस जाते हैं। अमेरिका में आयोजित यूएस-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एच-1बी वीजा का खुलकर बचाव किया। इस मुद्दे पर उनकी ही पार्टी के कई लोग नाराज हैं। इस बीच ट्रंप ने साफ कहा कि हाई-स्किल्ड विदेशी कामगार अमेरिका की टेक इंडस्ट्री के लिए जरूरी हैं। ट्रंप ने अपने संबोधन की शुरुआत इस सफाई से की कि वे कंजर्वेटिव दोस्तों और मेगा को प्यार करते हैं', लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि टेक्नोलॉजी और चिप मैन्युफैक्चरिंग जैसी इंडस्ट्रीज बिना विदेशी विशेषज्ञता के आगे नहीं बढ़ सकतीं। ट्रंप का यह बयान भारत के लिए बेहद अच्छा माना जा रहा है, क्योंकि भारतीय ही इस वीजा के सबसे ज्यादा धारक हैं। उन्होंने अपने उन समर्थकों पर भी टिप्पणी की जो एच-1बी का विरोध करता है। ट्रंप ने कहा कि कुछ लोग स्थिति को ठीक से नहीं समझते। उनके मुताबिक टेक सेक्टर के कई काम इतने तकनीकी हैं कि उन्हें चलाने के लिए पहले लोगों को प्रशिक्षित करना पड़ता है, और यह प्रशिक्षण वही विशेषज्ञ दे सकते हैं जो इन प्लांट्स को बनाने वाली कंपनियों से आते हैं।ट्रंप ने कहा कि अरबों डॉलर के चिप प्लांट खोलने वाली कंपनियां केवल बेरोजगार लाइन से लोगों को उठा कर इन फैक्ट्रियों को नहीं चला सकतीं।

ट्रंप ने ब्राजील के एयरक्राफ्ट पार्ट्स के इम्पोर्ट पर लगा 40 प्रतिशत टैक्स हटाया

वाशिंगटन, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैक्स के मामले में ब्राजील को बड़ी राहत दी है। ब्राजील के एयरक्राफ्ट पार्ट्स के इम्पोर्ट पर लगा 40 प्रतिशत टैक्स भी हटा दिया है। इससे पहले गुरुवार को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर साइन करके राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्राजील की कॉफी, फल और बीफ समेत अन्य वस्तुओं पर लगे टैरिफ में ढील दी थी।

बता दें कि व्हाइट हाउस की ओर से अप्रैल 2025 में ब्राजील पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। जुलाई 2025 में ब्राजील पर 40 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया गया। ब्राजील के बीफ (गोमांस), कॉफी, कोको, सीजनल फ्रूट्स और एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स पर यह टैक्स लगाया गया था, वहीं अतिरिक्त कर लगाने का मकसद ब्राजील पर आर्थिक दबाव डालना था। इससे अमेरिका में ब्राजील से आने वाली कॉफी और बीफ के दाम बढ़ गए हैं, जिससे लोगों को महंगाई का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्राजील पर लगे टैरिफ को 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया, जिससे ब्राजील पर कुल 76 प्रतिशत टैरिफ लग गया।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के बीच व्यापार वार्ता चल रही है, जिसके फाइनल होते ही ब्राजील पर लगे टैरिफ का भविष्य भी तय हो जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका में बढ़ती महंगाई को कम करने के लिए ब्राजील के बीफ पर लगा 40 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। कॉफी पर 50 प्रतिशत और सीजनल फ्रूट्स पर लगा 40 प्रतिशत टैरिफ हटा दिया। अब एयरक्राफ्ट पार्ट्स पर लगा 40 प्रतिशत टैरिफ भी हटा दिया है, लेकिन स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा रहेगा, लेकिन हटाए गए टैरिफ से अमेरिका में चीजें सस्ती हो सकती हैं। ट्रंप टैरिफ के जवाब में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन अब वे व्यापार वार्ता करके समस्या का समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस वैन पर बम से हमला, दो की मौत, चार घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में गुरुवार को एक पुलिस वैन पर बम से हमला किया गया। इस हमले में दो पुलिसवाले मारे गए और चार घायल हो गए। जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने घटना की पुष्टि की। रिपोर्ट के अनुसार, जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने कहा कि यह पुलिस वैन तकवारा चेक पोस्ट की है। इस वैन पर सवार पुलिस वाले हथला-गिलोटी रोड पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी अचानक उसमें बम फट गया। इस हमले में ड्राइवर रमजान और कांस्टेबल सैफुर रहमान की जान चली गई। हवलदार शाहिद, कांस्टेबल महबूब आलम, आसिफ और किफायत घायल हो गए। ' यह घटना डेरा इस्माइल खान की दरबान तहसील में हुए बम हमले के ठीक एक हफ्ते बाद हुई है। दरबान तहसील में सुरक्षा बलों की गाड़ी पर किए गए बम विस्फोट से कम से कम 14 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। डेरा इस्माइल खान में इस हफ्ते एक आतंकी मारा गया। सप्ताहांत में जिले के कुलाची इलाके में 10 लड़ाके मारे गए। 15 नवंबर से 19 नवंबर तक चले आतंक विरोध अभियान में प्रांत में 45 लड़ाकों की जान चली गई।

जनकपुरधाम में नगर परिक्रमा के साथ सात दिन चलने वाला विवाह पंचमी महोत्सव शुरू

काठमांडू, 21 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल के जनकपुरधाम में प्रत्येक वर्ष धूमधाम से मनाया जाने वाला विवाह पंचमी महोत्सव गुरुवार को नगर परिक्रमा के साथ शुरू हो गया। सात दिन चलने वाले इस आयोजन का समापन 26 नवंबर को रामकलेवा के साथ होगा। महोत्सव के प्रथम दिन राम और लक्ष्मण को जानकी मंदिर परिसर में नगर-दर्शन कराया गया। हजारों श्रद्धालुओं की इस परिक्रमा में सहभागिता रही। जानकी मंदिर के महंत राम रोशन दास ने नगर परिक्रमा समारोह की अगुवाई की। सीता-राम विवाह पंचमी महोत्सव के दूसरे दिन फुलवारी लीला मनाई जा रही है। इस दौरान भगवान राम और लक्ष्मण के स्वरूप में सजे व्यक्तियों को पुष्प उद्यान में घुमाने की परंपरा है। जहां राम-जानकी की पहली भेंट होने की किंवदंती प्रचलित है। जानकी मंदिर परिसर स्थित विवाह मंडप के समीप स्थित फुलवारी में भगवान राम और लक्ष्मण के दर्शन होंगे। मान्यता है कि त्रेता युग में गुरु विश्वामित्र के साथ धनुष यज्ञ में भाग लेने अयोध्या से जनकपुर पहुंचे राम और लक्ष्मण जब पुष्प उद्यान भ्रमण के लिए आए थे, तभी भगवान राम और माता सीता का पहली बार सामना हुआ। उसी क्षण से एक-दूसरे के प्रति आकर्षण प्रारंभ हुआ और जानकी ने राम जैसा वर पाने की मनोकामना की थी।

त्रेता युग में सम्पन्न मर्यादा पुरुषोत्तम राम और आदर्श नारी सीता के दिव्य विवाह की स्मृति में जनकपुर में प्रत्येक वर्ष भव्य रूप से विवाह पंचमी पर्व मनाया जाता है। शनिवार को धनुष यज्ञ, 23 नवंबर को तिलकोत्सव, 24 नवंबर को राम-जानकी मटकोर और 25 नवंबर को मुख्य विवाह पंचमी का आयोजन किया जाएगा।

भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में लगे भूकंप के झटके, दहशत में सहमे लोग

इस्लामाबाद, 21 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान दुनिया की सबसे ज्यादा ऐक्टिव भूकंपीय पट्टी पर स्थित है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टॉनिक प्लेटें टकराती हैं। ऐसे में खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बालिट्स्तान और अन्य इलाकों में भूकंप का खतरा बना ही रहता है। अकसर हिंदुकुश में भूकंप का केंद्र पाया जाता है।बलूचिस्तान में अरेबियन और यूरेशियन प्लेटों के टकराने की वजह से तेज भूकंप के झटके आते रहते हैं। पाकिस्तान में सुबह-सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.2 थी। वही भूकंप के केंद्र 135 किलोमीटर गहराई में था। भूकंप के झटके अफगानिस्तान तक महसूस किए गए। हालांकि किसी भी प्रकार की जान-माल को नुकसान की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक रात में ही दो बजे के आसपास पहली बार झटके

महसूस किए गए। इससे लोग दहशत में आ गए और अपने-अपने घरों से निकल पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर था। वहीं दूसरा झटका सुबह के 3 बजे आया जिसकी तीव्रता 5.2 थी। भूकंप का केंद्र जितनी गहराई में होता है उसका असर भी उतना ही कम हो जाता है। वहीं कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा खतरनाक होते हैं।पाकिस्तान में कई बार विनाशकारी भूकंप आ चुके हैं। इस साल 29 जून को भी मध्य पाकिस्तान में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था। वहीं 12 अप्रैल को 5.0 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। दरअसल पृथ्वी की बाहरी परत कई प्लेटों में बंटी हुई है। ये प्लेटें बहुत ही धीमी गति से हिलती हैं। जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं तो भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। बंगाल में जोरदार भूकंप के झटके सहमे लोग भारत में सुबह-सुबह कांपी धरती, पश्चिम बंगाल में जोरदार भूकंप से सहमे लोग, जानिए तीव्रता

कोलकाताः भारत, पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में धरती डोली है।पश्चिम बंगाल में जोरदार भूकंप से धरती कांप उठी। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस हुए। भारत में आए इस भूकंप का केंद्र बांग्लादेश था। जी हां, बांग्लादेश के धोराशाल में यह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गई। फिलहाल, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं। दरअसल, बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास धोराशाल में आए इस भूकंप का असर पश्चिम बंगाल समेत पूरे नॉर्थ ईस्ट में दिखा। पूरे नॉर्थ ईस्ट और कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल के कई जिलों में झटके महसूस किए गए। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 10:08 बजे आया. कुछ लोगों ने भूकंप के असर से हिलते हुए पंखे और झूमर के वीडियो भी शेयर किए। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों-दफ्तरों से बाहर की ओर भागे।

रूस-यूक्रेन जंग पर ट्रंप के शांति प्रस्ताव पर ही शुरू हुआ घमासान, बताया जा रहा बेतुका

कीव, 21 नवंबर (एजेंसियां) ।

रूस और यूक्रेन की जंग को सुलझाने की बजाय, इस प्रस्ताव पर ही घमासान शुरू हो गया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने गुरुवार को नए शांति प्रस्ताव को बेतुका बताकर सिरे से खारिज कर दिया। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भले ही इसका भरोसा दिया है कि वे आने वाले दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा कर सकते हैं, यूक्रेन का इस समझौते की शर्तों पर मंजूरी देना लगभग नामुमकिन है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 28-पॉइंट वाले इस प्रपोजल के मुताबिक यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। इसके साथ ही पश्चिमी देशों से मिलने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें बंद हो जाएंगे। योजना में यह भी कहा गया है कि यूक्रेन की जमीन पर किसी भी विदेशी सैनिक की मौजूदगी नहीं होनी चाहिए।

इसके अलावा इसके तहत अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को कानूनी तौर पर रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं, हालांकि यूक्रेन पर ऐसा करने का दबाव नहीं होगा।जानकारी के मुताबिक इस पीस प्लैन को प्लान को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी किरिल दिमित्रीव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मिलकर तैयार किया है, और चर्चा में यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया था रिपोर्ट के मुताबिक कीव ने इसे यूक्रेन के पार्टनर्स के बीच फूट डालने और उसके अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों को भ्रमित करने के इरादे से उकसावे के तौर पर खारिज कर दिया।

रिपोर्ट में यूक्रेन की फॉरेन पॉलिसी पार्लियामेंट्री कमिटी के चेयरमैन ओलेक्सांद्र मेरेज़्को के हवाले से बताया गया, अभी इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि रूस सीरियस बातचीत के लिए तैयार है। पुतिन समय बचाने और अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं यूक्रेन के डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर सर्गेई किस्लित्स्या ने भी इस प्रस्ताव को को पूरी तरह अयोग्य बताया। उन्होंने कहा कि भ्रम फैलाने के मकसद से मकसद से तैयार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में डेंगू की बीमारी गंभीर स्वास्थ्य समस्या, चार और की मौत, इस साल अब तक 353 की जान गई

ढाका। बांग्लादेश में डेंगू की बीमारी गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रही है। देश की घनी आबादी और मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल जलवायु के कारण स्थिति बेहद चिंताजनक है। गुरुवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में डेंगू के कम से कम चार मरीजों की मौत हो गई। इस अवधि में 745 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशालय ने की मृतकों में ढाका साउथ सिटी कॉर्पोरेशन इलाकों के दो, चटगांव का एक और मैमनसिंह डिवीजन का एक मरीज शामिल है। इसी के साथ इस साल डेंगू की बीमारी से मरने वालों की संख्या 353 हो गई। इस दौरान कुल 88,457 लोग डेंगू का इलाज कराने अस्पतालों में पहुंचे। देश विभिन्न अस्पतालों में 2,838 डेंगू के मरीजों का इलाज चल रहा है। शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के एसोसिएट प्रोफेसर, एचएम नजमुल अहसान ने बताया कि अनेक मरीज बहुत गंभीर हालत में हॉस्पिटल पहुंचते हैं। तब इतनी देर हो जाती है कि उन्हें बचाया नहीं जा सकता।विशेषज्ञ मुश्तुक हुसैन ने भी इस बात पर जोर दिया कि डेंगू से होने वाली मौतों को कम करने के लिए डीसेंट्रलाइज्ड हेल्थकेयर जरूरी हैं।

आयरन की कमी से अंगों तक पर्याप्त नहीं पहुंच पाती है ऑक्सीजन: विशेषज्ञ

लंदन। शरीर के लिए आयरन एक बेहद जरूरी मिनरल है, जो हीमोग्लोबिन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हैल्थ एक्सपटर्स के अनुसार, हीमोग्लोबिन खून के माध्यम से पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है। जब शरीर में आयरन की कमी हो जाती है, तो अंगों और मांसपेशियों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसका असर सीधे ऊर्जा स्तर पर पड़ता है। परिणामस्वरूप शरीर सुस्त, कमजोर और थका हुआ महसूस होता है। आयरन की कमी के लक्षण धीरे-धीरे उभरते हैं, इसलिए कई लोग इन्हें सामान्य थकान मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। सबसे ज्यादा दिखने वाला लक्षण है पूरे दिन कमजोरी और थकावट का बने रहना। इसके अलावा चेहरा, होंठ और पलकें पीली पड़ने लगती हैं, जो एनीमिया का संकेत हो सकता है। बालों का झड़ना, नाखूनों का जल्दी टूटना या उन पर सफेद धब्बे दिखना भी आयरन की कमी की ओर इशारा करते हैं। कई लोगों को हल्की फिजिकल एक्टिविटी पर भी सांस फूलने लगती है और दिल की धड़कन तेज हो जाती है। कुछ मामलों में चक्कर आना, सिरदर्द, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और ठंड ज्यादा लगना भी आम लक्षण हैं। इम्युनिटी कमजोर होने पर संक्रमण जल्दी होता है और शरीर जल्दी थक जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते सही आहार अपनाकर आयरन की कमी को आसानी से रोका जा सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियाँ जैसे पालक, मेथी, सरसों, चौलाई, साथ ही मसूर, चना, राजमा और बाजरा आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं। खजूर, किशमिश, अंजीर, ज्वार और ओट्स का सेवन भी फायदेमंद माना जाता है।

भारत के लिए संकट खड़ा कर रहा 'साइलेंट किलर' सीकेडी, 13.8 करोड़ लोग प्रभावित

वाशिंगटन। भारत के लोगों की किडनी धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है और अपना कार्य सामान्य रूप से नहीं कर पाती, तो शरीर में हानिकारक पदार्थ जमा होने लगते हैं। इस स्थिति को क्रोनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) कहा जाता है, जिसे 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है क्योंकि शुरुआती चरण में इसके लक्षण अक्सर दिखाई नहीं देते।रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सीकेडी का खतरा चिंताजनक गति से बढ़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक देश में करीब 13.8 करोड़ लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं, जिसके चलते भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। चीन पहले स्थान पर है, जहां 15.2 करोड़ लोग सीकेडी से जूझ रहे हैं। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के आईएचएमई की 1990 से 2023 के बीच 204 देशों की विस्तृत स्टडी में सामने आया है कि सीकेडी अब वैश्विक स्तर पर मौत का 9वां सबसे बड़ा कारण बन चुका है। वर्ष 2023 में इस बीमारी से 15 लाख मौतें हुईं, जिनमें से 1.2 लाख भारत में दर्ज की गईं। सीकेडी में किडनी की कार्यक्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और खून पहले की तरह साफ नहीं हो पाता। शुरुआती चरण में इसका पता लगाना मुश्किल होता है, लेकिन जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, शरीर कई संकेत देने लगता है।

अमेरिका ने भारत की दो कंपनियों समेत 17 संस्थाओं पर लगाए नए प्रतिबंध

वाशिंगटन, 21 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को ईरान के गुप्त तेल व्यापार नेटवर्क को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की।इस बार प्रतिबंधों की सूची में भारत की दो कंपनियाँ भी शामिल हैं, लेकिन वजह रूस नहीं, बल्कि ईरानी तेल और बिटुमेन का कथित व्यापार है। अमेरिकी विदेश विभाग और वित्त विभाग (ओएफएसी) ने कुल 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों को ब्लैकलिस्ट किया है। इनमें भारत स्थित टीआर-6 पेट्रो और आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रमुख हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, ईरान की तेल आय को रोकना क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इन सभी प्रतिबंधित संस्थाओं और व्यक्तियों की अमेरिका में मौजूद संपत्ति फ्रीज कर दी गई है और अमेरिकी नागरिकों-कंपनियों को इनसे किसी भी तरह का लेन-देन करने पर रोक लगा दी गई है। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि ये प्रतिबंध ईरान के व्यवहार में बदलाव लाने के लिए हैं, हालाँकि उल्लंघन करने वालों पर भारी सिविल और आपराधिक दंड का प्रावधान भी रखा गया है।अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, ये संस्थाएँ ईरान के 'शैडो ऑयल नेटवर्क' का हिस्सा हैं, जो फर्जी दस्तावेज़, जहाजों की ट्रैकिंग प्रणाली बंद करना और झूठी पहचान के ज़रिए ईरानी तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाती हैं। इस नेटवर्क से ईरान को अरबों डॉलर की अवैध आय होती है, जिसका इस्तेमाल वह अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों को फंड करने में करता है।

भारत की टीआर-6 पेट्रो पर आरोप है कि उसने अक्टूबर 2024 से जून 2025 के बीच ईरानी मूल के लगभग 80 लाख डॉलर का बिटुमेन (सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाला पेट्रोलियम उत्पाद) खरीदा। दूसरी कंपनी आरएन शिप मैनेजमेंट पर इल्ज़ाम है कि उसने ईरान की आईआरजीसी से जुड़ी सेपहर एनर्जी जहां कंपनी के लिए कच्चे तेल के परिवहन के जहाज़ चलाए। कंपनी के दो भारतीय निदेशक जैर हुसैन इकबाल हुसैन सईद और जुल्फिकार हुसैन रिजवी सईद को भी व्यक्तिगत रूप से प्रतिबंधित किया गया है। अमेरिका का दावा है कि आरएन शिप मैनेजमेंट यूएई, पनामा, जर्मनी, ग्रीस और गाम्बिया की कंपनियों के उस समूह का हिस्सा है जो ईरानी तेल को छिपाकर बेचता है। इनके अलावा ईरान की निजी एयरलाइन महान एयर और उसकी सहायक यज्द इंटरनेशनल एयरवेज पर भी व्यापक प्रतिबंध लगे हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये एयरलाइंस आईआरजीसी-कुद्स फोर्स के लिए सीरिया और लेबनान में हथियार, सैनिक और सैन्य सामग्री पहुँचाती रही हैं। एयरलाइंस के कई वरिष्ठ अधिकारियों और सात पश्चिमी देशों में निर्मित विमानों को भी ब्लॉक कर दिया गया है।

अपनी ही बातों से अमेरिकी प्रेसिडेंट ने लिया यूटर्न, खुद की जिद से फंसे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी ही नीतियों और आदेशों के चलते कई बार फंस जाते हैं। अमेरिका में आयोजित यूएस-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एच-1बी वीजा का खुलकर बचाव किया। इस मुद्दे पर उनकी ही पार्टी के कई लोग नाराज हैं। इस बीच ट्रंप ने साफ कहा कि हाई-स्किल्ड विदेशी कामगार अमेरिका की टेक इंडस्ट्री के लिए जरूरी हैं। ट्रंप ने अपने संबोधन की शुरुआत इस सफाई से की कि वे कंजर्वेटिव दोस्तों और मेगा को प्यार करते हैं', लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि टेक्नोलॉजी और चिप मैन्युफैक्चरिंग जैसी इंडस्ट्रीज बिना विदेशी विशेषज्ञता के आगे नहीं बढ़ सकतीं। ट्रंप का यह बयान भारत के लिए बेहद अच्छा माना जा रहा है, क्योंकि भारतीय ही इस वीजा के सबसे ज्यादा धारक हैं। उन्होंने अपने उन समर्थकों पर भी टिप्पणी की जो एच-1बी का विरोध करता है। ट्रंप ने कहा कि कुछ लोग स्थिति को ठीक से नहीं समझते। उनके मुताबिक टेक सेक्टर के कई काम इतने तकनीकी हैं कि उन्हें चलाने के लिए पहले लोगों को प्रशिक्षित करना पड़ता है, और यह प्रशिक्षण वही विशेषज्ञ दे सकते हैं जो इन प्लांट्स को बनाने वाली कंपनियों से आते हैं।ट्रंप ने कहा कि अरबों डॉलर के चिप प्लांट खोलने वाली कंपनियां केवल बेरोजगार लाइन से लोगों को उठा कर इन फैक्ट्रियों को नहीं चला सकतीं।

ट्रंप ने ब्राजील के एयरक्राफ्ट पार्ट्स के इम्पोर्ट पर लगा 40 प्रतिशत टैक्स हटाया

वाशिंगटन, 21 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैक्स के मामले में ब्राजील को बड़ी राहत दी है। ब्राजील के एयरक्राफ्ट पार्ट्स के इम्पोर्ट पर लगा 40 प्रतिशत टैक्स भी हटा दिया है। इससे पहले गुरुवार को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर साइन करके राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्राजील की कॉफी, फल और बीफ समेत अन्य वस्तुओं पर लगे टैरिफ में ढील दी थी।

बता दें कि व्हाइट हाउस की ओर से अप्रैल 2025 में ब्राजील पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। जुलाई 2025 में ब्राजील पर 40 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया गया। ब्राजील के बीफ (गोमांस), कॉफी, कोको, सीजनल फ्रूट्स और एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स पर यह टैक्स लगाया गया था, वहीं अतिरिक्त कर लगाने का मकसद ब्राजील पर आर्थिक दबाव डालना था। इससे अमेरिका में ब्राजील से आने वाली कॉफी और बीफ के दाम बढ़ गए हैं, जिससे लोगों को महंगाई का सामना करना पड़ा। बावजूद इसके राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्राजील पर लगे टैरिफ को 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया, जिससे ब्राजील पर कुल 76 प्रतिशत टैरिफ लग गया।

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के बीच व्यापार वार्ता चल रही है, जिसके फाइनल होते ही ब्राजील पर लगे टैरिफ का भविष्य भी तय हो जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका में बढ़ती महंगाई को कम करने के लिए ब्राजील के बीफ पर लगा 40 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। कॉफी पर 50 प्रतिशत और सीजनल फ्रूट्स पर लगा 40 प्रतिशत टैरिफ हटा दिया। अब एयरक्राफ्ट पार्ट्स पर लगा 40 प्रतिशत टैरिफ भी हटा दिया है, लेकिन स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा रहेगा, लेकिन हटाए गए टैरिफ से अमेरिका में चीजें सस्ती हो सकती हैं। ट्रंप टैरिफ के जवाब में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन अब वे व्यापार वार्ता करके समस्या का समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस वैन पर बम से हमला, दो की मौत, चार घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में गुरुवार को एक पुलिस वैन पर बम से हमला किया गया। इस हमले में दो पुलिसवाले मारे गए और चार घायल हो गए। जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने घटना की पुष्टि की। रिपोर्ट के अनुसार, जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने कहा कि यह पुलिस वैन तकवारा चेक पोस्ट की है। इस वैन पर सवार पुलिस वाले हथला-गिलोटी रोड पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी अचानक उसमें बम फट गया। इस हमले में ड्राइवर रमजान और कांस्टेबल सैफुर रहमान की जान चली गई। हवलदार शाहिद, कांस्टेबल महबूब आलम, आसिफ और किफायत घायल हो गए। ' यह घटना डेरा इस्माइल खान की दरबान तहसील में हुए बम हमले के ठीक एक हफ्ते बाद हुई है। दरबान तहसील में सुरक्षा बलों की गाड़ी पर किए गए बम विस्फोट से कम से कम 14 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। डेरा इस्माइल खान में इस हफ्ते एक आतंकी मारा गया। सप्ताहांत में जिले के कुलाची इलाके में 10 लड़ाके मारे गए। 15 नवंबर से 19 नवंबर तक चले आतंक विरोध अभियान में प्रांत में 45 लड़ाकों की जान चली गई।

जनकपुरधाम में नगर परिक्रमा के साथ सात दिन चलने वाला विवाह पंचमी महोत्सव शुरू

काठमांडू, 21 नवंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल के जनकपुरधाम में प्रत्येक वर्ष धूमधाम से मनाया जाने वाला विवाह पंचमी महोत्सव गुरुवार को नगर परिक्रमा के साथ शुरू हो गया। सात दिन चलने वाले इस आयोजन का समापन 26 नवंबर को रामकलेवा के साथ होगा। महोत्सव के प्रथम दिन राम और लक्ष्मण को जानकी मंदिर परिसर में नगर-दर्शन कराया गया। हजारों श्रद्धालुओं की इस परिक्रमा में सहभागिता रही। जानकी मंदिर के महंत राम रोशन दास ने नगर परिक्रमा समारोह की अगुवाई की। सीता-राम विवाह पंचमी महोत्सव के दूसरे दिन फुलवारी लीला मनाई जा रही है। इस दौरान भगवान राम और लक्ष्मण के स्वरूप में सजे व्यक्तियों को पुष्प उद्यान में घुमाने की परंपरा है। जहां राम-जानकी की पहली भेंट होने की किंवदंती प्रचलित है। जानकी मंदिर परिसर स्थित विवाह मंडप के समीप स्थित फुलवारी में भगवान राम और लक्ष्मण के दर्शन होंगे। मान्यता है कि त्रेता युग में गुरु विश्वामित्र के साथ धनुष यज्ञ में भाग लेने अयोध्या से जनकपुर पहुंचे राम और लक्ष्मण जब पुष्प उद्यान भ्रमण के लिए आए थे, तभी भगवान राम और माता सीता का पहली बार सामना हुआ। उसी क्षण से एक-दूसरे के प्रति आकर्षण प्रारंभ हुआ और जानकी ने राम जैसा वर पाने की मनोकामना की थी।

त्रेता युग में सम्पन्न मर्यादा पुरुषोत्तम राम और आदर्श नारी सीता के दिव्य विवाह की स्मृति में जनकपुर में प्रत्येक वर्ष भव्य रूप से विवाह पंचमी पर्व मनाया जाता है। शनिवार को धनुष यज्ञ, 23 नवंबर को तिलकोत्सव, 24 नवंबर को राम-जानकी मटकोर और 25 नवंबर को मुख्य विवाह पंचमी का आयोजन किया जाएगा।

भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में लगे भूकंप के झटके, दहशत में सहमे लोग

इस्लामाबाद, 21 नवंबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान दुनिया की सबसे ज्यादा ऐक्टिव भूकंपीय पट्टी पर स्थित है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टॉनिक प्लेटें टकराती हैं। ऐसे में खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बालिट्स्तान और अन्य इलाकों में भूकंप का खतरा बना ही रहता है। अकसर हिंदुकुश में भूकंप का केंद्र पाया जाता है।बलूचिस्तान में अरेबियन और यूरेशियन प्लेटों के टकराने की वजह से तेज भूकंप के झटके आते रहते हैं। पाकिस्तान में सुबह-सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.2 थी। वही भूकंप के केंद्र 135 किलोमीटर गहराई में था। भूकंप के झटके अफगानिस्तान तक महसूस किए गए। हालांकि किसी भी प्रकार की जान-माल को नुकसान की खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक रात में ही दो बजे के आसपास पहली बार झटके

महसूस किए गए। इससे लोग दहशत में आ गए और अपने-अपने घरों से निकल पड़े। रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर था। वहीं दूसरा झटका सुबह के 3 बजे आया जिसकी तीव्रता 5.2 थी। भूकंप का केंद्र जितनी गहराई में होता है उसका असर भी उतना ही कम हो जाता है। वहीं कम गहराई वाले भूकंप ज्यादा खतरनाक होते हैं।पाकिस्तान में कई बार विनाशकारी भूकंप आ चुके हैं। इस साल 29 जून को भी मध्य पाकिस्तान में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था। वहीं 12 अप्रैल को 5.0 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। दरअसल पृथ्वी की बाहरी परत कई प्लेटों में बंटी हुई है। ये प्लेटें बहुत ही धीमी गति से हिलती हैं। जब दो प्लेटें आपस में टकराती हैं तो भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। बंगाल में जोरदार भूकंप के झटके सहमे लोग भारत में सुबह-सुबह कांपी धरती, पश्चिम बंगाल में जोरदार भूकंप से सहमे लोग, जानिए तीव्रता

कोलकाता: भारत, पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में धरती डोली है।पश्चिम बंगाल में जोरदार भूकंप से धरती कांप उठी। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस हुए। भारत में आए इस भूकंप का केंद्र बांग्लादेश था। जी हां, बांग्लादेश के धोराशाल में यह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गई। फिलहाल, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं। दरअसल, बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास धोराशाल में आए इस भूकंप का असर पश्चिम बंगाल समेत पूरे नॉर्थ ईस्ट में दिखा। पूरे नॉर्थ ईस्ट और कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल के कई जिलों में झटके महसूस किए गए। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 10:08 बजे आया. कुछ लोगों ने भूकंप के असर से हिलते हुए पंखे और झूमर के वीडियो भी शेयर किए। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों-दफ्तरों से बाहर की ओर भागे।

केंद्र सरकार ने नीरज मित्तल को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव किया नियुक्त

नयी दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों में सचिव स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किए हैं। सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह नीरज मित्तल को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सचिव नियुक्त किया है। मित्तल तमिलनाडु कैडर के 1992 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं, जो वर्तमान में दूरसंचार विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि नीरज मित्तल को पंकज जैन के स्थान पर नियुक्त किया गया है, जिन्हें पहले 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। औषधि विभाग के सचिव अमित अग्रवाल को नीरज मित्तल के स्थान पर दूरसंचार सचिव नियुक्त किया गया है। मंत्रालय के जारी आदेश के अनुसार पर्यटन सचिव वी विद्यावती अब सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में सचिव होंगी। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्रीवत्स कृष्ण नए पर्यटन सचिव होंगे, जो वर्तमान में अपने कैडर राज्य कर्नाटक में कार्यरत हैं। इसके अलावा भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी अग्रवाल के स्थान पर औषधि सचिव होंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव अतीश चंद्रा को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है। वह 28 फरवरी, 2026 को देवेश चतुर्वेदी की सेवानिवृत्ति के बाद कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि और किसान कल्याण विभाग में सचिव का पदभार संभालेंगे। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने वर्तमान में विधि मामलों के विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत अंजू राठी राणा को भारत के 23वें विधि आयोग की सदस्य सचिव के रूप में नियुक्ती को मंजूरी दे दी है। विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग के सचिव राजीव मणि के कार्यकाल को 9 जनवरी, 2026 से 31 जुलाई, 2028 तक बढ़ाने को भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा एसीसी ने मणि को विधि मामलों के विभाग के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने को भी अपनी मंजूरी दे दी है।

न्यूज़ ब्रीफ

वित्त मंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट्स के साथ की बजट पूर्व बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को नई दिल्ली में इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट्स के साथ 11वीं बजट पूर्व बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक केन्द्रीय बजट 2026-27 के सिलसिले में हुई। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विद्युत मंत्रालय, बंदरगाह मंत्रालय, शिपिंग और वाटरवेज, सड़क परिवहन और हाईवे मंत्रालय के सचिव, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए। यह बैठक मंत्रालय के सालाना स्टेकहोल्डर एंगेजमेंट प्रोसेस का हिस्सा है, जिसमें लेबर बॉडीज केंद्रीय बजट से पहले सैलरी, सोशल सिक्योरिटी, रोजगार पैदा करने और वर्कर वेलफेयर पर अपनी चिंताएं बताती हैं। हाल के दिनों में बैंकिंग, हॉस्पिटैलिटी, आईटी और स्टार्टअप्स जैसे दूसरे सेक्टर्स के रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ भी इसी तरह की बजट पूर्व-बजट चर्चाएं हुई हैं।बजट-पूर्व बैठक अनिवार्य रूप से सरकारी वित्त अधिकारियों और वित्त मंत्री द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ अंतिम केंद्रीय बजट तैयार करने और उसे विधानमंडल में प्रस्तुत करने से पहले आयोजित की जाने वाली परामर्श और चर्चा प्रक्रिया है।

50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के असर का आंकलन करने बीओटी की बैठक 25 को

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार नीति के शीर्ष सलाहकार निकाय व्यापार बोर्ड (बीओटी) की 25 नवंबर को बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सरकार निर्यात पर लगाए गए 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के प्रतिकूल असर का आकलन करना चाहती है। व्यापार बोर्ड की बैठक एक साल से ज्यादा के अंतराल पर होगी। बैठक में निर्यात प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों जैसे लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, अनुपालन लागत में कमी, उभरते मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाना, बाजार विविधीकरण और 'निर्यात केंद्र के रूप में जिले को मजबूत' करने और आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने नाम छापने की शर्त पर बताया कि चर्चा में डिजिटल प्रणालियों के जरिए व्यापार सुगमता बढ़ाने, तेज मंजूरी और निर्यात प्रक्रियाओं में ज्यादा पारदर्शिता लाने पर भी चर्चा होगी। बैठक में मिली जानकारी 2030 तक 2 लाख करोड़ डॉलर के वस्तु और सेवा निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के सरकार के व्यापक लक्ष्य में सहायक होगी। इस मामले के जानकार के मुताबिक इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के अलावा देश के प्रमुख औद्योगिक निकाय भी शामिल होंगे और वे बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति बनाएंगे।

सोने और चांदी में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। वायदा कारोबार में भी कमी आई है। दोनों के वायदा भाव नीचे आये। घरेलू बाजार में सोने की वायदा कीमतें 1,22,450 रुपये, जबकि चांदी की 1,52,250 रुपये पर थीं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ कामकाज कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध 354 रुपये नीचे आकर 1,22,373 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,22,727 रुपये था। ये 1,22,447 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,22,251 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,31,699 रुपये के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध 401 रुपये फिसलकर 1,53,750 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,54,151 रुपये था। ये 1,53,750 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,50,848 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंची। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,69,200 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत अच्छी रही।

मध्य प्रदेश में उद्योगों का नया दौर, अब हैदराबाद में सीएम डॉ. मोहन का संवाद

भोपाल, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश में बीते दो वर्षों में उद्योग और निवेश को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने तेजी से कदम बढ़ाए हैं। 2023 के अंत में सरकार बनने के बाद से ही डॉ. यादव ने प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक गंतव्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य सामने रखा। उसके बाद नीतिगत सुधारों, औद्योगिक क्षेत्रों के सुदृढ़ीकरण, निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने और उद्योगपतियों से सीधे संवाद के क्रम में अनेक महत्वपूर्ण प्रयास लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में अब हैदराबाद में 22 नवंबर को इंटरएक्टिव सेशन होने जा रहा है, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं उद्योगपतियों से सीधे संवाद करेंगे।

दो वर्ष का औद्योगिक रोडमैप – उल्लेखनीय है कि सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग विभाग, निवेश प्रोत्साहन बोर्ड और विभिन्न औद्योगिक विकास निगमों को निर्देशित किया कि वे भूमि आवंटन, अनुमतियों, कनेक्टिविटी और प्रोत्साहन नीतियों में ठोस सुधार करें। पिछले दो वर्षों में प्रदेश में औद्योगिक पार्कों को विस्तार देने, नई एमएसएमई नीति लागू करने, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और निवेशक-हितैषी माहौल तैयार करने पर विशेष फोकस रहा है। इस अवधि में पीथमपुर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और सागर के औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आवंटन प्रक्रियाएँ पारदर्शी और सरल बनाई गईं। साथ ही आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स और फार्मा कॉरिडोर के विकास पर गति आई। निवेशकों के लिए 'सिंगल विंडो सिस्टम' को और अधिक प्रभावी किया गया तथा उद्योगों के लिए आवश्यक 40 से अधिक तरह की अनुमतियों को एकीकृत ऑनलाइन प्रक्रिया से जोड़ा गया। मुख्यमंत्री बार-बार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि 'मध्यप्रदेश केवल देश के बीच में स्थित राज्य नहीं है, बल्कि निवेश के लिए सबसे उपयुक्त और सुरक्षित स्थान है। हम विकास-उन्मुख नीतियों और मजबूत अवसंरचना से उद्योगों को हर वह सुविधा दे रहे हैं जो निवेश को गति देती है।

निवेश आकर्षण के लिए सक्रिय पहल – पिछले दो वर्षों में सरकार ने कई राज्यों और देशों में रोड शो और निवेशक मीट आयोजित कीं। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और सूरत जैसे प्रमुख औद्योगिक केन्द्रों में विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमियों से लक्षित संवाद किया गया। आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य प्रसंस्करण और नवीकरणीय ऊर्जा के निवेशों को विशेष प्राथमिकता दी गई। प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन ने भी उद्योग जगत का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। इन प्रस्तावों में से कई परियोजनाएँ जमीन पर उतरने की प्रक्रिया में हैं। सरकार ने उद्योग स्थापित करने की सभी प्रक्रियाओं में समय-सीमा तय की, जिससे निवेशक भरोसे का माहौल और मजबूत हुआ।

अब हैदराबाद में होगा उच्च स्तरीय संवाद – औद्योगिक निवेश को नई दिशा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. यादव 22 नवंबर को हैदराबाद में एक उच्च स्तरीय इंटरएक्टिव सेशन में शामिल होंगे। यह आयोजन मध्य प्रदेश के उभरते औद्योगिक अवसरों को दक्षिण भारत के प्रमुख उद्योगपतियों के सामने रखने का महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है। हैदराबाद आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष एवं रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन जैसे क्षेत्रों का बड़ा केंद्र है। इसी वजह से मध्यप्रदेश सरकार ने इस औद्योगिक शक्ति-केंद्र से संवाद को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना है। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री उद्योग प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश के विकसित औद्योगिक पार्कों, एमएसएमई प्रोत्साहन योजनाओं, कनेक्टिविटी सुधारों और निवेश-प्रक्रिया की सहजता के बारे में विस्तार से अवगत कराएंगे। उद्योगपतियों को प्रदेश में वास्तविक औद्योगिक संभावनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव दिलाने के लिए प्रस्तुतीकरण भी किया जाएगा।

मध्य प्रदेश हर निवेशक के साथ खड़ा है – मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि निवेशकों को भरोसा, सुरक्षा और समय पर सहयोग मिलना चाहिए। वह अपने संवादों में लगातार कहते रहे हैं- 'मध्यप्रदेश में जो भी उद्योग लगाना चाहता है, सरकार उसके साथ हर कदम पर खड़ी है। सुव्यवस्थित प्रक्रियाएँ, पारदर्शिता, उद्योग-अनुकूल नीतियाँ और मजबूत अवसंरचना हमारा सबसे बड़ा निवेश-आकर्षण हैं।' उनका मानना है कि प्रदेश में विकसित औद्योगिक क्षेत्रों, बहुस्तरीय कनेक्टिविटी, पर्याप्त विद्युत आपूर्ति तथा प्रशिक्षित मानव संसाधन उद्योगों की स्थापना के लिए आदर्श वातावरण बनाते हैं।

टीसीएस डेटा सेंटर का कारोबार मजबूत, टीपीजी से जुटाए एक अरब डॉलर

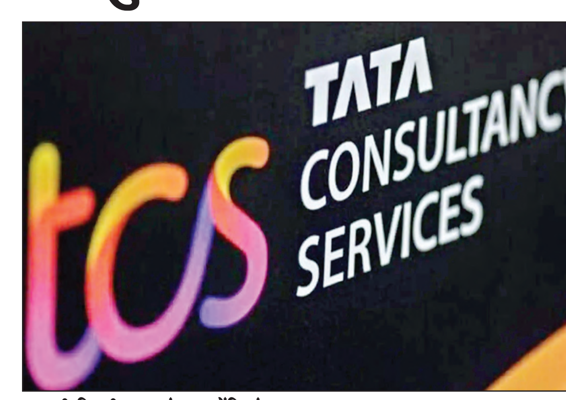

नयी दिल्ली,21 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने डेटा सेंटर कारोबार 'हाइपरवॉल्ट' को रफ्तार देने वैश्विक वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म टीपीजी से एक अरब डॉलर जुटाए हैं, जिससे सबसे बड़ी एआई-रेडी तकनीकी सेवा कंपनी बनने की उसकी आकांक्षा को मजबूती मिली है। टीसीएस और टीपीजी दोनों ने कुछ सालों में 18,000 करोड़ रुपए तक के निवेश का वादा किया है, जिनमें से टीपीजी 8,820 करोड़ निवेश करेगी और हाइपरवॉल्ट में उसकी हिस्सेदारी 27.5 से 49 फीसदी के बीच रह सकती है।

टीसीएस और टीपीजी दोनों ने 18,000 करोड़ तक के निवेश का वादा किया

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस ने बयान में कहा है कि टीपीजी को रणनीतिक निवेश साझेदार के तौर पर लाने से कंपनी को अपने शेयरधारकों को बेहतर रिटर्न दिलाने अपने पूंजीगत खर्च को कम करने और डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के लिए दीर्घावधि मूल्य सृजित करने में मदद मिलेगी। 30 सितंबर, 2025 तक टीसीएस के पास 1.06 लाख करोड़ रुपए की नकदी या समतुल्य राशि थी। कंपनी पर कुल कर्ज 10,932 करोड़ रुपए था।

यह पहला मौका जब टीसीएस ने भारी पूंजीगत खर्च की जरूरत वाले उद्योग पर दांव लगाया है। इससे पहले कंपनी अधिग्रहण के बजाय अपने कारोबार को बढ़ाने को तवज्जो दे रही थी। टीसीएस ने आखिरी बड़ा अधिग्रहण साल 2008 में 51.2 करोड़ डॉलर में सिटीग्रुप ग्लोबल सर्विसेज का किया था। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजों के बाद कंपनी ने डेटा सेंटर सेगमेंट में आने का अपना इरादा बताया था। नतीजे जारी करते समय टीसीएस प्रबंधन ने कहा था कि कंपनी एक गीगावॉट क्षमता बनाना चाहती है जिसके लिए करीब 6.5 अरब से 7 अरब डॉलर निवेश की जरूरत पड़ेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिका ने जिसे...

वहाँ विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न विश्व नेताओं से मुलाकात करूँगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस शिखर सम्मेलन में वसुधैव कुटुम्बकम और मएक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्यफ के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करूँगा। यह शिखर सम्मेलन प्रमुख वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श के लिए एक मंच प्रदान करेगा। दक्षिण अफ्रीका ने नई दिल्ली और रियो डी जेनेरियो में आयोजित पिछले शिखर सम्मेलनों के कार्य को जारी रखा है और इस वर्ष का विषय मएकजुटता, समानता और स्थिरताफ है। मोदी ने कहा कि मैं भागीदार देशों के नेताओं के साथ अपनी बातचीत और शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित होने वाले छठे आईबीएसए शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए उत्सुक हूँ। उन्होंने यह भी कहा, इस यात्रा के दौरान, मैं दक्षिण अफ्रीका में भारतीय प्रवासियों के साथ अपनी बातचीत के लिए भी उत्सुक हूँ, जो भारत के बाहर सबसे बड़े प्रवासी समुदायों में से एक है।

प्रधानमंत्री मोदी जी20 शिखर सम्मेलन के सभी तीन सत्रों को संबोधित करेंगे। पहले सत्र का शीर्षक है समावेशी और सतत आर्थिक विकास, किसी को पीछे न छोड़ना और इसमें अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण, व्यापार, विकास के लिए वित्तपोषण और ऋण भार पर चर्चा होगी। अन्य दो सत्र हैं: एक लचीला विश्व – जी20 का योगदान और सभी के लिए एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य, जिनमें आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा परिवर्तन, खाद्य प्रणालियाँ, महत्वपूर्ण खनिज, सभ्य कार्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

वहीं अमेरिका हर उभरते हुए देश को लूटना चाहता है। लेकिन अगर वह उभरता हुआ देश साथ ही साथ भारत और रूस का दोस्त हो, ब्रिक्स समूह का हिस्सा हो तो अमेरिका और आक्रामक हो जाता है। ऐसी ही आक्रामकता डॉन्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ वाइट हाउस में हुई एक बैठक में दिखाई। डॉनल्ड ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही दिनों बाद पीएम मोदी के दोस्त सिरिल रामाफोसा को वाइट हाउस में मिलने के लिए बुलाया। डॉनल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में सिरिल रामाफोसा के साथ बदतमीज़ी की। रामाफोसा को डराने की कोशिश की। यहां तक कि अपनी ताकत दिखाने के लिए डॉन्ड ट्रंप ने रामाफोसा के सामने व्यंग कसते हुए कहा कि पीएम मोदी मेरे दोस्त हैं। मैंने ही भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई है।

दुबई एयर शो में...

गया है। घटना के संबंध में तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। जैसे ही सत्यापित विवरण उपलब्ध होंगे, उन्हें साझा किया जाएगा। सभी जानकारी केवल सत्यापन के बाद ही जारी की जाएगी। वायुसेना ने बताया कि हादसे में पायलट को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। भारतीय वायुसेना ने कहा है कि वह पायलट की मौत से हुई इस अपूरणीय क्षति पर गहरा दुख प्रकट करती है और इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

भारतीय वायुसेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित करने की घोषणा की है। जांच दल उड़ान के तकनीकी, परिचालन और सुरक्षा से जुड़े हर पहलू का विस्तृत अध्ययन करेगा, ताकि वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके।

वहीं विमान क्रैश होने की घटना के तुरंत बाद एयर शो के आपातकालीन प्रबंधन दल और स्थानीय प्रशासनिक इकाइयों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। प्रारंभिक राहत और सुरक्षा उपायों को तेजी से लागू किया गया। यह भी जानकारी मिली है कि दुर्घटना के बाद उत्पन्न स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एयरस्पेस के एक हिस्से को अस्थायी रूप से बंद किया गया।

गौरतलब है कि तेजस भारत का स्वदेशी रूप से विकसित हल्का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने डिजाइन और निर्मित किया है। दुबई एयर शो-2025 में इसकी उपस्थिति भारत की एयरोस्पेस क्षमताओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही थी। दुर्घटना का विस्तृत कारण तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। विशेषज्ञ दल तकनीकी डाटा का अध्ययन करेंगे।

दुबई एयर शो-25 के आयोजकों ने भी भारतीय पक्ष के साथ समन्वय करते हुए हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच में सहयोग का आश्वासन दिया है। संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित दुबई एयर शो 2025 में भारत ने अपनी उन्नत रक्षा शक्ति, प्रौद्योगिकी और उद्योग क्षमताओं का व्यापक प्रदर्शन किया है।

एयर शो में इंडियन एयरफोर्स की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम व स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस दुबई के आसमान में उड़ान भरने वाली टीमों का हिस्सा थे। यहां लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के साथ-साथ द्विपक्षीय बैठकें एवं उद्योग सहयोग वार्ता भी हुई हैं।

दुबई एयर शो में इंडिया पवेलियन भी स्थापित किया गया था। इस पवेलियन में भारत की प्रमुख रक्षा एवं तकनीकी संस्थाओं की प्रदर्शनी लगी थी।

रक्षा कंपनियों में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, डीआरडीओ, कोरल टेक्नोलॉजी आदि शामिल रहे।

वायुसेना का एलसीए तेजस भारत में ही निर्मित हल्का लड़ाकू विमान है। दुबई एयर शो एक द्विवार्षिक एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी है, जो दुनिया के सबसे बड़े और प्रभावशाली आयोजनों में गिनी जाती है। 2025 के संस्करण में 1,500 से अधिक प्रदर्शक और 150 देशों से 148,000 से अधिक पेशेवर शामिल रहे।

महागठबंधन की...

लखेंद्र कुमार रौशन (बीजेपी) और श्रेयशी सिंह (बीजेपी) भी शामिल हैं। इसके अलावा, प्रमोद कुमार (बीजेपी), एलजेपी (आरवी) के संजय कुमार, एलजेपी (आरवी) के संजय कुमार सिंह और आरएलएम के दीपक प्रकाश ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हुआ, जहां 2005, 2010 और 2015 में उनके शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हो चुके हैं। इसी मैदान पर जयप्रकाश नारायण ने 1974 में अपने भाषण में संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था।

20 साल बाद नीतीश...

हटाकर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सौंप दी है.यह सिर्फ मंत्रालय का बदलाव नहीं यह सत्ता का नया नक्शा तैयार करने वाला फैसला है ।

गृह विभाग बिहार सरकार का सबसे अहम मंत्रालय माना जाता है – कानून-व्यवस्था,पुलिस प्रशासन, खुफिया तंत्र और राज्य की सुरक्षा से जुड़ा हर अहम आदेश। अब तक ये सब फैसले सीधे मुख्यमंत्री निवास से निकलते थे. लेकिन पहली बार यह शक्ति उच् हाउस से निकलकर डिप्टी उच् सम्राट चौधरी के हाथों में पहुंच गई है । यही कारण है कि इसे सिर्फ डिपार्टमेंट शफल नहीं, बल्कि सत्ता संरचना में ऐतिहासिक बदलाव माना जा रहा है ।

गृह विभाग मिलने का मतलब साफ है अब राज्य की सुरक्षा, पुलिस सिस्टम, ट्रांसफर-पोस्टिंग और इन्वेस्टिगेशन जैसे बड़े फैसले उपमुख्यमंत्री के दफ्तर से तय होंगे। राजनीतिक गलियारों में एक बात अब साफ-साफ कही जा रही है सत्ता का नया केंद्र अब सिर्फ मुख्यमंत्री आवास नहीं, बल्कि सम्राट चौधरी का ऑफिस भी होगा.यह फैसला दिखाता है कि बीजेपी सरकार में अपना दबदबा तेज़ी से बढ़ा रही है.सम्राट चौधरी को पार्टी और सत्ता दोनों में टॉप लेवल रोल दिया जा रहा है. आने वाले महीनों में वे बिहार बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा बनकर उभर सकते हैं।

नीतीश कुमार अपने पूरे राजनीतिक जीवन में गृह विभाग शायद ही कभी किसी को देते हैं। ऐसे में यह फैसला कई राजनीतिक संकेत दे रहा है ।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि क्या यह नीतीश की नई रणनीति है या धीरे-धीरे सत्ता हस्तांतरण की शुरुआत? सम्राट चौधरी कद कई गुना बड़ा, पावर का नया चेहरा हो गए हैं। इतना तय है गृह विभाग मिलने के बाद सम्राट चौधरी सिर्फ उपमुख्यमंत्री नहीं रहे, वे अब सरकार का दूसरा सबसे बड़ा पावर सेंटर बन चुके हैं. यह सिर्फ जिम्मेदारी का विस्तार नहीं, यह बिहार की राजनीति में एक नए शक्ति केंद्र के उदय का एलान है ।

साढ़ेसाती और ढैय्या में इन चीजों को खाने से शनि होते हैं खुश, सेहत और धन का मिलता है वरदान

शनि को न्याय और कर्म का देवता माना गया है। मान्यता है कि अगर शनिदेव प्रसन्न हों तो जीवन में सुख-समृद्धि आती है, लेकिन अगर शनि नाराज हो जाएं तो जीवन में परेशानियां बढ़ जाती हैं। ज्योतिष शास्त्र में शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या को बेहद ही महत्वपूर्ण घटना माना जाता है। यह दोनों की स्थितियां व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती हैं। इन दोनों ही अवधियों में व्यक्ति को जीवन में आर्थिक, शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शनि के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए शनिवार के दिन कुछ उपाय करना बेहद लाभकारी माना जाता ह। वहीं, जिन लोगों की शनि की दशा और महादशा चल रही है उन लोगों के लिए भी ये उपाय रामबाण साबित होते हैं।

शनिवार को सरसों के तेल का उपाय

शनि देव को प्रसन्न करने के लिए खाने में सरसों के तेल का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही शनि देव को सरसों का तेल चढ़ाने से साढ़ेसाती और ढैय्या के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और जीवन की बाधाएं दूर होती हैं। अहर सरसों के तेल का उपयोग कर रहें हैं तो उसकी शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखें।

शनिवार को काले तिल का उपाय

काला तिल शनि देव को प्रिय माना जाता है। ऐसे में शनि के प्रभाव को दूर करने के काले तिल का उपयोग आपके जीवन में आने वाली बाधाओं से मुक्ति दिलाता है। इसके उपयोग कई तरीकों से किया जा सकता है। काले तिल को जल में मिलाकर पी सकते हैं या तिल का लड्डू बनाकर खा सकते हैं। काले तिल का दान करने से नकारात्मकता दूर होती है।

शनिवार को उड़द की दाल का उपाय

ज्योतिष के अनुसार, साढ़ेसाती या ढैय्या के दौरान उड़द की दाल से बनी खिचड़ी का सेवन लाभकारी माना जाता है। शनिवार के दिन उड़द की दाल का दान भी विशेष फलदायी होता है। इससे शनि के अशुभ प्रभाव तो कम होते ही हैं साथ में धन-धान्य में वृद्धि भी होती है।

शनिवार को काले चने का उपाय

काले चने का संबंध शनिदेव से होता है। ऐसे में शनिवार के दिन शनिदेव को काले चने अर्पित करना या काले चने का सेवन करना दोनों ही शुभ माना गया है। इस उपाय से शनि का प्रकोप कम होता है और आर्थिक स्थिति को मजबूत होती है।

इस कारण से होता है कर्ज, कर्ज मुक्ति के लिए करें ये छोटे और सरल उपाय

ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों के अनुसार मंगल ग्रह को कर्ज का कारक ग्रह माना गया है। शास्त्रों के अनुसार मंगलवार को कर्ज लेना निषेध माना गया है, मंगलवार को यथा सम्भव कर्ज उतारने का प्रयास करना चाहिए। मंगलवार को कर्ज लेने वाला जीवनभर कर्ज नहीं चुका पाता तथा उस व्यक्ति की संतान भी इस वजह परेशानियां उठाती हैं। कुछ ज्योतिषियों के मतानुसार बुधवार को कर्ज देना अशुभ है क्योंकि बुधवार को दिए गए कर्ज का पैसा वापस मिलने में बड़ी कठिनाई होती है।

जन्मकुंडली के छठे भाव से ऋण यानी कर्ज, रोग इत्यादि का विचार किया जाता है, क्योंकि कभी-कभी रोग, दुर्घटना आदि के कारण व्यक्ति ऋणी हो जाता है। ऋणग्रस्तता के लिए इस भाव के अलावा अन्य भावों का भी विचार किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऋण के लिए जन्मकुंडली में मौजूद कुछ कुयोग एवं निवास स्थान अथवा दुकान-कार्यालय का वास्तु दोष भी जिम्मेदार होता है। जन्मपत्री में पितृदोष जैसे कुयोग होने पर जातक पिता के कमाए धन से आधा जीवन काटता है या फिर ऋण लेकर अपना जीवन यापन करता है। सूर्य लग्न में शनि के साथ हो तो जातक मुकदमों में उलझा रहता है और कर्ज लेकर जीवनयापन व मुकदमेबाजी करता रहता है। 12वें भाव का सूर्य व्ययों में वृद्धि कर व्यक्ति को ऋणी रखता है। इनके आलावा जन्मपत्री में अन्य योग भी रहते हैं जिनका अध्ययन आवश्यक है।

अगर कुंडली में मंगल कमजोर हो यानी कम अंश का हो तो ऋण लेने की स्थिति बनती है।

अगर मंगल कुंडली में शनि, सूर्य या बुध आदि पापग्रहों के साथ हो तो व्यक्ति को जीवन में एक बार ऋण तो लेना ही पड़ता है।

यदि व्यक्ति का 12वां भाव प्रबल हो व दूसरा तथा दशम कमजोर हो, तो जातक उच्च स्तरीय व्यय वाला होता है और निरंतर ऋण लेकर अपनी जरूरतों की पूर्ति करता है।

आवास में वास्तु-दोष जैसे पूर्वोत्तर ईशान कोण में निर्माण अधिक हो या उत्तर दिशा का निर्माण भारी व दक्षिण दिशा का निर्माण हल्का हो तो व्यक्ति के व्यय अधिक होते हैं और ऋण लेना ही पड़ता है।

उपाय- ऋण, रोग, भय, शत्रुओं से मुक्ति के लिए मंगलवार के दिन से प्रारम्भ कर नित्य ऋणमोचन मंगल स्तोत्र का पाठ आवश्यक है। ताम्बा धातु से निर्मित एक तिकोना मंगल यंत्र मंगलवार के दिन बनवाकर घर-कार्यालय में स्थापित करें। साथ ही ऋणी व्यक्ति के ऊपर चलने वाली महादशा, अंतर्दशा के हिसाब से रत्न आदि उपचार आवश्यक है।

घर में हाथी की मूर्ति रखते वक्त इन बातों का रखें ख्याल, बढ़ेगी इनकम, सफलता के खुलेंगे मार्ग

जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और तरक्की प्राप्त करने के लिए ज्योतिषशास्त्र, वास्तु और फेंगशुई में कई प्रकार के उपाय बताए गए हैं। अपनी लाइफ और घर में गुड लक के लिए कई लोग हाथी की मूर्ति भी लाकर रखते हैं, जिसका फेंगशुई में खास महत्व बताया गया है। इसे घर में रखना बहुत शुभ होता है। लेकिन इसके लिए हाथी की मूर्ति घर में लाते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। गलत दिशा, स्थान या गलत प्रकार की मूर्ति घर में लाने से इसके शुभ फल प्राप्त नहीं होते हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में सही प्रकार से हाथी की मूर्ति रखने से दीर्घायु, मान-सम्मान, धन, सफलता और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

मुख्य द्वार पर रखें ऐसी हाथी की मूर्ति

अगर आप घर के मेन गेट पर हाथी की मूर्ति रखने का विचार बना रहे हैं तो ऐसी मूर्ति लें जिसमें हाथी सूंड उठाए हुए हो। इस प्रकार की प्रतिमा को विजय और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। अगर आप मुख्य द्वार पर हाथी की मूर्ति या चित्र लगाते हैं, तो इससे घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है।

इनकम बढ़ाने के लिए रखें ऐसी मूर्ति

अगर आप घर या बिजनेस में धन से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो उसके लिए हाथी की मूर्ति रख सकते हैं। उत्तर दिशा की ओर चांदी के हाथी रखने बहुत शुभ माने जाते हैं। ऐसा करने से आपके कारोबार और जीवन में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं। साथ ही, घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है और इनकम बढ़ने की भी संभावनाएं बढ़ती हैं। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार, छोटी या बड़ी चांदी के हाथी की मूर्ति को रख सकते हैं। इसके अलावा, इसे लाल वस्त्र में बांधकर धन रखने वाले स्थान पर भी रख सकते हैं। इससे कर्ज से मुक्ति मिल सकती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

हमेशा जोड़े में रखें हाथी

कभी भी हाथी की एक मूर्ति या ऐसी प्रतिमा नहीं लेनी चाहिए जिसमें एक हाथी हो। इसकी बजाए हमेशा हाथी की मूर्ति जोड़ें में ही खरीदनी चाहिए और इसे घर में या मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। फेंगशुई के अनुसार, इस प्रकार हाथी की प्रतिमा रखने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है और जातक के मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। अगर हाथी की मूर्ति रखते वक्त इस खास बात का ख्याल रखते हैं, तो जीवन में सफलता के मार्ग खुलते हैं और जातक का अच्छा समय शुरू हो सकता है। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार, घर में चांदी, पीतल, पत्थर, लकड़ी आदि की मूर्ति लाकर रख सकते हैं।

सुखद दांपत्य जीवन के लिए ऐसे रखें हाथी की मूर्ति

हाथी की मूर्ति को बेडरूम में रखना भी शुभ माना गया है। मान्यता है कि जिस भी कोने में इस प्रतिमा को रखा जाता है वहां कभी भी नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है। साथ ही, यह एक सुरक्षा कवच के प्रकार काम करता है। अगर आप हाथी का जोड़ा अपने बेडरूम में रख दें, तो इससे दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है और रिश्ते में चल रहा तनाव कम होता है। हाथी की मूर्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। इसे कमरे में रखने से आसपास का वातावरण खुशनुमा बना रहता है और वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं कम हो सकती हैं।

बार-बार पड़ते हैं अगर बीमार तो हो सकता है वास्तु दोष

मौसम के बदलने के साथ ही बीमारियों का होना सामान्य बात है। मगर, क्या एक के बाद एक घर का कोई न कोई सदस्य किसी न किसी बीमारी से परेशान रहता है। काफी कोशिशें करने के बाद भी बीमारी घर से जाने का नाम नहीं ले रही है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भारतीय वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि हमारे घर की संरचना, दिशा और ऊर्जा हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालती है। अगर घर में नकारात्मक ऊर्जा या वास्तु दोष हो, तो व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ सकता है। एक स्वस्थ्य शरीर ही व्यक्ति का सबसे बड़ा धन होता है। कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति पूरी सावधानी रखने के बाद भी बार-बार बीमार पड़ने लगता है। इसका कारण खराब जीवनशैली और रोगप्रतिरोधक क्षमता का कम होना होता है लेकिन इसके अलावा वास्तु के सही न होने के कारण भी आपको रोग घेरने लगते हैं। यदि ऐसा है, तो संभवतः आपके घर में वास्तु दोष हो सकता है। ऐसे में आप वास्तु के कुछ उपाय करके इसे ठीक भी कर सकते हैं। इन उपायों को करने से आपके घर की निगेटिव एनर्जी भी दूर होगी, जिसका असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और परिवार की संपन्नता पर भी पड़ेगा।

अगर घर में नकारात्मक ऊर्जा या वास्तु दोष हो, तो व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ सकता है। घर में वास्तु का काफी गहरा महत्व होता है। वास्तु शास्त्र में भी कहा गया है कि हमारे घर की संरचना, दिशा और ऊर्जा उसमें रहने वाले लोगों के हेल्थ पर गहरा प्रभाव डालती है। आपके घर में निगेटिव एनर्जी या वास्तु दोष है तो वहां कोई न कोई बीमार हो सकता है। यदि घर में किसी प्रकार का वास्तु दोष हो तो आपको न केवल आर्थिक, पारिवारिक बल्कि स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे में घर का वास्तु ठीक होना भी बहुत आवश्यक होता है। वास्तु में कुछ उपाय बताए गए हैं, जिनको करने से आप रोगों से छुटकारा पा सकते हैं।

जानें रोगों का कारण और उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आपके घर की उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा बंद हो या फिर दक्षिण-पश्चिम दिशा खुली हो तो इससे लगने वाले वास्तु दोष के कारण आपको धन संबंधित समस्याओं के साथ खराब स्वास्थ्य का सामना भी करना पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आपके घर की दक्षिण दिशा में दोष हो तो आपको अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए। जिससे आपको उनका आशीर्वाद मिलता रहे। रसोई में खाना बनाते समय सही दिशा में मुख रखना आवश्यक होता है यदि खाना बनाते समय आपका मुख दक्षिण दिशा में रखते हैं तो इससे भी कमर दर्द, जोड़ो में दर्द जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। इसलिए खाना बनाते समय अपना मुख हमेशा पूर्व दिशा में रखें। घर की ईशान दिशा यानि उत्तर पूर्व स्थान बहुत ही पवित्र माना जाता है। यदि कोई इस दिशा में शौचालय या फिर सीढ़ियां बनवाता है तो इस स्थिति में वास्तु दोष उत्पन्न होता है। जिसके कारण आपको मानसिक तनाव या मस्तिष्क से जुड़े रोगों का सामना करना पड़ सकता है। घर के ईशान कोण में हमेशा हल्का सामान और देवस्थान बनाना शुभ रहता है।

घर में आवश्यकता से अधिक दवाइंया भी बनती हैं रोग का कारण

हर घर में कुछ प्राथमिक उपचार की दवाइंया तो होती ही हैं लेकिन कुछ लोग अपने घर में गैर-जरूरी दवाइयों को रखे रहने देते हैं। घर में अनावश्यक रूप से और इधर-उधर रखी हुई दवाइंया भी रोगों का कारण बनती हैं। घर में यदि फालतू की दवाइंया रखी हुई हैं तो उन्हें तुरंत घर के बाहर निकाल दें। यदि रोगों के कारण कोई व्यक्ति बहुत कमजोर हो गया है तो उसके पास लाल रंग का कपड़ा रखें। लाल रंग ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

सोने की दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति को सिर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर रखकर सोना चाहिए। उत्तर दिशा की ओर सिर रखकर सोने से रक्त प्रवाह में बाधा आती है और बार-बार सिरदर्द, थकावट या अनिद्रा की समस्या हो सकती है। सोने की दिशा ठीक करने से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

बेड के नीचे न रखें कबाड़ या भारी सामान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोने वाले बिस्तर के नीचे खाली स्थान होना चाहिए। यदि आप वहां पुराने कपड़े, जूते, दस्तावेज़ या कबाड़ रखते हैं, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है जो स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। यह मानसिक तनाव, थकान और नींद की कमी का कारण भी बनता है। इसलिए बिस्तर के नीचे सफाई रखें और अनावश्यक वस्तुएं हटाएं।

शौचालय

अगर शौचालय उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में है तो यह सबसे बड़ा वास्तु दोष माना जाता है। इससे मानसिक तनाव, बीमारियाँ और रोगों की आवृत्ति बढ़ती है। इस स्थिति में रोज सुबह घर में गंगाजल का छिड़काव करें और वास्तु दोष निवारक उपाय अपनाएं।

बेडरूम में आईना न लगाएं

सोते समय अगर आईना व्यक्ति के शरीर को प्रतिबिंबित करता है, तो यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। यदि बेडरूम में आईना है तो सोने से पहले उसे कपड़े से ढँक देना चाहिए।

रसोईघर और बाथरूम आमने-सामने न हों

यदि रसोई और बाथरूम आमने-सामने हों तो यह अग्नि और जल तत्वों का टकराव दर्शाता है। इससे घर के सदस्यों में बीमारियाँ और तनाव बढ़ सकता है। इस स्थिति में रसोई के द्वार पर लकड़ी की पट्टी या लाल पर्दा लगाना शुभ होता है।

सूर्य का प्रकाश

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के भीतर प्रातःकाल सूर्य का प्रकाश अवश्य आना चाहिए। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। सूर्य के प्रकाश से विटामिन डी भी मिलता है, जो हड्डियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उत्तर-पूर्व दिशा को साफ-सुथरा रखें

ईशान कोण को भगवान का स्थान माना गया है। यहां गंदगी या भारी सामान रखने से मानसिक अशांति, थकावट और बीमारियाँ बढ़ती हैं। इस दिशा को साफ, हल्का और मंदिरयुक्त रखना चाहिए।

पानी के स्रोत को सही स्थान पर रखें

घर में पानी का टैंक या बोरिंग उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए। गलत दिशा में पानी के स्रोत मानसिक तनाव और रोग का कारण बन सकते हैं। यदि ऐसा हो, तो वास्तु दोष निवारक यंत्र या सलाहकार की मदद लें।

खाना खाने की दिशा

कभी-कभी आप खान-पान की गलत आदतों की वजह से भी बीमार हो सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, खाना खाते समय पूर्व या उत्तर दिशा में मुंह करके ही बैठें। इससे पाचन तंत्र सही रहता है और खान शरीर में लगता है। इससे बीमारियों का खतरा कम होता है। गलत दिशा में भोजन करने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही यह तनाव और चिंता को भी बढ़ाता है। भोजन करने वाले जगह को साफ और स्वच्छ रखें, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे। साथ ही खाने के समय को निश्चित करें। गलत समय पर खाना खाने से भी बीमारियों के होने का जोखिम रहता है।

घर के बाहर भी रखें सफाई

वास्तु के अनुसार, घर के मुख्य दरवाजे के सामने गड्ढा हो तो उसे तुरंत भर दें। कीचड़ या गंदगी को जमा न होने दें। इससे न सिर्फ बीमारी फैलाने वाले मच्छर और मक्खियां पनपते हैं, बल्कि यह मानसिक तनाव और निगेटिविटी को भी पैदा करता है। इन छोटे-छोटे उपायों से आप घर के सदस्यों को बार-बार बीमार होने से बचा सकेंगे।

टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है वर्ल्ड टेलीविजन डे पर बोलीं अमनदीप सिद्धू

टीवी हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। छोटे पर्दे ने न सिर्फ हमें मनोरंजन दिया है, बल्कि हमारी सोच, हमारी भावनाओं और हमारे रिश्तों को समझने का तरीका भी बदल दिया है। वर्ल्ड टेलीविजन डे पर बात करते हुए टीवी एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे यह माध्यम उनके जीवन और करियर दोनों में एक अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना सिर्फ एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह उन्हें सीखने, बढ़ने और दर्शकों के साथ गहरे भावनात्मक रूप से जुड़ने का जरिया भी देता है।

अमनदीप ने कहा कि टीवी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा, ''टीवी सिर्फ करियर बनाने का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसने मुझे अपनी आवाज और मकसद खोजने में मदद की है। इसके जरिए मैं लोगों के साथ जुड़ पाती हूं और अपनी कहानियों के माध्यम से भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सकती हूं। टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है, जहां कहानी और भावनाएं सीधे लोगों तक पहुंचती हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है। एक्टिंग हमेशा से मेरा शौक रहा है और हर दिन नए किरदार में ढलना मुझे अंदर से बेहद खुशी देता है। हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नए सफर जैसा होता है, जो मेरे जीवन, संघर्ष और खुद को समझने का मौका देता है। टीवी ने सिखाया कि कैसे कठिनाइयों का सामना किया जाता है और जीवन के हर अनुभव से सीख ली जाती है।''

अमनदीप ने 'नागिन 6' के अनुभव को साझा करते हुए कहा, ''टीवी पर काम करने का सबसे खास हिस्सा है रोजाना का रूटीन और दर्शकों के साथ जुड़ाव। जब मैं किसी डेली सोप में काम करती हूं, तो मेरा किरदार समय के साथ विकसित होता है और मुझे व्यक्तिगत रूप से भी सीखने का मौका मिलता है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे खुशी देती है और यह अनुभव दर्शकों के बीच एक खास रिश्ता बनाता है।''

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि टीवी का दौर अब बहुत बदल चुका है। पहले जहां कहानियां और किरदार सीमित और साधारण होते थे, अब टीवी में अधिक विविधता और गहरी कहानियां देखने को मिलती हैं। आज के टीवी शो में जटिल और वास्तविक किरदार दिखाए जा रहे हैं, जो समाज और जीवन की असली तस्वीर पेश करते हैं।''

अमनदीप इस समय जी टीवी के शो 'गंगा मां की बेटियां' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो को रवि दुबे और सरगुन मेहता ने प्रोड्यूस किया है।

विवाद में रहने के बाद भी मैक्सिको की फातिमा बॉश बनी मिस यूनिवर्स 2025

मिस यूनिवर्स का खिताब पाना हर किसी का सपना होता है और इस बार साल 2025 में 130 देशों की प्रतियोगिओं को पीछे छोड़कर मैक्सिको की फातिमा बॉश के सिर मिस यूनिवर्स का ताज सजा है। विवादों में रहने के बाद भी 25 साल की फातिमा बॉश को खिताब मिला। उन्हें मिस थाइलैंड के निदेशक नवात इत्साराग्रिसिल ने बीच शो में तीखी डांट लगाई थी और शो के बाकी कंटेस्टेंट ने भी विरोध किया था, लेकिन विरोध के बीच भी फातिमा बॉश ने इतिहास रच दिया। 74वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के फाइनल में सभी देशों की अलग-अलग ब्यूटी क्वीन्स गाउन पहनकर स्टेज पर आई। प्रतियोगिता में फर्स्ट रनरअप थाईलैंड की प्रवीणर सिंह, सेकेंड रनरअप मिस वेनेजुएला और थर्ड रनरअप मिस फिलीपींस रहीं। भारत से राजस्थान की मनिका विश्वकर्मा भी प्रतियोगिता का हिस्सा रहीं लेकिन वे टॉप 12 तक भी अपनी जगह नहीं बना पाईं। वे प्रतियोगिता के 30वें राउंड तक ही पहुंच पाईं।

टॉप 12 में ग्वाडेलोप, मेक्सिको, प्यूर्टो रिको, चिली, कोलंबिया, क्यूबा, कोट डी आइवर, वेनेजुएला, चीन, फिलीपींस, थाईलैंड और माल्टा की सुंदरियों ने अपना दबदबा बनाया।

मैक्सिको की फातिमा बॉश प्रतियोगिता की शुरुआत से ही विवादों में रहीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मिस थाइलैंड के निदेशक नवात इत्साराग्रिसिल ने उन्हें भरे मंच पर तीखे सवाल किए और उनकी बुद्धिमता पर भी सवाल उठाए थे। हालांकि, फातिमा बॉश ने निर्देशक की बातों का विरोध करते हुए मंच से वॉकआउट किया था। मंच पर मौजूद बाकी प्रतिभागियों ने भी फातिमा बॉश का सपोर्ट करते हुए मंच छोड़ दिया था। हालांकि, शो के फाइनल में अपनी खूबसूरती और बुद्धिमत्ता से शो में जीत हासिल की।इस साल की प्रतियोगिता में अलग-अलग इंटरेस्टिंग राउंड रखे, जिसमें इंटरव्यू राउंड, स्विमसूट सेगमेंट राउंड, और इवनिंग गाउन राउंड शामिल थे। इन सभी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जूरी ने टॉप फाइव के लिए थाईलैंड, फिलीपींस वेनेजुएला, मेक्सिको और कोट द'ईवोआर की खूबसूरती प्रतिभागियों को चुनी, और आखिरी में अपनी ग्रेस और बुद्धिमता से फातिमा बॉश ने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया।

बहुप्रतीक्षित 'मस्ती 4' सिनेमाघरों में हुई रिलीज

मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा निर्देशित फिल्म 'मस्ती 4' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज़ हो गई है, और सोशल मीडिया पर माहौल पूरी तरह मस्त, धमाकेदार और हंसी से लबालब हो चुका है। विशेष रूप से रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की आइकॉनिक ट्रायो की वापसी ने दर्शकों के दिल जीत लिए हैं और इसका सबूत है सोशल मीडिया पर आए हुए रिएक्शन्स, मीम्स और बेहतरीन रिव्यूज की बाढ़। पहले ही शो से दर्शकों ने फिल्म की जमकर तारीफ की है। एक यूज़र ने लिखा है, 'मस्ती 4' चौथी कड़ी होने के नाते मज़ा चार गुना बढ़ा देती है। पहले से ज़्यादा ज़ोरदार, पहले से ज़्यादा वाइल्ड और बहुत ही मज़ेदार राइड।एक अन्य दर्शक ने सराहना करते हुए लिखा है, 'मस्ती 4' शुरुआत से ही तेज़ रफ्तार पकड़ लेती है और पहले ही सीन में अपना कॉमेडिक टोन सेट कर देती है। मिलाप ज़वेरी की कमर्शियल टाइमिंग पर शानदार पकड़ है।

एक और यूज़र लिखते हैं, 'मस्ती 4' वही परोसती है जिसका इंतज़ार जनता और युवाओं को था, फुल-ऑन एंटरटेनमेंट की पूरी खुराक।

एक अन्य रिएक्शन में कहा गया, 'मस्ती 4' एक एडल्ट कॉमेडी के तौर पर जितना होना चाहिए, उतना ही बनकर आती है और उसी दायरे में यह आत्मविश्वास के साथ सफल होती है।सोशल मीडिया पर आ रहे इन रिव्यूज़ से साफ है कि फिल्म एक पूरा पैसा-वसूल एंटरटेनर साबित हो रही है, जिसने फ्रेंचाइज़ की मस्ती को शानदार तरीके से वापस ला दिया है।देशभर के शहरों में दर्शक फिल्म का भरपूर आनंद उठा रहे हैं और वर्ड-ऑफ-माउथ बेहद मजबूत चल रहा है। शुरुआती प्रतिक्रियाओं के हिसाब से 'मस्ती 4' इस सीज़न की चौंकाने वाली कॉमेडी हिट बनती दिख रही है। एक ऐसी फिल्म जिसने दर्शकों को दिल खोलकर हंसाया और उन्हें और भी ज़्यादा मस्ती की मांग करने पर मजबूर कर दिया है।

फिल्म में श्रेया शर्मा, रुही सिंह और एलनाज़ नोरोज़ी के साथ 'मस्ती 4' में चार चांद लगाते हैं नरगिस फाखरी और अरशद वारसी।

वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, तथा मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी 'मस्ती 4' का निर्माण ए. झुनझुनवाला, शिखा करण अहलूवालिया, इंद्र कुमार, अशोक ठकेरिया, शोभा कपूर, एकता कपूर और उमेश बंसल ने किया है। मिलाप मिलन ज़वेरी की ट्रेडमार्क ह्यूमर स्टाइल और ओजी ट्रायो के धमाकेदार कमबैक के साथ, 'मस्ती 4' सिनेमाघरों

दो दीवाने शहर में फिल्म ने मुझे मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की : सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड में रोमांस और दिल छू लेने वाली कहानियों को हमेशा खास जगह दी जाती है। इस कड़ी में संजय लीला भंसाली का प्रोडक्शन एक ऐसी ही फिल्म लेकर आ रहा है, जिसका नाम है 'दो दीवाने शहर में'। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को रवि उद्यावर डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म के बारे में सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, ''जब मैं 'दो दीवाने शहर में' फिल्म की शूटिंग कर रहा था, उस समय मैं अपने निजी जीवन में कुछ मुश्किल भरे दौर से गुजर रहा था। मेरे लिए यह फिल्म सिर्फ एक काम नहीं थी; यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मुझे क्रिएटिविटी के तौर पर चुनौती दी और व्यक्तिगत रूप से मुझे उन मुश्किल दिनों से निकलने में मदद की।''

सिद्धांत ने बताया कि फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है और उम्मीद जताई कि शूटिंग के दौरान जो जुड़ाव उन्होंने महसूस किया, वही फिल्म देखने के दौरान दर्शक भी करेंगे।उन्होंने आगे कहा, ''कहते हैं कि परफेक्ट जैसा कुछ नहीं होता। बस आपको किसी ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो आपके लिए दुनिया से लड़ सके और आप भी उनके लिए हमेशा खड़े रहें।''फिल्म की कहानी एक अनोखे और खूबसूरत रोमांस को दर्शाती है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इसे 'दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी' बताया।फिल्म की घोषणा करते हुए भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''दो दिल, एक शहर, और एक इंपरफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी... इस वैलेंटाइन डे आपको इश्क से इश्क हो जाएगा। 'दो दीवाने शहर में' 29 फरवरी 2026 को रिलीज हो रही है।'' संजय लीला भंसाली इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, और उनके साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार भी इस प्रोजेक्ट में हैं। फिल्म रवि उद्यावर फिल्म्स के सहयोग से बनाई जा रही है।

सरोज खान: परछाई देखकर नाचने वाली बच्ची कैसे बन गई बॉलीवुड की मदर ऑफ कोरियोग्राफी

बॉलीवुड में डांस की बात हो और सरोज खान का नाम न आए, ऐसा मुमकिन ही नहीं। सरोज खान ऐसी कलाकार थीं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा को डांस की असली परिभाषा सिखाई। उनकी कोरियोग्राफी ने न जाने कितनी अभिनेत्रियों को पहचान दिलाई और कितने ही गानों को आइकॉनिक बना दिया। वैसे अगर आपको न पता हो तो हम बताते हैं कि सरोज खान का बचपन का नाम निर्मला नागपाल था। उनका जन्म 22 नवंबर 1948 को हुआ था। बाद में उन्होंने इस्लाम स्वीकार कर लिया था और बॉलीवुड में उन्हें सरोज खान के नाम से पहचान मिली। उनके माता-पिता भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद भारत आ गए थे। घर की हालत अच्छी नहीं थी, इसलिए निर्मला को बचपन से ही काम करना पड़ा। सिर्फ तीन साल की उम्र में उन्होंने फिल्म 'नजराना' में बेबी श्यामा के रूप में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें डांस का शौक होने लगा, लेकिन यह शौक इतने अनोखे अंदाज में सामने आया कि घरवालों को भी समझ नहीं आया कि यह क्या हो रहा है।

निर्मला नागपाल (सरोज खान) जब बहुत छोटी थीं, तब वह अपनी ही परछाई को देखकर घंटों नाचती रहती थीं। उन्हें लगता था कि परछाई उनका साथ दे रही है और उसी के साथ वह कदम मिलाती रहती थीं। वह जब कमरे में अकेली होतीं तो वह घंटों तक अपने डांस में खोई रहती थीं। उनकी मां को यह देख चिंता होने लगी। उन्हें लगा कि बच्ची किसी मानसिक परेशानी है। इसी डर में घर वाले उन्हें डॉक्टर के पास ले गए, लेकिन डॉक्टर जो बोले, वह सुनकर पूरा परिवार दंग रह गया। डॉक्टर ने कहा कि बच्ची बिल्कुल ठीक है। बस, यह डांस करना चाहती है। इसे रोकना नहीं, बल्कि आगे बढ़ने देना चाहिए।

घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार ने डॉक्टर की बात मान ली और निर्मला को फिल्म इंडस्ट्री में ही काम करने की खुली छूट दे दी। इसका जिक्र सरोज खान ने खुद एक इंटरव्यू में किया था।

1950 के दशक में वह बैकग्राउंड डांसर के तौर पर दिखने लगीं। इसी दौरान उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री

के मशहूर डांस मास्टर बी. सोहनलाल से डांस सीखा, जो उनकी जिंदगी का बड़ा मोड़ साबित हुआ। यह रिश्ता सिर्फ गुरु-शिष्य तक नहीं रहा। सरोज की उम्र जब सिर्फ 13 साल थी, तभी उन्होंने सोहनलाल से शादी कर ली, जबकि सोहनलाल उनसे 30 साल बड़े थे। शादी के समय सरोज को यह भी नहीं पता था कि सोहनलाल पहले से शादीशुदा थे और चार बच्चों के पिता थे।

यह सच उन्हें तब पता चला जब 1963 में उन्होंने बेटे राजू को जन्म दिया। बाद में उन्होंने दूसरा बच्चे को भी जन्म दिया, जो कुछ महीनों बाद गुजर गया। इस दौरान सोहनलाल ने उनके बच्चों को अपना नाम देने से मना कर दिया, जिससे सरोज का दिल टूट गया और यह शादी भी टूट गई।सरोज खान की जिंदगी का सफर आसान नहीं था, लेकिन डांस उनके लिए हमेशा ताकत बना रहा। पति से अलग होने के बाद उन्होंने अपना पूरा ध्यान कोरियोग्राफी पर लगा दिया। शुरुआती संघर्षों के बावजूद उन्होंने अपना स्थान बनाया और 1970 के दशक में कोरियोग्राफर के रूप में काम शुरू किया। हालांकि असली पहचान उन्हें 1980 के दशक में मिली।

'हवा हवाई', 'मैं तेरी दुश्मन', 'मेरे हाथों में' जैसे श्रीदेवी के लिए कोरियोग्राफ किए गए गानों ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद माधुरी दीक्षित के साथ उनका काम इतिहास बना। 'एक दो तीन', 'धक-धक करने लगा', 'तम्मा तम्मा' समेत कई गाने आज भी लोगों को झूमने पर मजबूर करते हैं।अपने करियर में सरोज खान ने तीन नेशनल फिल्म अवॉर्ड और कई फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते। वहीं फिल्मफेयर ने बेस्ट कोरियोग्राफी का अवॉर्ड शुरू ही उनके गाने 'एक दो तीन' की सफलता के बाद किया था। उनकी दूसरी शादी सरदार रोशन खान से हुई थी। उनकी बेटी सुकैना खान दुबई में डांस इंस्टीट्यूट चलाती हैं।

बॉलीवुड में लंबा सफर तय करने के बाद सरोज खान का 3 जुलाई 2020 को कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया, लेकिन डांस स्टेप्स और मेहनत ने उन्हें हमेशा के लिए अमर बना दिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने ख़राब मूड को शादीशुदा ज़िंदगी में तनाव का कारण न बनने दें। इससे बचने की कोशिश करें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी की वजह से आपको बाहर जाना पड़ सकता है, जो बाद में आपकी झल्लाहट की वजह बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। कोई दोस्त अपनी निजी समस्याओं के समाधान के लिए आपसे मश्वरा मांग सकता है। कार्यक्षेत्र की बात करें तो आपकी टीम का सबसे ज़्यादा खीझने वाला व्यक्ति काफ़ी समझदारी की बातें करता नज़र आ सकता है। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

गर्भवती महिलाओं को चलते–फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। अगर संभव हो तो ऐसे लोगों से दूर रहें जो धूम्रपान करते हैं, क्योंकि इससे पैदा होने वाले शिशु को नुक़सान हो सकता है। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। किसी रिश्तेदार के यहा से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। प्यार का जज़्बा अनुभव के परे है, लम्बे समय से अटके फ़ैसलों को अमली जामा पहनाने में क़ामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढेंगी। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने कें मुश्किल आएगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उदास और अवसादग्रस्त न हों। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्य–क्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक समारोह में नए दोस्त बन सकते हैं। हालाँकि अपने चयन में सावधानी बरतें। अच्छे दोस्त उस ख़ज़ाने की तरह होते हैं, जिसे सारी ज़िंदगी दिल के क़रीब रखा जाता है।अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जी–वनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आपकी अन्दरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 नवंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 05:13 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा सायं 04:47 तक
योग : सुकर्मा प्रातः 11:29 तक
करण : कौलव सायं 05:13 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक सायं 04:47 तक
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14,सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है, चन्द्रदर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्य सचिव ने प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रवासी राजस्थानी दिवस–2025 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित उच्च–स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और सम्बंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित प्रवासी राजस्थानी दिवस का पहला आयोजन आगामी 10 दिसम्बर को जेईसीसी, जयपुर में प्रस्तावित है और यह कार्यक्रम समूचे विश्व में बसे प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के विकास से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

बैठक में बताया गया कि इस अवसर पर लगभग 4500 प्रतिभागियों के आने की संभावना है, जिनमें प्रवासी राजस्थानी, उद्योगपति, केन्द्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र में आरआर–जीआईएस 2024 में प्राप्त एमओयूज़ के आधार पर तैयार 'कॉफी टेबल बुक' का लोकार्पण किया जाएगा, जिसमें लगभग 1500 परियोजनाओं को शामिल किया गया है। प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कारों के लिए 138 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अधिकतम 21 व्यक्तियों को दो लाख रुपये, स्मृति चिह्न व प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। इसी सत्र में राज्य सरकार की 13 नई नीतियों जैसे, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी, एनआरआर पॉलिसी, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति, एआई–एमएल पॉलिसी, इंडस्ट्रियल पॉलिसी, नई पर्यटन नीति, स्पोर्ट्स पॉलिसी, ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट पॉलिसी, ट्री आउटसाइड फारेस्ट एंड एग्रो फॉरेस्ट्री पॉलिसी, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी, टेक्निकल स्किल पॉलिसी, सेमीकंडक्टर पॉलिसी तथा एयरो स्पेस एंड डिफेन्स पॉलिसी के बारे में मंथन होगा। मुख्य सचिव ने सभी आठ सेक्टोरल सत्रों की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की। एनआरआर सत्र में वैश्विक प्रवासी समुदाय की भूमिका, निवेश और उद्यमिता के अवसर, विकसित राजस्थान –2047 के लिए प्रवासी युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चाएँ प्रस्तावित हैं। शिक्षा सत्र में बिट्स पिलानी, आईआईएम उदयपुर, आईआईटी जोधपुर, एमिटी आदि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ नवाचार, कौशल–विकास और गुणवत्ता शिक्षा की दिशा पर चर्चा करेंगे। पर्यटन सत्र में सतत् पर्यटन, डिजिटल सुविधा, होटल निवेश, वैश्विक कनेक्टिविटी और राजस्थान को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के विषयों पर वरिष्ठ उद्योगपतियों और पर्यटन विशेषज्ञों द्वारा विचार रखे जाएंगे।

स्वास्थ्य सत्र में भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा अनुसंधान, क्लिनिकल इनोवेशन और प्रवासी चिकित्सकों की भागीदारी पर विभिन्न संस्थानों के वक्ता सुझाव देंगे। उद्योग सत्र में हिंदुस्तान जिंक, वेलस्पन, जेके सीमेंट, एयू स्माल फाइनेंस बैंक, बोरोसिल, टिटागढ़ रेल, श्री सीमेंट, पिरामल तथा जेसीबी इंडिया सहित देश के प्रमुख उद्योग समूह भाग लेंगे। जल संसाधन सत्र में स्वच्छ पेयजल, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, शहरी जल संरचना और जल जीवन मिशन से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

बैठक में निमंत्रण, पंजीकरण और पुष्टिकरण की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अब तक कुल 15,435 निमंत्रण भेजे जा चुके हैं। 3260 लोगों ने पंजीकरण कराया है तथा 33 राज्य अतिथियों की पुष्टि हो चुकी है। प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क और फॉलो–अप के लिए 17–सदस्यीय कॉलिंग टीम तैनात की गई है। कुल 5775 बैज तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें गेस्ट ऑफ ऑनर, विशेष आमंत्रित, प्रतिनिधि, मीडिया, सरकारी अधिकारी, सेवा कर्मचारी, आयोजक और प्रोटोकॉल अधिकारियों की अलग–अलग श्रेणियाँ निर्धारित हैं।

मुख्य सचिव ने विभागवार तैयारियों की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की। उद्योग विभाग की ओर से बताया गया कि जेईसीसी का लेआउट और सेक्टरल सत्रों की संरचना अंतिम रूप में है। स्टेज सेटअप, लॉजिस्टिक्स, कंट्रोल रूम, ब्रांडिंग तथा कैंप ऑफिसेस की तैयारी प्रगति पर है। नगरीय विकास विभाग, जेडीए और जेएमसी द्वारा जेईसीसी के आसपास लैंडस्केपिंग, महत्वपूर्ण सड़कों का रख–रखाव, सौंदर्यकरण, प्रमुख भवनों की लाइटिंग, सार्वजनिक स्थानों की सफाई और आवश्यक साइनज लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

पीजी हॉस्टल सहित 5 जगह बिजली चोरी पकडी, 3.97 लाख का लगाया जुर्माना

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर विद्युत वितरण निगम की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को आमेर तहसील तथा खो–नागोरियान क्षेत्र में बिजली चोरी के 5 मामले पकडे और इनमे 3 लाख 97 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा एवं अधीक्षण अभियंता (सतर्कता) बी.एल.शर्मा ने बताया कि आमेर तहसील के ग्राम चिमनपुरा में 3 कृषि परिसरों की सतर्कता जांच में पाया गया कि विद्युत मीटर बाईपास कर इनकमिंग सर्विस लाइन को सीधे आउटपुट से जोडकर विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर 3 वीसीआर भरकर करीब 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार खो–नागोरियान क्षेत्र के अली नगर में संचालित 2 पीजी हॉस्टल की जांच की गयी, जिनमें सर्विस लाइन में कट लगाकर तार जोडकर विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर 2 वीसीआर भरी गई और करीब 2 लाख 72 हजार का जुर्माना लगाया गया। सभी उपभोक्ताओं को जुर्माना राशि जमा करवाने के लिए नोटिस जारी कर दिये गये हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान करेगा 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025' की मेजबानी

जयपुर, 21 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 24 नवम्बर से 5 दिसंबर तक खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) के 5वें संस्करण की मेजबानी करने जा रहा है। प्रदेश में पहली बार आयोजित होने जा रहे केआईयूजी को भव्य, ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए शर्मा के निर्देशन में जोर–शोर से तैयारियां की जा रही हैं। राजस्थान में जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर में देशभर के युवा खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिससे स्पोर्ट्समैनशिप का अद्भुत संगम देखने का मिलेगा। केआईयूजी में कुल 24 खेलों में 23 पदक विजेता खेल और एक प्रदर्शन खेल शामिल है। एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, मल्लखम्भ, साइकिलिंग, रग्बी, जूडो, बीच वॉलीबॉल, केनोइंग और कयाकिंग, कबड्डी, भारोत्तोलन, टेबल टेनिस, योगासन, तलवारबाजी, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग और कुश्ती में पदक जीतने के लिए युवा खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। वहीं, खो–खो खेल का आयोजन एक प्रदर्शन मैच के रूप में होगा।

जयपुर में 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, मल्लखम्भ, साइकिलिंग में विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिता आयोजित होंगी। अजमेर में 26 नवम्बर से 28 नवम्बर तक रग्बी खेल और खो–खो के प्रदर्शन मैच का आयोजन होगा। इसी प्रकार, उदयपुर में 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक जूडो, बीच वॉलीबॉल के साथ विशेष आकर्षण के रूप में केनोइंग और कयाकिंग वाटर स्पोर्ट्स में युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

युवा जोश से भरे इन खेलों में 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक कबड्डी और भारोत्तोलन का आयोजन बीकानेर में होगा। वहीं, जोधपुर में 25 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक योगासन और टेबल टेनिस के खेल में युवा खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे। कोटा में 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक तलवारबाजी और वॉलीबॉल के खेल का आयोजन होगा। इसी प्रकार, भरतपुर में 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक कुश्ती और बॉक्सिंग में युवा अपना दमखम दिखाएंगे।

प्रदेश के प्रमुख संभाग स्तरीय 7 शहरों में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025 में देश के लगभग 5 हजार खिलाड़ियों सहित 7 हजार से ज्यादा प्रतिभागी शामिल होंगे।

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता, धर्म और देश की रक्षा के लिए दिया महान बलिदान : सैनी

चंडीगढ़, 21 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता, धर्म और देश की रक्षा के लिए महान बलिदान दिया जिसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है ताकि आने वाली पीढ़ियां इस प्रेरणादायक इतिहास से सीख ले सके। गुरुओं की तप–त्याग का संदेश और गौरवशाली इतिहास को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार और हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को ज्योतिसर में बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री द्वारा महाभारत अनुभव केंद्र का अवलोकन भी किया जाएगा और इस महाभारत अनुभव केंद्र को देश व विदेश के पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। इसी परिसर में पंचजन्य का उदघाटन भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जायेगा । इसके साथ–साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और महाआरती में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को कुरुक्षेत्र ज़िले के ज्योतिसर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. एम. पांडुरंग, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन, पर्यटन विभाग के निदेशक डा. शालीन, ओएसडी डॉ प्रभलीन सिंह ने कार्यक्रम स्थल और अनुभव केंद्र का निरीक्षण किया।

सोहेल खान की नई फिल्म की शूटिंग होगी हरियाणा में

चंडीगढ़, 21 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा एक बार फिर बड़े पर्दे पर चमकने को तैयार है। बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता सोहेल ख़ान अपनी अगली फ़िल्म की शूटिंग व्यापक रूप से हरियाणा की धरती पर करने जा रहे हैं। बीते दिन सोहेल ख़ान के पारिवारिक मित्र व समाजसेवी करण गिल्होत्रा, सोहेल ख़ान स्वयं, और उनकी प्रोडक्शन टीम के प्रमुख सहयोगी विक्रम चोपड़ा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाक़ात कर आगामी प्रोजेक्ट की रूपरेखा साझा की। इस मुलाक़ात के दौरान टीम ने मुख्यमंत्री को फ़िल्म की कहानी, शूटिंग लोकेशन्स और हरियाणा की संस्कृति को सिनेमाई रूप में प्रस्तुत करने की योजना के बारे में विस्तार से अवगत कराया। बताया जा रहा है कि फ़िल्म के अधिकांश दृश्य हरियाणा के ग्रामीण और शहरी दोनों इलाक़ों में फिल्माए जाएंगे, ताकि प्रदेश की असल पहचान और सौंदर्य को पर्दे पर उतारा जा सके। टीम ने कहा कि हरियाणा के वातावरण, परिवेश और सरकारी सहयोग ने इस प्रोजेक्ट को यहां शूट करने का निर्णय और अधिक मज़बूत किया है।

राहुल गांधी के सवालों का जवाब देना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है न की भाजपा की: सैलजा

सिरसा, 21 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि आज लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे है। राहुल गांधी के सवाल पर अभी तक चुनाव आयोग ने चुप्पी साधी हुई है जिससे साफ है कि वोट चोरी हुई है, सरकार चोरी हुई है। उन्होंने कहा कि इस देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए सभी को एकजुट होकर इस लड़ाई में शामिल होना होगा। राव नरेंद्र सिंह ने सभी से मंच से 14 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में शामिल होने की अपील की। वे शुक्रवार को लघु सचिवालय परिसर में आयोजित जिला स्तरीय वोट चोर गद्दी छोड़ प्रदर्शन से पूर्व विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा, राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश के सह–प्रभारी प्रफुल्ल गुडधे, विधायक चौ. भरत सिंह बैनीवाल, विधायक शीशपाल केहरवाला, विधायक गोकुल सेतिया, जिला प्रधान संतोष बैनीवाल, सर्व मित्र कंबोज, राजकुमार शर्मा, वीरभान मेहता, नवीन केडिया, बलविंदर सिंह ठरवी, जयपाल सिंह लाली, अमीर चावला, संदीप नेहरा, राजेश चाडीवाल, रतन सिंह गेदर, राम सिंह सोलंकी चेयरमैन, महेश झोरड़ चेयरमैन, कृष्णा फोगाट, गजानंद सोनी, दलीप सिंह, जग्गा सिंह बराड़, गुरमेल सिंह आदि मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा में कैसे सरकार बनी, ये सरकार जनता ने बनाई या ईवीएम ने या वोट चोरी करके बनाई। मतगणना वाले दिन ईवीएम की बैटरी फुल मिलती है यानि कुछ तो गड़बड़ हुई। सिरसा के हर विधानसभा क्षेत्र में वोट चोरी हुई अगर ऐसा न होता तो पांचों सीटें कांग्रेस की होती। हरियाणा में 25 लाख वोटों की हेराफेरी हुई। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि देश में भाजपा सरकार और मोदी के खिलाफ आवाज केवल राहुल गांधी ही उठा रहे है। कांग्रेस ने पहले भी संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के संदेश को अब जन जन तक पहुंचाना है, जनता को सच्चाई से अवगत करवाना है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन रही थी और हर व्यक्ति की जुबान पर कांग्रेस का ही नाम था पर भाजपा ने हेराफेरी की ओर सरकार बना ली। भाजपा ने मतदाता से उसका हक छीना है जिसका जवाब देने का समय आ गया है। राव नरेंद्र सिंह ने सभी से मंच से 14 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिहार में भी 65 लाख वोट काटे गए और 21 लाख नए वोट जोड़े गए। बिहार में भाजपा ने चुनाव जीतने के लिए महिलाओं को दस दस हजार रुपये उनके खाते में डाले।

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस देश के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्षरत है। राहुल गांधी ने वोट चोरी का पर्दाफाश कर देश की आंखें खोली है जबकि हम जानते है कि हमारे देश का लोकतंत्र विश्व का सबसे मजबूत है पर उसे भाजपा सरकार किस प्रकार नुकसान पहुंचा रही हैं। कैसे इस लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। लोकतंत्र को कमजोर करके वोट चोरी की जा रही है, सरकार चोरी की जा रही है। कांग्रेस के लोगों की कुर्बानियों के कारण ही देश का संविधान बना जिससे लोकतंत्र मजबूत हुआ। हमारे पड़ोसी देशों में लोकतंत्र कमजोर होता जा रहा है या खत्म हो चुका है।

संविधान के कारण देश में लोकतंत्र जिंदा है। कांग्रेस संविधान की रक्षा की लड़ाई लड़ेगी और लोकतंत्र को किसी भी सूरत में कमजोर नहीं होने देगी। जो भी देश के लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास करेगा कांग्रेस उसके सामने खड़ी मिलेगी। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा ने जो कार्य किए है उनके बारे में सब जानते हैं, इस देश का किसान, मजदूर, दलित सब के सब परेशान है पर भाजपा कोई सुनवाई नहीं कर रही है। हमने लोगों के हकों की लड़ाई लड़ी और जेल भी गए।

समाज व राष्ट्र के प्रति साधु-संतों का योगदान अद्वितीय : आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी

मुमुक्षु भव्य शाह का दीक्षा महोत्सव प्रारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शंकरपुरम में आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित मुमुक्षु भव्य शाह की दीक्षा के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय संसार परिहार उत्सव के शुभारंभ के अवसर पर प्रासंगिक प्रवचन के दौरान आचार्य श्री ने दीक्षा लेने वालों के सामाजिक योगदान के पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन साधु की प्रत्येक प्रवृत्ति में आत्म कल्याण के साथ पर-पकार जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जब सुशिक्षित युवा, घर - परिवार - व्यापार को छोड़ यदि दीक्षा लेते हैं तो आम जन मानस में यह सवाल उठना लाजमी है कि वे समाज के बीच रहकर राष्ट्र-निर्माण या समाज उपयोगी कार्यों को छोड़ मात्र स्वयं की साधना तक क्यों सीमित रह जाते है? इस सवाल का जवाब समझना हो तो पहले हमें दीक्षा के सच्चे स्वरूप और वास्तविक व्याख्या को समझना पड़ेगा। जैन शास्त्रों में दीक्षा की व्याख्या अनेक पहलुओं से की गई है। उनमें से एक है कि दीक्षा याने तमाम जीवसृष्टि के साथ आत्मिक नाता जोड़ना और 'मात्र सामाजिक कर्तव्य' के दायरे से मुक्त होकर आत्मिक कर्तव्यों का स्वीकार करना। इस दृष्टि से देखा जाएं तो एक मुनि का कार्यक्षेत्र मात्र समाज तक सीमित न रहकर समस्त जीवसृष्टि चाहे फिर वह मानव हो, पशु पंखी हो, या कोई भी जीवजंतु हो, सभी के प्रति आत्मिक कर्तव्य होने से और व्यापक बन जाता है। जिस प्रकार भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज को उपयोगी होने वाला विद्यार्थी उच्च अभ्यास हेतु अपने घर परिवार से दूर विदेश चला जाता है, एक सैनिक देश की सुरक्षा के लिए समाज-गांव से दूर रहता है फिर भी बड़ी जिम्मेदारी निभाने के कारण उसे कोई अनुचित नहीं ठहराता। उसी प्रकार एक साधु, जीवसृष्टि के प्रति अपना कर्तव्य अदा करने जा रहा हो तो उसे छोटे कर्तव्यों से मुक्त होना ही पड़ता है, यह सार्वत्रिक नियम है। साधु के जीवन में परोपकार अनायास ही गूंथा हुआ है। वह समाज में अपने उपदेश द्वारा संस्कारों का सींचन कर लोगों के हृदय को निर्मल बनाता है और इससे सामाजिक संतुलन बना रहता है।

उदाहरण के लिए समाज में अपराध के बढ़ने का कारण है व्यक्ति का मानसिक दूषण, मन में उठने वाली खराब इच्छाएं। जिस अपराध को नियंत्रित करने और समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सरकार हर वर्ष करोड़ों का बजट बनाती है उसे नियंत्रित रखने में साधु-संतों की भूमिका अनायास ही सिद्ध होती है। वह दिन रात मेहनत करके, बड़ी लगन से, धैर्य से शास्त्रों का पठन करके, चिंतन-मनन करके, एक पैसा लिए बगैर अपने और समाज के मनोविकारों से लड़ते है। सही-गलत अच्छे-बुरे का भेद बताकर, कर्तव्यों का एहसास दिलाकर, न सिर्फ व्यक्ति की सोच का बल्कि उसके हृदय का भी परिवर्तन करके उसे जीने की सही दिशा दिखाते हैं।

सदाचार सज्जनता के उपदेश द्वारा कितनों के जीवन में से अपराध और मन में से आपराधिक वृत्ति को ही नष्ट करने वाले साधु संतों का उपकार क्या किसी मनोचिकित्सक या पुलिस के योगदान से कम है। यह तो दीक्षा जीवन का समाज उपयोगी मात्र एक पहलू है, ऐसे तो अनेक पहलू हैं जिन्हें यदि समझा जाए तो एक साधु के प्रति सहज सद्भाव हुए बिना नहीं रहेगा। इससे पूर्व पालखी में विराजित भगवान, गुरु भगवन्तों और मुमुक्षु का सामैयापूर्वक दीक्षा मंडप तक प्रवेश हुआ। शंकरपुरम संघ के पदाधिकारियों ने दीक्षा मंडप का उद्घाटन किया। साथ ही दीक्षार्थी भव्य शाह और उनके परिवार के सदस्यों ने दीक्षा जीवन में अनुशासन और औचित्य को दर्शाती चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में संघ के युवा सदस्य आगंतुकों को चित्रों की रोचक समझ प्रदान कर रहे है। श्री आदिनाथ जैन संघ, शंकरपुरम के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री से केसरिया आदिनाथ मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर ध्वजारोहण के अवसर पर निश्रा प्रदान करने की विनंती की। इसके बाद शक्रस्तव अभिषेक, हितशिक्षा, मंगलगीत, वस्त्र रंगाई, संयम उपकरणों की छाब भराई, बहुमूल्य द्रव्यों से गुरुपूजन आदि दीक्षा की रस्में भी अदा की गई। शाम को संयम सिम्फनी नामक कार्यक्रम में मुम्बई के नामी संगीतकार और गायक भाविक शाह, पारस गडा एवं देवांश दोशी ने वैराग्य और संयम के गीतों की प्रस्तुति द्वारा समा बांधा। दीक्षा महोत्सव के व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार के सदस्य अभिषेक बम्ब ने बताया कि त्याग एवं वैराग्य का संदेश जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को मुमुक्षु का वर्षीदान वरघोड़ा आयोजित किया जाएगा।

तेंदुए के हमले से बच्ची की मौत

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के हुंगुंड तालुक के कम्मटगिरी की एक परिवार, जो नौकरी की तलाश में 350 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करके आया था, गुरुवार को चिक्कमगलूरु जिले के तारिकेरे तालुक में हुई एक दुखद घटना से पूरी तरह टूट गया। पांच साल की सान्वी शाम करीब 6 बजे मुद्रे गांव में एक सुपारी के खेत में शेड के सामने खेल रही थी, तभी एक तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे उठा ले गया। उसके पिता, बसवराज, जो यह दर्दनाक पल देख रहे थे, ने जानवर का पीछा करने और अपनी बेटी को बचाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। जानवर गायब हो गया, जिससे माता-पिता दुखी और बेबस हो गए। बाद में, सान्वी की लाश शेड से करीब एक किलोमीटर दूर मिली।

बिरूर पुलिस और जंगल की तारिकेरे रेंज के अधिकारी बच्ची को ढूंढने की कोशिश में शामिल हो गए थे। बसवराज और उनकी पत्नी रेणुका बेंगलूरु में रहने वाले रामचंद्रप्पा के सुपारी के खेत की देखभाल के लिए मुंद्रे गांव आए थे। मालिक ने परिवार को रहने के लिए एक शेड दिया था। फार्म नविलुगुड्डा के पास है, जहां स्थानीय लोगों ने तेंदुओं के आने-जाने की खबर दी थी। उनके शेड में न तो कोई दीवार है और न ही कोई बाड़, जिससे वह जंगली जानवरों के लिए खतरनाक हो जाता है। तारिकेरे विधायक जी.एच.श्रीनिवास और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने परिवार से मुलाकात की। उन्होंने अपनी संवेदनाएं जताई और 20 लाख का चेक दिया। बाद में, उन्होंने पोस्ट-मॉर्टम के बाद, बॉडी को अंतिम संस्कार के लिए बागलकोट में उनके पैतृक स्थान ले जाने का इंतजाम किया। भद्रावती डिवीजन बी.एम. रवींद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने जानवर के पैरों के निशानों के आधार पर उसे ढूंढने के लिए एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया है।

इसके अलावा, जानवर को पकड़ने के लिए इलाके में पिंजरे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा यह पहली घटना है जब तेंदुए ने किसी इंसान को मारा है। हम जानवर को पकड़ने के लिए कदम उठा रहे हैं।

पटना समेत कई जिलों में सुबह हल्की ठंड और कोहरा

पटना/एजेंसियां। बिहार में ठंड बढ़ने लगी है। पारा गिरकर 13 डिग्री तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने स्पष्ट कहा है कि 4 से 5 दिन तक पछुआ हवा के कारण मौसम शुष्क बना रहेगा सुबह और शाम हल्की ठंड रहेगी। पटना समेत कई इलाकों में कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग ने कहा है कि पटना समेत राज्य के लगभग सभी जिलों में अगले दो दिन तक तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है लेकिन इसके बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। आम लोग सावधान रहें। गर्म कपड़े पहनकर ही सुबह और शाम में बाहर निकलें। इधर, आज के मौसम की बात करें तो पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, गोपालगंज, दरभंगा समेत कुछ जिलों में सुबह से ही हल्का कोहरा देखने को मिला। हालांकि नौ बजे तक पटना, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर भागलपुर गया मुंगेर समेत कई जगह धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश भागों के न्यूनतम तापमान मे कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। इसके बिहार राज्य के अनेक भागों के न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री तक की गिरावट का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार का मौसम शुष्क बना रहा। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस पूर्णिया का दर्ज किया गया। वहीं राज्य का अधिकतम तापमान 26.9 से 30.8 सेल्सियस के बीच रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार राज्य के अनेक भागों के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं दर्ज की गयी। वहीं कम न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस पूसा (समस्तीपुर) में दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री से 20 डिग्री के बीच रहा। सबसे कम न्यूनतम दृश्यता 1000 मीटर पटना एवं पूर्णिया में दर्ज किया गया। हालांकि इन दोनों जगहों पर विमान सेवा प्रभावित नहीं हुई।

जमीन विवाद ने ली खौफनाक करवट, फुफेरे भाई ने युवती पर ईंटों से किया जानलेवा हमला

सहरसा/एजेंसियां। जिले के सलखुआ थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने गुरुवार को खूनी रूप ले लिया। यहां 22 वर्षीय युवती बीबी साबरा पर उसके फुफेरे भाई और फुआ ने मिलकर जानलेवा हमला कर दिया।

आरोपियों ने युवती को ईंटों से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना का वीडियो भी गुरुवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद मामला और गंभीर हो गया। फिलहाल घायल युवती सहरसा सदर अस्पताल के महिला वार्ड में इलाजरत है और पुलिस से न्याय की गुहार लगा रही है। पीड़िता के अनुसार, वह सलखुआ थाना क्षेत्र के हरेवा वार्ड 15 की निवासी है। युवती ने बताया कि उसके पिता अब्दुल रब्बान की बहन (फुआ) और बहनोई का घर उसके पड़ोस में है, और इन्हीं से पिछले कई वर्षों से 5 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बीबी साबरा ने पुलिस को बताया कि 19 नवंबर की शाम उसके फुफेरे भाई मो. नौशाद उर्फ फूनना ने उसका मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया। जब उसने ऐसा करने से रोका तो आरोपी फुआ, फुफेरे भाई और अन्य लोगों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। पीड़िता ने यह भी बताया कि यह पहला मौका नहीं है। आरोपी इससे पहले भी कई बार उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर चुके हैं। इस बार विरोध करने पर उन्होंने जमकर मारपीट की।

आरोप है कि हमले के दौरान आरोपियों ने ईंट से उसके कान पर जानलेवा वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मारपीट की घटना के दौरान आसपास मौजूद किसी व्यक्ति ने छिपकर पूरा वीडियो बना लिया, जो गुरुवार रात को वायरल हो गया। घायल युवती को पहले सलखुआ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इस घटना को लेकर पीड़िता ने सलखुआ थाना और महिला थाना सहरसा में आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। महिला थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि आवेदन प्राप्त हो चुका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित सलखुआ थाना को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

मैं अगला बजट पेश करूंगा, सीएम के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करूंगा: सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि अगला बजट मैं खुद पेश करूंगा। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि वह मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे हाईकमान द्वारा लिए गए फैसले का पालन करना चाहिए। विधायक, मंत्री, उपमुख्यमंत्री सभी को प्रतिबद्ध होना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के कुछ विधायकों के दिल्ली जाकर आलाकमान नेताओं से मिलने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि मंत्री चेलुवरायस्वामी दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहले ही बयान दे चुके हैं। मैंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए मंत्री चेलुवरायस्वामी से बात की। उन्होंने कहा कि मैं कृषि मंत्री से मिलने दिल्ली आया हूं। उन्होंने कहा क्या आपका मतलब है कि उनको दिल्ली नहीं जाना चाहिए? उन्होंने दोहराया कि मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा और बजट खुद पेश करूंगा।

नेतृत्व परिवर्तन या कैबिनेट फेरबदल पर आलाकमान के नेताओं को निर्णय लेना चाहिए। लेकिन अभी तक किसी नेता ने बयान नहीं दिया है।

पहले भी कई लोगों ने ऐसी बातें कही और कोशिशें की गईं। जैसा कि आलाकमान ने कहा, मुझे सुनना चाहिए, डीके शिवकुमार को भी सुनना चाहिए। मुझे नहीं पता कि आलाकमान कब बताएगा। लेकिन जब कहा जाएगा तब सुनूंगा।

वे अपनी बात नहीं चूकते। उन्होंने कहा कि चुनाव में बताई गई गारंटी योजनाओं को उन्होंने लागू किया है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शनिवार को बेंगलूरु आ रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं उनसे मिलूंगा और बातचीत करूंगा।

गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत पर रेलवे चलाएगी विशेष ट्रेनें

पटना/एजेंसियां। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वीं शहीदी दिवस के अवसर पर भारतीय रेल लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम बनाने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन करेगी। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी की सर्वोच्च शहादत सत्य, न्याय और धार्मिक स्वतंत्रता की अमर मिसाल है। इसी तपस्या और समर्पण को नमन करते हुए भारतीय रेल यह व्यवस्था कर रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो विशेष ट्रेन सेवाएं चलाई जाएंगी। एक पटना साहिब से आनन्दपुर साहिब के लिए और दूसरी पुरानी दिल्ली से आनन्दपुर साहिब के लिए। यह 22 कोचों वाली ट्रेन 23 नवंबर की सुबह 6:40 बजे पटना से रवाना होकर अगले दिन सुबह 4:15 बजे आनन्दपुर साहिब पहुँचेगी। वापसी यात्रा 25 नवंबर को रात 9:00 बजे शुरू होगी और रात 11:30 बजे पुरानी दिल्ली पहुँचेगी। मार्ग में लखनऊ, मुरादाबाद और अंबाला में रुकावट होगी। 17 कोचों वाली

यह एसी सेवा 22 से 25 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 7 बजे पुरानी दिल्ली से चलकर दोपहर 1:45 बजे आनन्दपुर साहिब पहुँचेगी। वापसी प्रतिदिन रात 8:30 बजे होगी और ट्रेन सुबह 3:15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। यह सेवा सोनीपत, पानीपत, कुरुक्षेत्र, अंबाला, सरहिंद और न्यू मोरिंडा में रुकेगी। मंत्री रवनीत सिंह ने कहा कि ये ट्रेनें भारतीय रेल की श्रद्धालुओं के प्रति प्रतिबद्धता और सेवा भाव का प्रतीक हैं। रेल प्रशासन इस पावन अवसर पर सुरक्षित, आरामदायक और सुलभ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तत्पर है।

बिहार में विपक्षी दल के नेता की हत्या

मोतिहारी/एजेंसियां। मोतिहारी में बिहार विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही एक बार फिर अपराधियों का तांडव शुरू हो गया है। जिले के दरपा थाना क्षेत्र के तिनकोनी गांव में शुक्रवार की अहले सुबह वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) के प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे कामेश्वर सहनी शौच कर लौटने के बाद अपने दरवाजे पर हाथ धो रहे थे। उसी दौरान बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधी पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कामेश्वर सहनी वीआईपी पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष थे और उनका पूर्व में आपराधिक इतिहास भी रहा है। जानकारी के मुताबिक, वे पहले नक्सली के रूप में भी जाने जाते थे और उनके ऊपर आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। हत्या की जानकारी मिलते ही दरपा थाना पुलिस सहित आसपास के कई थानों की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। रक्सौल के एसडीपीओ मनीष आनंद भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जुटे हुए हैं।

गुड़गांव में मजदूर की दर्दनाक मौत

सारण/शुभ लाभ ब्यूरो। हरियाणा के गुड़गांव स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले बिहार के एक मजदूर की मौत की खबर ने सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र के कर्ण कुदरिया गांव को शोक में डूबो दिया है। मृतक की पहचान स्व. मोहन मांझी के 40 वर्षीय पुत्र अमरनाथ मांझी के रूप में हुई है। गुरुवार देर शाम जब शव गांव पहुंचा तो पूरे इलाके में मातम का माहौल छा गया। परिजनों के कानों में जैसे ही मौत की खबर पड़ी, घर में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग और समाजसेवी शोकाकुल परिवार के पास पहुंचे और सरकार से मुआवजा एवं आर्थिक सहायता की मांग की। परिजनों के अनुसार, अमरनाथ मांझी कुछ दिन पहले ही रोज़गार की तलाश में हरियाणा के गुड़गांव गए थे। वहां एक सीमेंट कंपनी में मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। काम के दौरान भारी सीमेंट सामग्री के नीचे दबने से उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कंपनी प्रबंधन ने घटना से परिवार को अवगत कराया और पोस्टमार्टम के बाद शव गांव भिजवा दिया। शव पहुंचते ही परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की पत्नी, तीन पुत्र और एक पुत्री के करुण क्रंदन से पूरा माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि अमरनाथ परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे और उनकी असामयिक मौत ने पूरे परिवार को बुरी तरह तोड़ दिया है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल वित्तीय सहायता देने की अपील की। इधर, पिछले दो दिनों में सारण जिले के मजदूरों की मौत के कई मामले सामने आए हैं, असम, दिल्ली और गुड़गांव से। सबसे भयावह मामला असम के तिनसुकिया जिले के मारग्रेटा स्थित एक ईंट भट्ठे से सामने आया, जहां इसुआपुर थाना क्षेत्र के आठ मजदूरों को बंधक बनाकर काम कराया जा रहा था। छठ पूजा के लिए छुट्टी मांगने पर मजदूरों को बांधकर बेरहमी से पीटा गया, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई जबकि अन्य अभी भी बंधक बने हुए हैं। इसी बीच दिल्ली और गुड़गांव में भी निजी कंपनियों में काम कर रहे दो मजदूरों की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला, हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com